



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

Handwritten signature and date: 11.3.85

सं० 18]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 29, 1984/आश्विन 7, 1906

No. 18]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 29, 1984/ASHVINA 7, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वि इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड अकाउन्टेण्ट्स आफ इंडिया

1 परिषद्

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 सितम्बर 1984

(चार्टर्ड अकाउन्टेण्ट्स)

सं०-1 सी० ए० (5) 035/84 चार्टर्ड अकाउन्टेण्ट्स
ऐक्ट, 1949 के भाग 18 के उपभाग (5) के अनुसरण
में 31 मार्च 1984 को समाप्त हुए वर्ष के लिए कौंसिल को
रिपोर्ट एवं आडिट किए हुए लेखों की प्रतिलिपि सामान्य
सूचना के लिए एतद्वारा प्रकाशित की जाती है।

31 मार्च 1984 को समाप्त हुए वर्ष के लिए परिषद् की
35वीं वार्षिक रिपोर्ट

चार्टर्ड अकाउन्टेण्ट अधिनियम, 1949 की धारा 18(5)
के अनुसरण में, परिषद् सहर्ष अपनी 35वीं रिपोर्ट प्रस्तुत
करती है। इस रिपोर्ट में न केवल 31 मार्च, 1984 का
समाप्त हुए वर्ष के लिए संस्थान के कार्यकलाप अन्तर्निष्ठ हैं,
बल्कि हमने इसके जारी किए जाने की तारीख तक कुछ
महत्वपूर्ण कार्यकलाप के प्रति भी निर्देश किया गया है।

906GI/84

1 1 परिषद् और उसकी विभिन्न समितियों के सदस्य
17 सितम्बर, 1982 को गठित 12वीं परिषद् 16 सितम्बर,
1985 तक पद धारण करेंगी। परिषद् में संस्थान के
24 सदस्य होंगे, जो पांच प्रादेशिक निर्वाचन-क्षेत्रों और केन्द्रीय
सरकार द्वारा नामनिर्देशित छ सदस्यों से मिलकर बनेंगी।
परिषद् और उसकी समितियों का, जिन्हें 17 सितम्बर,
1983 में एक वर्ष की अवधि के लिए गठित किया गया,
संघटन परिशिष्ट 1 और 2 में दिया गया है।

1 2 अध्यक्ष और उपाध्यक्ष

श्री अशोक कुम्भात और श्री पी०एन० शाह 16 सितम्बर,
1983 तक क्रमशः अपने-अपने अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पदों
को सुशोभित करते रहे। श्री पी०एन० शाह और श्री ए०सी०
चक्रवर्ती को 17 सितम्बर, 1983 से लेकर एक वर्ष की
अवधि के लिए क्रमशः अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के तौर पर
निर्वाचित कर लिया गया।

1 3 परिषद् के अधिवेशन

1983-84 वर्ष के दौरान, चार अधिवेशन आयोजित
किए गए, अर्थात् एक सौ चौथा, 20, 21, 22 और 23

अप्रैल, 1983 को; 105वां 20, 21 और 22 जुलाई, 1983 को; 106वां 14, 15, 16 और 17 सितम्बर, 1983 को और 107वां 21, 22, 23 और 24 सितम्बर, 1983 को।

2 अन्तर्राष्ट्रीय कार्य समिति

अन्तर्राष्ट्रीय कार्य समिति ने, जो पिछले वर्ष पुनर्विलोकन समिति की सिफारिशों के आधार पर विरचित की गई थी, विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय निकायों के साथ सम्पर्क बनाए रखने और ऐसे निकायों की सदस्यता से उत्पन्न होने वाले सभी विषयों से व्यवहार करने का उत्तरदायित्व संभाला। समिति ने भारत से बाहर संस्थान के प्रभागों को स्थापित करने और विद्यमान प्रभागों से निकट सम्बन्ध बनाए रखने की संभाव्यता पर भी विचार किया। उसने परिषद् की विभिन्न तकनीकी समितियों में समन्वय किया, जिसके परिणामस्वरूप अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों में प्रस्तुत किए गए प्रारूपों तथा प्राप्त अन्य विवरणियों के त्वरित प्रत्युत्तर प्राप्त हुए। समिति ने अहंताओं की पारस्परिक मान्यता दिए जाने से सम्बन्धित विषयों पर भी विचार किया।

2.2 लेखापालों का अन्तर्राष्ट्रीय परिसंघ

(क) संस्थान लेखापालों के अन्तर्राष्ट्रीय परिसंघ का सदस्य बना हुआ है और भारत परिषद् के निर्वाचित सदस्य के रूप में अपनी प्राम्थ्यता को बनाए हुए है।

(ख) श्री बी०एल० काबरा (जो संस्थान के भूतपूर्व अध्यक्ष थे) लेखापालों की अन्तर्राष्ट्रीय परिषद् का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

(ग) श्री वाई० एच० मालेगम (जो संस्थान के भूतपूर्व अध्यक्ष थे) अन्तर्राष्ट्रीय लेखापाल परिसंघ समिति की अन्तर्राष्ट्रीय संपरीक्षा प्रणाली समिति पर भारतीय प्रतिनिधि के रूप में आसीन हैं।

(घ) श्री बंसी एस० मेहता (जो संस्थान के भूतपूर्व अध्यक्ष हैं) अन्तर्राष्ट्रीय लेखापाल परिसंघ समिति की शिक्षा समिति के सदस्य के रूप में शोभायमान हैं।

(ङ) अन्तर्राष्ट्रीय लेखापाल समिति परिसंघ की अन्तर्राष्ट्रीय संपरीक्षा प्रणाली समिति का एक अधिवेशन नवम्बर, 1983 में नई दिल्ली में आयोजित किया गया। अन्तर्राष्ट्रीय संपरीक्षा प्रणाली समिति के सदस्य भी 10वें एशियाई एवं प्रशान्त महासागर लेखापाल परिसंघ सम्मेलन के सम्बन्ध में आयोजित सभी महत्वपूर्ण समारोहों में सम्मिलित हुए।

(च) अन्तर्राष्ट्रीय लेखापाल परिसंघ के तत्वावधान में 10वें एशियाई एवं प्रशान्त महासागर लेखापाल परिसंघ सम्मेलन के आयोजित किए जाते समय, नई दिल्ली में भी एक लेखापाल गोष्ठी का संगठन किया गया। गोष्ठी का प्रयोजन भाग लेने वाले संस्थानों को अन्तर्राष्ट्रीय लेखापाल परिसंघ तथा उसकी अन्तर्राष्ट्रीय संपरीक्षा प्रणाली समिति के उद्देश्यों, उपलब्धियों तथा भावी योजनाओं से अवगत कराना था। गोष्ठी में अन्तर्राष्ट्रीय संपरीक्षा प्रणाली समिति

के सदस्य विभिन्न सदस्य-निकायों के एशियाई एवं प्रशान्त महासागर लेखापाल परिसंघ सम्मेलन के प्रतिनिधि-मण्डलों के प्रधान, हमारे संस्थान की संपरीक्षा प्रणाली समिति के सदस्य और आमंत्रितगण उपस्थित हुए। जिन व्यक्तियों ने गोष्ठी को सम्बोधित किया उनमें अन्तर्राष्ट्रीय लेखापाल परिसंघ के अध्यक्ष श्री वाशिंगटन साईसिप तथा अन्तर्राष्ट्रीय एशियाई एवं प्रशान्त महासागर परिसंघ के सभापति श्री जी०एम० चाक शामिल थे।

2.3 एशियाई तथा प्रशान्त महासागर लेखापाल परिसंघ

भारत हमारे सहयोगी संस्थान अर्थात् एशियाई तथा प्रशान्त महासागर लेखापाल परिसंघ के माध्यम से उसकी कार्यपालक समिति का प्रतिनिधि बना रहा।

2.4 एशियाई तथा प्रशान्त महासागर लेखापाल परिसंघ का 10वां सम्मेलन

अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों के विकास में एक अत्यन्त महत्वपूर्ण घटना एशियाई तथा प्रशान्त महासागर लेखापाल परिसंघ के 10वें सम्मेलन के आतिथेय का सुअवसर भारत को दिए जाने की बाबत है। यह सम्मेलन 21 से 25 नवम्बर, 1983 तक होटल ताज पैलेस में आयोजित किया गया। यह सम्मेलन भारतीय चार्टर्ड आकाउन्टेण्ट संस्थान तथा भारतीय लागत और संकर्म लेखापाल संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। सम्मेलन का उद्घाटन 21 नवम्बर, 1983 को भारत के राष्ट्रपति शानो जैल सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर संघ वित्त मंत्री श्री प्रणब मुखर्जी मुख्य अतिथि थे। श्री वी०एन० पाटिल, उपमंचार मंत्री, श्री ई०एम० विलनुएवा, अध्यक्ष एशियाई तथा प्रशान्त महासागर लेखापाल परिसंघ और श्री वाशिंगटन सी मिप, अध्यक्ष अन्तर्राष्ट्रीय लेखापाल परिसंघ इस अवसर पर अन्य विख्यान अतिथि थे।

सम्मेलन की विषय-वस्तु "समाज में लेखापाल" का प्रतिपादन विषयों द्वारा तीन सम्पूर्ण सत्रों में, अर्थात् मापदण्ड, प्रबन्धन और पर्यावरण द्वारा किया गया। सम्पूर्ण सत्रों से पूर्व प्रमुख वक्ताओं अर्थात् प्रख्यात अर्थ-शास्त्री प्रो० राज कृष्ण, श्री पी०एल० टण्डन, अध्यक्ष प्रायोगिक अर्थशास्त्रीय अनुसंधान राष्ट्रीय परिषद् तथा एन०ए० पालखीवाला, प्रमुख विधिशास्त्री ने सारवान् भाषण दिए। सम्मेलन के लिए 1100 से अधिक प्रतिनिधि (जिनके अन्तर्गत विदेशों में 215 प्रतिनिधि भी थे) रजिस्ट्रीकृत किए गए। लगभग 150 व्यक्ति प्रतिनिधियों के साथ आए। सम्मेलन के अन्तिम सत्र को श्री जगन्नाथ कौशल सच के विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्री ने संबोधित किया।

लेखकों, लेखकों, भाष्यकारों, तकनीकी सत्रों अध्यक्षों और सम्मेलन की अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं का व्यौरा परिशिष्ट 3 में दिया गया है।

2.5 दक्षिण एशियाई लेखापाल परिसंघ

दक्षिण एशियाई प्रदेश में सन्धि लेखाकर्म वृत्ति के विकास के प्रति एक प्रमुख कदम के रूप में एक नवीन उप-प्रदेशीय निकाय अर्थात् दक्षिण एशियाई लेखापाल परिसंघ अगस्त, 1984 में बंगलादेश, भारत, पाकिस्तान तथा श्रीलंका से वृत्तिक लेखाकर्म के अध्ययनों के एक अधिवेशन में गठित किया गया था।

नव विरचित परिसंघ के गठन में निम्नलिखित उद्देश्यों को अधिकथित किया गया है:—

- (1) प्रदेश में तकनीकी, नैतिक तथा शैक्षिक मार्गदर्शनों को विकसित करने के लिए प्रयत्नों का समन्वय करना और उन्हें मार्गदर्शन प्रदान करना;
- (2) प्रदेश के लेखाकर्म निकायों की अर्हताओं की अन्तरराष्ट्रीय मान्यता के प्रति कार्य करना;
- (3) परामर्श के लिए अवसरों की व्यवस्था करना, जैसे कि प्रदेश के भीतर लेखाकारों के सम्मेलन आयोजित करना जिससे कि लेखाकारिता वृत्ति के सदस्यों का इस योग्य बनाया जा सके कि वे आपस में विचार-विमर्श कर सकें और विचारों का आदान-प्रदान कर सकें तथा लेखाकरण एवं सम्बन्धित विषयों में होने वाले विकासों से अपने-आप का अवगत करा सकें;
- (4) प्रदेश के भीतर राष्ट्रीय लेखाकर्म संगठनों को प्रोत्साहन प्रदान कर सकें और उनकी सहायता कर सकें;
- (5) विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए कार्यक्रमों के विनिर्माण की व्यवस्था कर सकें जिससे कि प्रशिक्षण के अवसरों का विस्तार किया जा सके।

श्री पीन०एन० शाह (भारतीय चार्टर्ड अकाउन्टेण्ट संस्थान के अध्यक्ष) और एल०आर० बटवाला (श्रीलंका चार्टर्ड अकाउन्टेण्ट संस्थान के अध्यक्ष) क्रमशः परिसंघ के प्रथम अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष निर्वाचित किए गए हैं।

परिसंघ के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए, चार समितियाँ गठित की गई हैं अर्थात् शिक्षा समिति, नैतिक समिति, अनुसंधान और वृत्तिक विकास समिति तथा तकनीकी मानक समिति।

2.6 श्रीलंका चार्टर्ड अकाउन्टेण्टों का चौथा राष्ट्रीय सम्मेलन

श्री जी० नारायण स्वामी, परिषद् सदस्य, के नेतृत्व में तीन सदस्यों का एक भारतीय प्रतिनिधिमण्डल 1 और 3 दिसम्बर के बीच कोलम्बो में हुए चौथे श्रीलंका चार्टर्ड अकाउन्टेण्ट राष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मिलित हुआ।

3. वृत्तिक विकास कार्यकलाप

3.1 सामान्य

निम्नलिखित पैरा परिषद् वर्ष के दौरान अर्थात् 17, दिसम्बर, 1983 से लेकर 16 मियम्बर, 1984 तक, परिषद् संस्थान द्वारा गठित विभिन्न गैर-स्थायी समितियों के वृत्तिक विकास कार्यों का निश्चित सर्वेक्षण करते हैं। इस सर्वेक्षण में 1 अप्रैल, 1983 से लेकर 16 सितम्बर, 1983 की कालावधि के कार्यकलाप का शामिल नहीं किया गया है, क्योंकि उन्हें पहले ही गत वर्ष प्रस्तुत की गई 34वीं वार्षिक रिपोर्ट में अन्विष्ट कर लिया गया है। इसके अन्तर्गत प्रादेशिक परिषदों और उनकी शाखाओं के कार्यकलाप के बारे में भी नहीं दिए गए हैं।

3.2 लेखाकरण मानक बोर्ड

(क) जनवरी, 1979 में लेखाकरण मानकों के विवरणों की भूमिका जारी किए जाने से लेकर, परिषद् ने निम्नलिखित छः लेखाकरण मानक जारी किए हैं:—

- (1) "लेखाकरण नीतियों के प्रकटीकरण" पर लेखाकरण मानक-1 (ए०एस०-1)—नवम्बर, 1979.
- (2) "मूल्यांकन के मूल्यांकन" पर लेखाकरण मानक-2 (ए०एस०-2)—जून, 1981.
- (3) "वित्तीय स्थिति में परिवर्तन" पर लेखाकरण मानक-3 (ए०एस०-3)—जून, 1981.
- (4) "तुल्य पत्र तारीख के पञ्चानु घटित आकस्मिकताओं और घटनाओं" पर लेखाकरण मानक-4 (ए०एस०-4)—नवम्बर, 1982.
- (5) "लेखाकरण नीतियों में पूर्व कालावधि तथा असाधारण और परिवर्तन" पर लेखाकरण मानक-5 (ए०एस०-5)—नवम्बर, 1982.
- (6) "लेखाकरण मूल्यहास" पर लेखाकरण मानक-6 (ए०एस०-6)—नवम्बर, 1982.

बोर्ड ने सितम्बर, 1983 में "वित्तीय विवरणों में प्रयुक्त पदों" पर एक मार्गदर्शक टिप्पण भी जारी किया है।

(ख) रिपोर्ट किए जाने की कालावधि के दौरान, बोर्ड ने "निर्माण संवेदाओं के लिए लेखाकरण" पर लेखाकरण मानक-7 (एएस 7) जारी किया है। "अनुसंधान और विकास" पर आठवें निश्चयात्मक लेखाकरण मानक (ए०एस०-8) इस विषय पर प्रकटीकरण प्रारूप-8 पर प्राप्त आलाचना के आधार पर उसे परिषद् द्वारा अन्तिम रूप दिया गया और वह परिषद् के प्राधिकार के अधीन शीघ्र ही जारी किया जाएगा।

(ग) विचार-विमर्श के अधीन दो प्रारूपों अर्थात् "सावधि आस्तियाँ" और "राजस्व मान्यता" की बोर्ड द्वारा अन्तिम रूप दे दिया गया है और उन्हें प्रवरण बाह्य निकायों में तथा परिषद् सदस्यों में उनकी समालोचना के लिए

परिचालित कर दिया गया है। बाह्य निकायों के प्रतिनिधियों द्वारा अभिव्यक्त किए गए दृष्टिकोणों पर विचार करने के पश्चात् इस विषय पर प्रकटीकृत प्राप्ति के सार्वजनिक टीका-टिप्पणों के लिए जारी किया जाएगा।

(घ) सितम्बर, 1983 में बोर्ड ने लेखाकरण मानकों पर एक कार्यशिविर आयोजित किया जिसने उद्योग, सरकारी निकायों और दिलचस्पी रखने वाले अन्य उद्योगिकियों ने एकलप आधार पर लेखाकरण मानकों को अपनाने के प्रश्न पर विचार किया। विचार-विमर्शों के आधार पर बोर्ड द्वारा कार्यरूप दिए जाने की एक योजना तैयार की गई और उसे सितम्बर, 1983 में परिषद् के समक्ष प्रस्तुत किया गया। तदनुसार, परिषद् द्वारा निम्नलिखित विनिर्देश दिए गए:

- (1) प्रारम्भ में, लेखाकरण मानक-4 और लेखाकरण मानक-5, 1-1-1985 का या तत्पश्चात् प्रारम्भ होने वाली कालावधियों के लिए लेखाओं की बाबत कार्यान्वित किए जाने चाहिए।
- (2) पहले से जारी किए गए शेष मानकों का क्रियान्वित करने की तारीख को लेखाकरण मानक मानकों द्वारा विचार किया जाना चाहिए।
- (3) भविष्य में जारी किए जाने वाले लेखाकरण मानकों की बाबत तीन वर्ष की कालावधि की सिफारिश की जानी चाहिए।
- (4) प्रथम प्रक्रम पर, लेखाकरण मानक (क) पब्लिक सेक्टर कंपनियों (ख) शेयर बाजार में सूचीबद्ध प्राइवेट सेक्टर कंपनियों तथा (ग) बैंकों और निगमित सेक्टर के वित्तीय संस्थानों में बड़ी मात्रा में ऋण ग्रहण करने वालों का लागू किए जाने चाहिए।

(3) वित्तीय और अन्य संस्थानों पर यह प्रभाव डालने के लिए उन्हें चाहिए कि वे अपने कर्मीकार संगठनों को कहें कि वे अपनी विवरणियां लेखाकरण मानकों के आधार पर तैयार करें, बोर्ड ने फरवरी, 1984 में विज्ञान भवन में लेखाकरण मानकों पर एक और कार्यशिविर का आयोजन किया। इस कार्यशिविर में बैंकों, उत्कृष्ट वित्तीय संस्थानों, सरकारी शेयर बाजारों तथा अंशधारियों की एंमोसिएशनों के प्रतिनिधि उपस्थित हुए। कार्यशिविर के विचार-विमर्शों के आधार पर तैयार की गई विस्तृत योजना पर परिषद् द्वारा अप्रैल, 1984 में अपने आयोजित अधिवेशन पर विचार किया गया और परिषद् द्वारा निम्नलिखित विनिर्देश दिए गए:

1. चूंकि दिल्ली और बम्बई के शेयर बाजारों में यह सहमति हुई थी कि वे मानकों का अनुपालन करने हेतु सभी सम्भव सहायता प्रदान करेंगे, इसलिए विनिर्देशित किया गया कि सरकार के समक्ष यह अभ्यावेदन किया जाएगा कि देश के शेयर बाजारों से यह निवेदन दिया जाए कि वे अपनी सूची की अपेक्षाओं में लेखाकरण मानकों का अनुवर्तन आज़ापन बनाएं।

2. भारतीय बैंक एंमोसिएशन, भारत का रिज़र्व बैंक तथा वित्तीय संस्थानों को अतः संस्थान समिति का प्रेरित किया जाए कि वह सभी बैंकों और वित्तीय संस्थानों पर दबाव डाले कि उनके बड़े-बड़े निगमित ऋणगृहीताओं को चाहिए कि वे लेखाकरण मानकों के अनुसरण में तैयार किए गए लेखाओं को प्रस्तुत करें।

3. संस्थान का चाहिए कि वह सरकार के समक्ष यह प्रस्ताव रखे कि वह मैनुस्क्रिप्ट एंड अदर कम्पनीज (आइटर्स रिपोर्ट) आर्डर, 1975 में एक उपबन्ध करे जिससे संपरीक्षकों से यह अपेक्षा की जाए कि वे इस बात की रिपोर्ट करें कि क्या कम्पनी ने अपने वित्तीय विवरण लेखाकरण मानकों के अनुसरण में तैयार किए थे। बोर्ड ऊपर उपरोक्त परिषद् के विनिर्देशों के आधार पर अनुवर्ती अध्याप्य कर रहा है।

(च) वित्तीय विवरणों के तैयार और प्रस्तुत किए जाने में लेखाकरण मानकों का अपनाने में मददगार की सहायता करने की दृष्टि से, "लेखाकरण नीतियों का प्रकटीकरण" (ए०एम०-1) तथा "सूचियों का संचालन" (ए०एस०-2) नामक दो मार्गदर्शक टिप्पण बार्ड द्वारा तैयार किए जा रहे हैं।

(छ) निम्नलिखित विषयों पर मानकों का सूत्रपात किया जा रहा है:

- (1) आय पर करों के लिए लेखाकरण
- (2) निवाजकों के वित्तीय विवरणों में सेवानिवृत्त प्रसावधियों के लिए लेखाकरण
- (3) विदेशी मुद्रा की दरों में परिवर्तनों के प्रभावों के लिए लेखाकरण
- (4) सरकारी अनुदानों और सरकारी सहायता के प्रकटीकरण के लिए लेखाकरण।

(ड) समिति ने वाणिज्यिक उत्पाद की तारीख में पश्चात्पत्ती कालावधि के लिए सावधि निक्षेपों के क्रय के लिए अथवा आस्थगित मद्रास के आधार पर खरीदी गई आस्तियों की बाबत लिये गए ऋणों पर संवेद्य ब्याज के पूंजीकरण के प्रश्न पर परिषद् के मतों को स्पष्ट करते हुए पत्रिका (जर्नेल) में एक टिप्पण प्रकाशित किया।

(च) समिति ने संपरीक्षकों की रिपोर्ट में, योग्यताओं की रीति में कतिपय परिवर्तनों की सिफारिशों की थीं। सितम्बर, 1983 में पत्रिका में प्रकाशित संपरीक्षकों की रिपोर्ट में अहंताओं के विवरण सम्बन्धी पुनरीक्षित अध्याय 3 में इस निमित्त कतिपय प्रणालियों की सिफारिश की गई थी। उनके निर्वचन के सम्बन्ध में किञ्चित् प्रश्नवाचक शंकाएं प्राप्त हुई थीं। उनके उत्तर में, समिति ने एक टिप्पण को अन्तिम रूप दिया और मददगार की सूचना के लिए जुलाई, 1984 के अंक में उसे प्रकाशित किया।

(छ) बम्बई, मद्रास, कलकत्ता और नई दिल्ली स्थित प्रथम समूह अन्तर्राष्ट्रीय अकाउण्टेण्ट परिसंघ की अन्तर्राष्ट्रीय संपरीक्षा प्रणाली समिति द्वारा जारी किए गए अन्तर्राष्ट्रीय

संपरीक्षा मार्गदर्शनों के आधार पर मानक संपरीक्षा प्रणालियों एवं मार्गदर्शन टिप्पणों पर विवरणों के आरम्भिक प्रारूपों को तैयार करने में व्यस्त रहे हैं।

(ज) कलकत्ता में बैंक संपरीक्षा के अनुक्रम के दौरान और समिति के विचारार्थ आधारभूत प्रारूप तैयार करने में सदस्यों के समक्ष आने वाली समस्याओं पर विचार करने के प्रयोजन हेतु एक पृथक् अध्ययन समूह गठित किया गया है। यह अध्ययन-समूह वर्तमान स्थान के "आडिट आफ बैंक्स" नामक प्रकाशन का भी पुनरीक्षण कर रहा है।

(झ) अन्तरराष्ट्रीय अकाउन्टेण्ट परिसंघ की भिन्न-भिन्न समितियों द्वारा जारी की गई विभिन्न दस्तावेजों के प्रत्युत्तरों को तैयार करने के लिए नई दिल्ली में एक अध्ययन-समूह गठित किया गया।

(ञ) समिति ने, अपने कार्यान्वयन के अन्तिम वर्ष के दौरान प्राप्त अनुभव के प्रकाश में, कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 227(4क) के अधीन मैन्युफेक्चरिंग एण्ड अदर कम्पनीज (आडिट रिपोर्ट) आर्डर, 1975 का पुनर्विलोकन किया। परिषद् द्वारा समिति की सिफारिशों पर विचार किया गया है और उन्हें उसके द्वारा अन्तिम रूप दिया गया है। उन्हें सरकार के विचारार्थ भी प्रस्तुत किया जाएगा।

(ट) समिति के विचारार्थ निम्नलिखित विषयों पर प्रारूप तैयार किए जा रहे हैं:—

- (i) "नेगेटिव ओपिनियन एण्ड टाटल डिस्क्लेमर आफ ओपिनियन इन आडिट रिपोर्ट्स इन इण्डिया" पर अध्ययन।
- (ii) "संपरीक्षक द्वारा प्रबन्धतन्त्र को पत्र" पर अध्ययन।
- (iii) "संयुक्त संपरीक्षकों का उत्तरदायित्व" पर वर्तमान विवरण का पुनरीक्षण।

3.4 अनुसन्धान समिति :

(क) प्रकाशित साहित्य :

निम्नलिखित अनुसन्धान अध्ययन/प्रबन्ध (मानोग्राफ)/मार्गदर्शन वर्ष के दौरान प्रकाशित किए गए :

- (i) "भारतीय वित्त संस्थानों की अपेक्षाओं के सन्दर्भ में परियोजना मूल्यांकन" पर अनुसन्धान अध्ययन।
- (ii) "रबड़ बागान के लिए लेखाकरण" पर प्रबन्ध।
- (iii) "कृषि कार्यों के लिए लेखाकरण" पर प्रबन्ध।
- (iv) "जानवरों के लिए लेखाकरण" पर प्रबन्ध।
- (v) "विशेष प्रयोजनों के लिए संपरीक्षा रिपोर्टें तथा प्रमाणपत्र" पर मार्गदर्शक टिप्पण।
- (vi) "आन्तरिक संपरीक्षा—घाघ उद्योग" पर मार्गदर्शन।

(ख) परिषद् समिति द्वारा अन्तिम रूप दिए गए और विचाराधीन प्रारूप :

- (i) "शेयर बाजारों के सदस्यों के लेखाओं की संपरीक्षा" पर मार्गदर्शक टिप्पण।
- (ii) आयकर अधिनियम के व्ययों के लिए तथा धारा 43ख के लिए उपबन्ध।
- (iii) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के लिए लेखापाल का मार्गदर्शन।
- (iv) 'उर्वरक उद्योग' पर लेखाकरण एवं संपरीक्षण तकनीकी मार्गदर्शन।

(ग) अन्तिम रूप दिए जाने के अधीन :

- (i) "उद्योग में ह्रास के उदाहरण के लिए वित्तीय जानकारी का उपयोग" पर अध्ययन।
- (ii) "आन्तरिक संपरीक्षा—चीनी उद्योग" पर मार्गदर्शन।
- (iii) जीरो-बेस बजेटिंग।
- (iv) निम्नलिखित पर लेखाकरण तथा संपरीक्षण मार्गदर्शन

(क) मोटर उद्योग

(ख) भेषज एवं फार्मेस्यूटिकल्स उद्योग

- (v) निर्माण उद्योग—आन्तरिक संपरीक्षा पर मार्गदर्शन।

(घ) चालू परियोजनाएं :

- (i) सांख्यिकीय नमूना तकनीकें—संपरीक्षा प्रणालियों के लिए सहायता
- (ii) लेखाओं में सेवानिवृत्ति उपदान की बाबत विवरण में शामिल किए जाने वाले उपदान के कर व्यवहार पर अध्याय
- (iii) पट्टाओं के लिए लेखाकरण पर अनुसन्धान-अध्ययन
- (iv) आन्तरिक संपरीक्षा—कपड़ा उद्योग पर मार्गदर्शन
- (v) निम्नलिखित के अध्ययन :

—एम आर टी पी अधिनियम

—निगमित वित्त पर मुद्रा स्फीति का प्रभाव
विदेशी विनियम विनियमन अधिनियम

—आन्तरिक संपरीक्षा—एस आई सी एवम् जी आई सी।

—बैंकों की आन्तरिक संपरीक्षा

—लोक न्यासियों की संपरीक्षा

—अस्पताल लेखाकरण तथा प्रबन्ध नियन्त्रण पद्धतियां

(इ) वर्तमान प्रकाशनों का पुनरीक्षण .

निम्नलिखित वर्तमान प्रकाशनों का पुनरीक्षण प्रारम्भ किया गया है:—

- (i) भारतीय उद्योगों में कीमत नियतन
- (ii) प्रकाशित लेखाओं में पूर्वोदाहरण
- (iii) बोनस संदाय अधिनियम, 1965—एक लेखापान का अध्ययन
- (iv) शिक्षा संस्थाओं की संपरीक्षा के लिए तकनीकी मार्गदर्शन
- (v) सहकारिता समितियों की संपरीक्षा के लिए तकनीकी मार्गदर्शन
- (vi) शेयर मूल्यांकन पर अध्ययन ।

(ख) बाह्य निकायों को भेजा गया अभ्यावेदन

सामान्य बीमा कंपनियों के वित्तीय विवरणों की वर्तमान ग्रन्थकारिता का पुनर्विलोकन । दिल्ली में इस प्रयोजन के लिए गठित अध्ययन-समूह द्वारा सामान्य बीमा कंपनियों के वित्तीय विवरण की वर्तमान ग्रन्थकारिता का पुनर्विलोकन किया गया था । जिन पुनरीक्षित ग्रन्थकारिताओं का सुझाव दिया गया था वे अब परिपक्व द्वारा अनुमोदित किए जाने के पश्चात् बीमा तथा सामान्य बीमा कंपनी नियन्त्रक को आगे कार्यवाही करने के लिए भेज दी गई हैं ।

(छ) अध्ययन समूह का गठन

अन्तरराष्ट्रीय लेखाकरण मानक समिति के द्वारा जारी की गई दस्तावेजों पर बम्बई स्थित एक अध्ययन-समूह टिप्पण तैयार करता रहा है ।

(ज) शील्ड पेनल .

1982-83 के लिए कंपनियों और गैर-वित्तीय कानूनी निगमों के पेश किए गए सर्वोत्तम लेखाओं के लिए पुरस्कारों का वार्षिक वितरण ।

1982-83 वाले वर्ष के लिए वार्षिक प्रतियोगिता हेतु निर्णायकों के पेनल ने निम्नलिखित की वार्षिक रिपोर्टों और उनके लेखाओं को अर्थात्:—

हिन्दुस्तान आर्गेनिक केमिकल्स लिमिटेड (31 मार्च, 1983 को समाप्त वर्ष के लिए) को सर्वोत्तम माना है और तदनुसार उसने अपनी चादी की शील्ड इस कंपनी को देने का निश्चय किया है ।

निर्णायकों के पेनल ने निम्नलिखित कंपनियों की वार्षिक रिपोर्टों और लेखाओं की भी अत्यन्त प्रशंसा की है और तदनुसार उन्हें फलक (प्लेक्स) देने का विनिश्चय किया है:—

सीमेन्ट कारपोरेशन आफ इण्डिया लिमिटेड (31 मार्च, 1983 को समाप्त वर्ष के लिए)

हिन्दुस्तान मंगान टून्स लिमिटेड (31 मार्च 1983 को समाप्त वर्ष के लिए)

दि टाटा आयरन एण्ड स्टील कंपनी लिमिटेड (31 मार्च 1983 को समाप्त वर्ष के लिए)

[उपर्युक्त सूची वर्णानुक्रम में तैयार की गई है और वह गुणों के आधार पर उन्हीं रैंकों को सूचित नहीं करती ।]

1982-83 के लिए बैंकों और वित्तीय संस्थानों के सर्वोत्तम रूप से प्रस्तुत लेखाओं के लिए वार्षिक प्रतियोगिता ।

निर्णायकों के पेनल ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों के लेखाओं पर भी विचार किया और निम्नलिखित की वार्षिक रिपोर्ट और लेखाओं को दि इण्डस्ट्रियल क्रेडिट एण्ड इन्वेस्टमेंट कारपोरेशन आफ इण्डिया लिमिटेड (31 दिसम्बर, 1982 को समाप्त वर्ष के लिए) को बैंकों और वित्तीय संस्थाओं से प्राप्त प्रविष्टियों में से सर्वोत्तम माना गया और उन्होंने तदनुसार इस निगम को चांदी की शील्ड देने का विनिश्चय किया है ।

1982-83 के लिए 17 स्वरों, जैसे कि लोक न्यास सहकारिता समितियों अनुसन्धान और शिक्षा संस्थानों आदि के लिए सर्वोत्तम प्रस्तुत लेखाओं के लिए वार्षिक प्रतियोगिता ।

निर्णायकों के पेनल ने पृथक् रूप से ऊपर वर्णित स्वरों के लेखाओं पर विचार किया और निम्नलिखित की वार्षिक रिपोर्ट और लेखाओं को, अर्थात् पेट्रोक्लस कोआपरेटिव लिमिटेड (30 जून 1982 को समाप्त वर्ष के लिए) को प्राप्त प्रविष्टियों में से सर्वोत्तम माना और उन्होंने तदनुसार अपना प्लेक उसे देने का विनिश्चय किया ।

सर्वोत्तम प्रस्तुत लेखाओं का वरण करने के लिए निर्णायकों द्वारा जो कसौटियां अपनायी गईं उनमें संपरीक्षक की रिपोर्ट में किसी विशेष अहंता, वित्तीय विवरणों के तैयार किये जाने और प्रस्तुत किए जाने में सुसंगत अपेक्षाओं के अनुपालन, लेखाकरण नीतियों के प्रकटीकरण, वित्तीय जानकारी के चित्र के रूप में प्रस्तुत किये जाने, निदेशकों की रिपोर्टों की जानकारी तथा अतिरिक्त वित्तीय जानकारी, जो कि कानूनी रूप से अपेक्षित नहीं है, अर्थात् मुद्रा स्फीति समंजन लेखाओं, मानविक आस्ति लेखाओं, जिनमें मूल्यों की वृद्धि की गई हो, वित्तीय स्थिरता में तथा सामाजिक लागतों में परिवर्तनों का अभाव है ।

3.5 वृत्तिक विकास समिति

(क) राष्ट्रीयकृत बैंकों की लेखाओं के लेखाओं की संपरीक्षा से सम्बन्धित पेनलीकरण प्रक्रिया और अन्य विषय

सम्यक् प्राधिरियों के निवेदन पर, समिति ने पूर्वोक्त प्राधिकारियों द्वारा उपदर्शित मार्गदर्शनों के अनुसरण में 1983 वाले वर्ष के लिए पब्लिक सेक्टर बैंकों के संपरीक्षकों के रूप में मंथान के व्यवसायकर्ता सदस्यों में पेनल बनाने के लिए जानकारी एकत्रित की ।

1984 के वर्ष के लिए पब्लिक सेक्टर बैंकों का संपरीक्षण करने के लिए ऐसी ही जानकारी एकत्रित की गई है और उसे

सम्बद्ध प्राधिकारियों को भेज दिया जायेगा। परिषद् भविष्य में प्रत्येक वर्ष उपर्युक्त आधार पर अध्ययन जानकारी देने के लिए सहमत हो गई है।

(ख) पब्लिक सेक्टर बैंकों के कानूनी और शाखा संपरीक्षकों के पारिश्रमिक का व्रतन-क्रम।

पब्लिक सेक्टर बैंकों के कानूनी और शाखा संपरीक्षकों को संदेय पारिश्रमिक के नियतन तथा स्थानीय परिवहन के वितरण से सम्बन्धित अध्ययन भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा स्थापित कार्यकरण समूह को सौंपा गया। श्री पी.एन. शाह, अध्यक्ष ने कार्यकरण समूह में मस्थान का प्रतिनिधित्व किया। कार्यकरण समूह का अधिवेशन किया जा चुका है और उसने पब्लिक सेक्टर बैंकों के कानूनी तथा शाखा संपरीक्षकों के स्थानीय परिवहन के पारिश्रमिक तथा वितरण के पुनरीक्षण से सम्बन्धित विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया है। कार्यकरण समूह की रिपोर्ट जून, 1984 में सरकार को प्रस्तुत की जा चुकी है। कार्यकरण समूह की सिफारिशों पर सरकार का विनिश्चय शीघ्र ही प्रख्यापित किये जाने की प्रत्याशा है।

(ग) दस लाख रुपये से अधिक उधार सीमाओं को प्राप्त करने वाले उधार-गृहताओं के लेखाओं का संपरीक्षण और वित्तीय बैंकों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए संपरीक्षा रिपोर्ट तथा लेखाओं की उपयुक्त ग्रन्थकारिताओं का अभिकल्पन।

भारतीय रिजर्व बैंक, सैद्धान्तिक रूप से, दस लाख रुपये से अधिक राशि बैंकों से उधार लेने वाले गैर-निगमित स्वत्वों के लेखाओं की संपरीक्षा की पद्धति लागू करने के लिए सहमत हो गया है। इस प्रायोजन के लिए संपरीक्षा रिपोर्टों और लेखाओं के स्वरूप, जैसे कि वह संस्थान एबम् भारतीय बैंक एमोसिएशन द्वारा तैयार किया गया है, को अभी अन्तिम रूप नहीं दिया गया है और उन्हें शीघ्र ही जारी किये जाने की सम्भावना है।

(घ) शेयर दलालों के लेखाओं की संपरीक्षा वित्त मन्त्रालय (आर्थिक कार्य विभाग—शेयर विनियम खंड) ने तारीख 31-5-1984 वाली एक अधिसूचना जारी की है जिसमें यह उपबन्ध किया गया है कि मान्यताप्राप्त शेयर एक्सचेंजों के सभी सक्रिय सदस्यों को चाहिए कि वे लेखाओं और अन्य दस्तावेजों को उस प्रकार बनाये रखें जैसे कि सिक्स्यो-रिटिज कान्ट्रेक्ट (रेग्यूलेशन) रूल्स, 1957 के नियम 15 के अधीन उल्लिखित है और उन्हें चार्टर्ड अकाउंटेंटों द्वारा संपरक्षित कराये। संपरीक्षा रिपोर्ट का स्वरूप अधिसूचना में दिया गया है। यह उपबन्ध 1-4-1984 या उसके पश्चात् प्रारम्भ होने वाले वर्ष के लिए लेखाओं की व्रत लागू होता है। यह संपरीक्षा लेखाकरण वर्ष की समाप्ति के छः महीनों के भीतर पूरी की जानी है और संपरीक्षा रिपोर्ट शेयर एक्सचेंज तथा सरकार को प्रस्तुत की जानी है। यह अधिसूचना “दि चार्टर्ड अकाउंटेंट” जुलाई, 1984 (पृष्ठ 33) में प्रकाशित की गई है।

(ङ) महत्वागता समितिओं की संपरीक्षा

परिषद् ने राज्य सरकारों से निवेदन किया है कि वे चार्टर्ड अकाउंटेंटों को सहकारिता समितिओं के संपरीक्षकों के रूप में नियुक्त करें। प्रादेशिक कार्यवाहियों तथा शाखाओं से यह निवेदन किया गया है कि वे अपने अपने प्रदेशों के सदस्यों से चार्टर्ड अकाउंटेंटों को आर्बाइल की जाने वाली संपरीक्षा के परिणाम की वास्तविक जानकारी एकत्रित करें और उसे समिति के विचारार्थ प्रस्तुत करें। समिति के अध्यक्ष तथा सदस्य बहुरत में राज्यों में कार्यकर्ताओं से मिलेंगे और उन्होंने आयकर अधिनियम में धारा 44कख के पुर-स्थापन किए जाने के दृष्टिकोण से सहकारिता समितिओं के चार्टर्ड अकाउंटेंटों के संपरीक्षकों के रूप में उनकी नियुक्ति की आवश्यकता पर बल दिया है जो चालीस लाख रुपये से अधिक व्यापारावतों का धारण करने वाले संगठनों के लेखाओं की संपरीक्षा करेंगे। समिति ने राज्य सरकारों को यह निवेदन दिलाया कि काम को दो बार करने से बचा जा सके।

(च) बैंकों का समवर्ती/आन्तरिक संपरीक्षा/प्राय तथा व्यय संपरीक्षण

समिति ने बैंकों की समवर्ती/आन्तरिक संपरीक्षा/प्राय तथा व्यय संपरीक्षण को चार्टर्ड अकाउंटेंटों को आर्बाइल करने के लिए विभिन्न बैंकों से सम्पर्क किया है। अधिकतर राष्ट्रीय-स्तरीय बैंक समिति के इस सुझाव से सहमत हो गये हैं कि समवर्ती/आन्तरिक संपरीक्षा, निरीक्षण और राजस्व-संपरीक्षा से सम्बन्धित कार्य चार्टर्ड अकाउंटेंटों को सौंप दें। समिति निरन्तर हमारे सम्बन्धित स्थानों का नेतृत्व कर रही है।

(छ) उद्योग में सदस्य:

“उद्योग में सदस्यों के लिए समिति” नामक एक उप-समिति:

(i) सेवारत सदस्यों को प्रभावित करने वाले विषयों पर विचार करने; (ii) संस्थान के कार्यों में सेवारत सदस्यों के सम्मिलित किये जाने में वृद्धि सम्बन्धी उपायों पर विचार करने; (iii) उद्योगों में नियोजन चाहने वाले सदस्यों तथा भावी नियोजकों दोनों के फायदे के लिए नियोजन-सेवा की व्यवस्था करने; तथा (iv) उद्योग में सदस्यों के लिए नये रूतों की खोज करने और उनका विकास करने के लिए गठित की गई है। उपर्युक्त समिति के सदस्य, मुख्य रूप से, उद्योग में से लिए गये हैं। उद्योग में सदस्यों के लिए समिति के विनिश्चय के अनुसरण में पत्रिका में क्रमिक रीति में लेख प्रकाशित किये जाएंगे जिसमें कि सदस्य को अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में तथा विदेशों में नियोजन अवसरों की वास्तविक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा सके।

निम्नलिखित लेख क्रमशः नवम्बर, 1983 और जनवरी, 1984 में प्रकाशित किये गये थे:—

- (i) दुबई में चार्टर्ड अकाउंटेंटों के लिए नियोजन
- (ii) बैंकों में नियोजन अवसर

(क) निरन्तर शिक्षा कार्यक्रम

समिति द्वारा निम्नलिखित तीन आवस्यीय कार्यक्रम गठित किये गये :—

कोवलम, मद्रास में आन्तरिक संपरीक्षा पर रिहायशी पाठ्यक्रम

औरंगाबाद में आन्तरिक संपरीक्षा पर रिहायशी पाठ्यक्रम

दरजलिंग में आन्तरिक संपरीक्षा पर रिपायशी पाठ्यक्रम

(1) आन्तरिक संपरीक्षा पर चौथा अखिल भारतीय सम्मेलन 8 और 9 सितम्बर, 1984 को नई दिल्ली में आयोजित किया गया। सम्मेलन में देश के सभी भागों में से लगभग 225 प्रतिनिधि उपस्थित हुए थे। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य आन्तरिक संपरीक्षा कृत्य के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श करना और वर्तमान आर्थिक और कारबार पर्यावरण में आन्तरिक संपरीक्षक की बढ़ती हुई भूमिका पर विचार करना था।

माननीय श्री जे. एन. कौशल, संघ विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मन्त्री ने सम्मेलन का उद्घाटन किया और माननीय श्री एन. के. पी. साल्वे, संघ इस्पात व खान मन्त्री ने विदाई भाषण दिया। प्रारम्भिक और समापक सूत्रों के अतिरिक्त, सम्मेलन में चार तकनीकी सूत्र आयोजित किये गये जिनमें आन्तरिक संपरीक्षण के विभिन्न पहलुओं की चर्चा की गई। विभिन्न पहलुओं के अध्यक्ष तथा अतिथि अभिभाषकों के अन्तर्गत प्रा. राज कृष्ण न्यायमूर्ति राजनन्दर सम्बर, श्री आर. ठाकुर संसद् सदस्य, श्री वाई. एच. मालेगम, श्री डी. एन. पटौदिया (उपाध्यक्ष एफ आई भी सी आई) श्री एम. प्रेम कुमार (अध्यक्ष संपरीक्षा बोर्ड) और श्री बंसी एस. मेहता (अध्यक्ष, अन्तरराष्ट्रीय अकाउन्टेण्ट परिसंघ समिति) भी शामिल थे।

(ऊ) समिति के अनुरोध पर, 24 से 26 फरवरी, 1984 तक पूर्वी भारतीय प्रादेशिक परिषद् द्वारा कम्पनी संपरीक्षा पर एक पाठ्यक्रम गठित किया गया।

(ट) बैंकों की आन्तरिक/संवर्ती संपरीक्षाओं से संबंधित विषयों में कार्य-अन्तर्वर्तन की आवश्यक सामान्य मार्गदर्शनों का सूत्रपात किया गया, जो सदस्यों के मार्गदर्शन के लिए व्याज, आय व्यय, मूल्यांकन और निरीक्षण से संबंधित थे। सदस्यों का मार्गदर्शन अन्तिम प्रक्रम पर है।

भारत सरकार के ऊर्जा मन्त्री माननीय श्री पी. शिवशंकर को एक अभ्यावेदन प्रस्तुत किया गया जिससे कि ओ०एन०जी० सी अधिनियम के संशोधन के लिए यह निवेदन करते हुए कहा गया था कि चार्टर्ड अकाउन्टेण्टों द्वारा ओ०एन०जी० सी० लेखाओं की संपरीक्षा उपलब्ध करायी जायें : समिति द्वारा इस बारे में अपने पक्ष में विचार हेतु प्रयत्न किये जा रहे हैं।

(ड) संसद् की प्रवरण समिति के अध्यक्ष को भारतीय जीवन बीमा निगम विधेयक, 1983 पर एक अभ्यावेदन किया गया है जिसमें यह सुझाव दिया गया है कि व्यवसाय में सात वर्ष का अनुभव रखने वाले चार्टर्ड अकाउन्टेण्ट अथवा

पब्लिक सेक्टर उपक्रमों में वरिष्ठ अकाउन्टेण्टों को भी प्रस्तावित नियम के अधीन गठित किए जाने वाले अधिकरणों पर कार्य करने का हकदार बनाया जाना चाहिए।

(द) अन्तरराष्ट्रीय आन्तरिक संपरीक्षा वृत्तिक विकास की एक उपसमिति गठन की गई है जो आन्तरिक संपरीक्षा कार्य से संबंधित विषयों पर विचार करेगी और आन्तरिक संपरीक्षकों के रूप में चार्टर्ड अकाउन्टेण्टों के योगदान को सरल और कारगर बनायेगी।

3.6 कम्पनी विधि समिति

(क) निरन्तर शिक्षा कार्यक्रम.

(i) "निगमित अन्तरिक्ष में वर्तमान विकास" पर एक चार दिवसीय रिहायशी पाठ्यक्रम मार्च, 1984 में होटल फिडालगो, गोवा में आयोजित किया गया।

(ii) काराधान और कम्पनी विधि पर सोहसवीं अखिल भारतीय गोष्ठी 31 अगस्त से 2 सितम्बर 1984 तक कलकत्ता में काराधान समिति तथा कम्पनी विधि समिति द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई। [इसके व्योरे पैरा 3.7 (घ) में दिये गये हैं।]

(ख) कम्पनी कार्य विभाग और संस्थान के प्रतिनिधियों के बीच एक अधिवेशन आयोजित किया गया था ताकि सामान्य हित के विषयों पर विचार-विमर्श किया जा सके। निम्नलिखित विषयों पर विचार-विमर्श किया गया :—

(i) पब्लिक सेक्टर में कम्पनियों के लिए संपरीक्षा शुल्कों के नियत किये जाने के विषय में नये मार्गदर्शनों का जारी किया जाना

विभाग ने वर्तमान मार्गदर्शनों को पुनरीक्षित कर लिया है जिसमें कि इस तथ्य का शामिल किया जा सके कि संपरीक्षा शुल्क स्थिर नहीं बने रहने चाहिए और यह कि इसमें अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति की दर पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। "दि चार्टर्ड अकाउन्टेण्ट" के सितम्बर 1984 वाले अंक के पृष्ठ 180-182 में इस विषय पर एक टिप्पण प्रकाशित किया गया।

(ii) मुख्य अकाउन्टेण्टों की वित्तीय नियन्त्रकों के रूप में चार्टर्ड अकाउन्टेण्टों की नियुक्ति

विभाग सम्यक् अनुक्रम में सचिव समिति की सिफारिशों सहित इस प्रस्ताव पर विचार करने के लिए सहमत हो गया। उसने यह भी सुझाव दिया कि संस्थान को चाहिए कि वह नियोजन में मेवारत चार्टर्ड अकाउन्टेण्टों के लिए एक आचार संहिता की रचना करे जो कि उसी रीति में वार्षिक लेखाओं पर हस्ताक्षर करेंगे जिसमें कि कम्पनी सचिव करना है।

(iii) मैन्युफैक्चरिंग एण्ड अदर कम्पनीज (आडिटर्स रिपोर्ट) आर्डर, 1975

विभाग ने, सैद्धान्तिक रूप से, सहमति प्रकट की है कि धारा 227 (4-क) के अधीन आदेश का पुनर्विचिन्तन उपयोगी होगा। यह सुझाव दिया गया कि

संस्थान को चाहिए कि वह उक्त आदेश का अध्ययन करे और सरकार के विचार के लिए विस्तृत सुझाव तैयार करे।

(iv) लेखाओं का पुनरीक्षण परिशोधन :

कम्पनी विधि विभाग ने अपने इस मत को दोहराया कि एक बार अपनाये गये लेखाओं पर पुनः विचार नहीं किया जाना चाहिए।

(ग) निम्नलिखित विषयों पर कम्पनी कार्य विभाग के समक्ष अभ्यावेदन किए गए :—

(i) आयकर दरों में परिवर्तनों के परिणामस्वरूप ऊर्जा सेवन मुक्तियों/प्रदूषण नियन्त्रण उपकरणों पर सौ प्रतिशत कटौती को प्रभावित करने की अपेक्षा। इस विषय पर एक टिप्पण “दि चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट” के अगस्त, 1984 वाले अंक के पृष्ठ 128 पर प्रकाशित किया गया था।

(ii) फर्म नाम/व्यापार नाम में एकल चार्टर्ड अकाउन्टेन्टों द्वारा व्यवसाय

(घ) कम्पनियों के लेखाओं में अतिरिक्त शिफ्ट भत्ते की बाबत कटौती के उपबन्ध के बाबत स्पष्टीकरण सदस्यों के मार्गदर्शन के लिए जारी किया गया था इस विषय पर एक टिप्पण “दि चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट” के जून, 1984 अंक के पृष्ठ 831 में प्रकाशित किया गया था।

(ङ.) “अवकाश दरों में परिवर्तनों के परिणामस्वरूप लेखाओं का ह्रास” पर एक प्रकटीकरण प्रारूप, जैसे कि वह कम्पनी विधि समिति द्वारा तैयार किया गया था, संस्थान की पत्रिका के मार्च, 1984 के अंक में प्रकाशित किया गया जिसमें कि सदस्यों और अन्य व्यक्तियों से टिप्पण आमन्त्रित किये गये। इस प्रारूप को समिति द्वारा प्राप्त टिप्पणों के आधार पर अंतिम रूप दे दिया गया है और इसे शीघ्र ही पत्रिका में प्रकाशित कर दिया जायेगा।

3.7 कराधान समिति

(क) कराधान समिति के प्रयाजन के अधीन फरीदाबाद, सूरत, मधुरा और कोचीन शाखाओं ने कराधान पर एक-दिवसीय गोष्ठियाँ आयोजित कीं।

(ख) स्वयं कराधान समिति ने गोहाटी में कराधान पर एक-दिवसीय गोष्ठी आयोजित की।

(ग) कराधान में सप्तम रिहायशी पाठ्यक्रम 11 से 14 मई 1984 तक होटल ब्रांडवे, श्रीनगर में हुआ।

(घ) कराधान एवम् कम्पनी विधि सोलहवीं अखिल भारतीय गोष्ठी, जो कम्पनी विधि समिति के साथ संयुक्त रूप से आयोजित की गई थी 31 अगस्त, 1984 से लेकर 2 सितम्बर, 1984 तक हुई। गोष्ठी की विषय-वस्तु “कराधान और कम्पनी विधियों में अभिनव प्रवृत्तियाँ और परिवर्तन” थी। चार सौ से भी अधिक प्रतिनिधियों ने इस गोष्ठी में भाग लिया। इस गोष्ठी का उद्घाटन पश्चिमी बंगाल के वित्तमंत्री डा० अशोक मित्र ने किया। उद्घाटन सत्र के पश्चात् छः तकनीकी सत्र आयोजित

किये गये। विभिन्न तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता सर्वश्री मुकुमार भट्टाचार्य, सी० जी० सोमैया, पी० एम० नरोलवाला, पी० एन० शाह, डी० आर० चक्रवर्ती और माननीय न्यायमूर्ति मुहास सेन ने की। डा० डी० पाल, सर्वश्री ए० आर० खरे, ए० के० घोष, टी० डी० मुला, आर० एस० खोड़ा और आर० एन० बिजोरिया ने प्रतिनिधियों को अतिथि अभिभाषकों के रूप में संबोधित किया। सर्वश्री पी० ए० नैय्यर, डी० जी० राजन, बी० एस० कोठारी, डा० आर० सी० वैश तथा जी० नारायणस्वामी तकनीकी सत्रों के लिए प्रतिवेदक थे।

गोष्ठी ने 14 तकनीकी लेखों पर विचार-विमर्श किया जिन का कि प्रमुख व्यवसायियों द्वारा अभिदाय किया गया था और जिनमें निगमित कराधान, निगमित नियन्त्रण, निगमित वित्त, वैयक्तिक कराधान, गैर निवासी तथा निर्यात तथा उत्पाद-शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क थे। अंतिम सत्र को माननीय न्यायमूर्ति बी० के० सेन द्वारा संबोधित किया गया था।

“पूर्व न्यासों तथा संस्थानों का कराधान” नामक प्रकाशन का तृतीय पुनरीक्षित संस्करण तथा “गैर निवासियों का कराधान” प्रकाशन का द्वितीय पुनरीक्षित संस्करण निकाले गये। दो अन्य प्रकाशन “कराधान संपरीक्षा का मार्गदर्शन” और “कर प्रणाली का मार्गदर्शन” पुनरीक्षणाधीन हैं।

(च) प्राथिक रूप से, प्री-बजेट और पोस्ट-बजेट शापन वित्त मंत्री को प्रस्तुत किये गये थे।

(छ) 15 जनवरी, 1983 को, वित्त मंत्री और अन्य प्राधिकारियों के समक्ष के एक अभ्यावेदन पेश किया गया, जिस में यह अभिवचन किया गया कि आयकर अधिनियम में समुचित उपबंध पुरःस्थापित किए जाएं जिससे कि उन व्यक्तियों के लिए यह अनिवार्य बन जाए, जो कतिपय सीमाओं के अतिरिक्त कुल विक्रयों/व्यापारवर्त/सकल प्राप्तियों के साथ कारबार और वृत्ति चला रहे हों, जो (सीमाएं) विनिर्दिष्ट की जाएं, कि वे उन्हें किसी चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट द्वारा अपनी आय की विवरणी तथा लेखाओं की संपरीक्षा, जिस पर ऐसी विवरणियाँ आधारित हैं, प्रस्तुत करें। इसके पश्चात् एक और विस्तृत अभ्यावेदन दिया गया जिसमें उन मुद्दों को स्पष्ट किया गया जो हमारे पूर्ववर्ती अभ्यावेदन में उठाए गए थे। “सी बी डी टी ने तारीख 6 सितम्बर, 1984 वाली एक अधिसूचना जारी की है जिसमें आयकर नियमों का प्रारूप शामिल है, जिसके द्वारा आयकर अधिनियम की धारा 44 क ख के उपबंधों के अधीन दी जाने वाली अपेक्षित विशिष्टियाँ तथा संपरीक्षा रिपोर्टों के प्रारूप विहित किये गये हैं। नियमों के प्रारूपों को

30 दिन की प्रकटीकरण कालावधि के पश्चात् प्राप्त टिप्पणों के आधार पर अंतिम रूप दिया जाना प्रत्याशित है।

सरकार ने इस सुझाव को स्वीकार कर लिया और वित्त विधेयक, 1984 के माध्यम से प्रस्ताव को पुरस्थापित कर लिया। संस्थान ने इस प्रस्ताव पर वित्त मंत्री और अन्य व्यक्तियों को एक विस्तृत ज्ञापन प्रस्तुत किया जैसे कि वह वित्त विधेयक, 1984 में अन्तर्विष्ट है। संस्थान के प्रतिनिधियों ने इस सी बी डी टी के अध्यक्ष और अन्य संबंध पदधारियों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श किया। वित्त अधिनियम 1984 के अधिनियमित किये जाने के पश्चात् प्रस्तावित संपरीक्षा रिपोर्ट और उसके उपाबंधों की बाबत सी बी डी टी पदाधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किये गये। संपरीक्षा रिपोर्ट का प्रारूप शीघ्र ही जारी किये जाने की प्रत्याशा है।

(ज) समिति द्वारा "कर प्रशासन और प्रक्रिया सरलीकरण" पर एक अनुसंधान परियोजना प्रारम्भ की गई। कर विधियों और प्रशासन के कुछ चुने हुए क्षेत्रों को अंकित करने संबंधी एक रूपरेखा समिति द्वारा तैयार की गई और विभिन्न प्रदेशों में अध्ययन समूह गठित किये गये जिससे कि रूपरेखा पर विचार-विमर्श किया जा सके और चुने हुए क्षेत्रों पर विचार की रचना की जा सके। अध्ययन समूहों की रिपोर्टों पर आधारित एक ज्ञापन, जिसके अन्तर्गत "कर विधियों का सरलीकरण और विवेकीकरण तथा कर प्रशासन और प्रक्रियाओं का व्यवस्थीकरण" के लिए सुझाव शामिल थे, सरकार को प्रस्तुत किया गया।

(i) वर्ष के दौरान प्रस्तुत अन्य अभ्यावेदन :

(i) सी बी डी टी को यह निवेदन करते हुए एक अभ्यावेदन प्रस्तुत किया गया कि वह घन कर अधिनियम की धारा 5 के खंड (एस ए) में वित्त अधिनियम 1983 द्वारा किये गये संशोधन को भूलक्षी के प्रभाव दे। जिससे कि 1976-76 वाले निर्धारण वर्ष से लेकर लेखाकरण की नकद पद्धति पर बहियों को बनाये रखने तथा किंचित वृत्तियों का करने वाले निर्धारितियों को शोध्य परादेय शुल्कों की बाबत घन-कर से छूट दी जा सके।

(ii) सी बी डी टी के समक्ष यह निवेदन करते हुए एक अन्य अभ्यावेदन किया गया कि यह स्पष्ट करने के लिए एक परिपत्र जारी किया जाये कि धारा 80(5) के अधीन कटीती ऐसी दशा में उपलब्ध होगी जिसमें कोई निर्धारित उधार ली गई किन्हीं निधियों में से कर का संदाय करता है और तत्पश्चात् द्वितीय ऋण जुटाता है और उसका उपयोग करके संदाय के प्रयोजन के लिए मूल रूप में ग्रहण किये गये ऋण के प्रतिदाय के लिए करता है और कर तथा द्वितीय ऋण के संदाय के बीच स्पष्ट संबंध स्थापित करता है।

(iii) सी बी डी टी कतिपय राज्यों में नये श्रौघोगिक यूनिटों की दशा में जोकि विक्रय कर के संदाय को आस्थगित करने की प्रसुविधा के हकदार हैं धारा 43ख के नवीन उप-बंधों के लागू किये जाने से उत्पन्न कठिनाइयां सी बी डी टी के समक्ष एक अन्य अभ्यावेदन में बताई गई। सी बी डी टी से यह निवेदन किया गया कि वह ऐसे यूनिटों के विषय में उपयुक्त अपवादों को सूचित करे।

(iv) सी बी डी टी के समक्ष निर्धारण प्राधिकारियों को बोर्ड के अनुदेश (तारीख 29 सितम्बर, 1983 की सं० 1528) के वापिस लिए जाने के लिए अभिवचन करते हुए प्रस्तुत किया गया था जिससे कि ऐसे मामलों में जिनमें कि हानि के विवरण धारा 139(3) के अधीन विहित समय के भीतर फाइल नहीं किये जाते उनको अग्रनीत करने का फायदा अनुज्ञात न किया जाये।

(v) आयकर नियम, 1962 के नियम 2क में तथा आयकर अधिनियम की धारा 80छछ में तुरन्त संशोधन करने के लिए आवश्यकता पर, जिससे कि उन्हें आयकर नियम 3 (क) (iii) के अधीन प्राइवेट तथा संयुक्त सेक्टर में किसी नियोजक द्वारा किसी कर्मचारी को दी गई निःशुल्क वास-सुविधा की व्यवस्था की गई थी, के स्वरूप में प्रलब्धियों के मूल्यांकन संबंधी उधार स्कीम के अनुकूल लाया जा सके, पुनः एक अन्य अभ्यावेदन में जोर दिया गया था।

(vi) सी बी डी टी के समक्ष भी यह निवेदन करते हुए अभ्यावेदन प्रस्तुत किया गया था जिससे उससे यह कहा गया कि निर्धारण पदाधिकारियों को जारी किये गये अनुदेश वापिस ले लिए जाएं और उन्हें यह निवेश दिया जाए कि व विनिर्दिष्ट न्यासों का निर्धारण करें जिनमें कि फायदाप्रहियों के अंश अवधारित किये जाते हैं और व्यक्तियों की एसोसिएशन ग्रथवा व्यष्टियों के निकाय की हैसियत में एकल यूनिट के रूप में विनिर्दिष्ट किये जाते हैं।

3.8. वृत्तिक शिक्षा समिति को जारी रखना :

(क) निरंतर शिक्षा कार्यक्रम के अधीन परिशिष्ट चार में दिये गये व्यौरों के अनुसार अनेक गोष्ठियां और पाठ्यक्रम वर्ष के दौरान आयोजित किये गये।

(ख) नवम्बर, 1983 और मई, 1984 में प्रबंध लेखा-कर्म पाठ्यक्रम (भाग 1) की परीक्षाएं आयोजित की गईं। मई 1983, नवम्बर 1983 और मई 1984 में हुई परीक्षाओं के संक्षिप्त परिणाम परिशिष्ट 5 में दिये गये हैं।

(ग) निगमित प्रबंध पाठ्यक्रम की परीक्षाएं नवम्बर 1983 और मई 1984 में हुई थीं। मई 1983 और मई 1984 में हुई परीक्षाओं के संक्षिप्त परिणाम परिशिष्ट 6 में दिये गये हैं।

(घ) पांच-पांच सौ रुपये की योग्यता छात्रवृत्तियां दस उम्मीदवारों को प्रबंध लेखाकर्म, पाठ्यक्रम संबंधी प्रोत्साहन स्कीमों के अधीन पुस्तकें खरीदने के लिए मंजूर की गई थीं।

(ङ) सितम्बर 1983 से लेकर प्रबंध एवम् आर्थिक व्रैमासिक डाइजेस्ट के चार अंक प्रकाशित कर दिये गये हैं।

(च) वित्तीय वर्ष के दौरान प्रबन्ध लेखाकर्म पाठ्यक्रम के भाग 2 के अधीन व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए रजिस्ट्रीकृत उम्मीदवारों की संख्या 17 थी।

(छ) श्री पी० के० सिन्हा (एम सं० 11245) ने प्रबन्ध लेखाकर्म पाठ्यक्रम के दोनों भागों को पूरा कर लिया।

(ज) श्री डी० शिवाजी (एम सं० 4669) ने प्रबन्ध लेखाकर्म पाठ्यक्रम के भाग 2 को पूरा किया।

3.9. विशेषज्ञ सलाहकार समिति :

(क) सितम्बर 1983 में अंतिम रिपोर्ट के पश्चात् समिति ने 18 प्रश्नवाचक संदेहों पर विचार किया और उन से 15 के उत्तरों को अंतिम रूप दिया जा चुका है। शेष तीन प्रश्नवाचक संदेह विचाराधीन हैं।

(ख) "कम्पेण्डियम आफ ओपिनियन्स—खंड 3", जिसमें सितम्बर, 1982 और सितम्बर, 1983 के बीच समिति के भ्रा अन्तर्विष्ट हैं सभी तीनों खण्डों में अन्तर्विष्ट खण्डों में अन्तर्विष्ट मदों पर संश्रित विषयों को क्रमानुसार वर्णक्रम में विषय-सूची के साथ, विक्रयार्थ विमोचित कर दिया गया है।

(ग) समिति के महत्वपूर्ण मतों के संक्षिप्त रूप, समय-समय पर, सभी पाठकों की जानकारी हेतु "दि चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट" में प्रकाशित किये जा रहे हैं।

3.10. नैतिक मानक समिति :

समिति आचरण संहिता का पुनरीक्षण करने और उसमें विभिन्न परिवर्तन समाविष्ट करने में लगी हुई है जिनका विनिश्चय परिषद् द्वारा किया गया है एवं ऐसे परिवर्तनों को भी समाविष्ट कर रही है जो कि आई एफ ए सी की नीति संबंधी समिति द्वारा जारी किए गए विवरणों तथा प्रकटीकरण प्रारूपों में से उत्पन्न हुए हैं। परिषद् ने किंचित् विषयों पर विचार किया है और आचरण संहिता में निम्नलिखित परिवर्तनों की घोषणा की गई है :—

(क) अभिवादन पत्रों अथवा आमन्त्रण पत्रों का जारी किया जाना :

अधिनियम की प्रथम अनुसूची के भाग 1 के खंड (6) की बाबत, अब यह स्पष्ट किया गया है कि कोई सदस्य "चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट" पदाभिधान का तथा फर्म के नाम का, पदाभिधानों सहित या उनके बिना, अभिवादन पत्रों, विवाहों और धार्मिक अनुष्ठानों के लिए जारी किए गए आमन्त्रणों, सदस्यों के कार्यालय को आमंत्रण करने या उनका उद्घाटन करने के लिए आमन्त्रण तथा कार्यालय परिसर में परिवर्तन एवं दूरभाष संख्याओं में परिवर्तन के बारे में संसूचना में उपयोग कर सकता है। यह छूट इस शर्त के अधीन है कि ऐसे अभिवादन पत्र अथवा आमन्त्रण आदि केवल संबंधित सदस्यों के कक्षिकारों, नातेदारों तथा निकट मित्रों को भेजे जाएं।

(ख) अधिनियम की द्वितीय अनुसूची के भाग 1 के खण्ड (10) में यह उपबंध किया गया है कि कोई सदस्य वृत्तिक कदाचार का दोषी होगा यदि वह

अपने कक्षिकारों के धन को पृथक् बैंककारी लेखा में रखने में असफल रहता है अथवा ऐसे धन का उपयोग उन प्रयोजनों के लिए करने में असफल रहता है जिनके लिए वे आशयित हैं। यह स्पष्ट किया गया है कि जहां वृत्तिक अकाउन्टेन्ट के रूप में अपने नियुक्त किये जाने के अनुक्रम में किसी सदस्य को ऐसे धन सौंपे जाते हैं जो उसके कक्षिकार के हैं, वहां उसे चाहिए कि वह उन्हें पृथक् बैंक खाते में जमा कराये और उनका प्रयोग केवल अपने कक्षिकार के अनुदेशों के अनुसार अथवा उस प्रयोजन या उन प्रयोजनों के लिए करे जो कक्षिकार द्वारा आशयित हैं। इस संबंध में यह भी स्पष्ट किया जाता है कि :—

(i) की जाने वाली सेवाओं हेतु चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट द्वारा प्राप्त अग्रिम राशि द्वितीय अनुसूची के भाग I के खंड (10) के अधीन नहीं आती।

(ii) उपगत किए जाने वाले व्ययों के लिए प्राप्त धन, जैसे कि विहित कानूनी फीस का संदाय, स्टाम्प पेपर का क्रय आदि, जोकि युक्ति-युक्त रूप से संक्षिप्त समय के भीतर खर्च किये जाने के लिए आशयित हैं, पृथक् बैंक खाते में रखे जाने आवश्यक नहीं हैं।

(iii) उपगत किये जाने वाले व्ययों के लिए प्राप्त धन जो युक्तियुक्त रूप से संक्षिप्त समय के भीतर खर्च किये जाने के लिए आशयित नहीं हैं, यथा पूर्वोक्त रूप में, तुरन्त किसी पृथक् बैंक खाते में डाल दिये जाने चाहिए।

(iv) न्यासी, निष्पादक, समापक आदि के रूप में अपनी हैसियत में किसी चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट द्वारा प्राप्त धन निश्चित रूप से तुरन्त किसी पृथक् बैंक खाते में डाले जाने चाहिए। उपर्युक्त प्राख्यानों संबंधी ब्यौरे मार्च, 1984 वाली संस्थान की पत्रिका (पृष्ठ 574-575) में प्रकाशित कि गये हैं।

(ग) पूर्णकालिक नियोजन वाले व्यावसायिक सदस्य कानूनी संपरीक्षाओं को आत्मविनियमनकारी उपाय के रूप में स्वीकार नहीं करेंगे।

परिषद् ने विनिश्चय किया है कि आत्म-विनियामक उपाय के रूप में पूर्णकालिक नियोजन को धारण करने वाले सदस्यों, जो व्यवसाय प्रमाणपत्र रखते हैं, को चाहिए कि वे 25 लाख रुपये से अधिक की समादत्त पूंजी वाली कंपनियों की कानूनी संपरीक्षाओं को स्वीकार न करें। सरकार को यह भी सुझाव दिया गया है कि यदि आवश्यक समझा जाए तो इस आशय का उपयुक्त उपबंध कंपनी अधिनियम, 1956 में कर दिया जाए। "दि चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट के जून, 1984 वाले अंक के

पृष्ठ 821 पर इस विषय संबंधी एक टिप्पण प्रकाशित किया गया था।

3.11 विश्वविद्यालय संपर्क समिति:

(क) गोष्ठियां

इस वर्ष के दौरान दो गोष्ठियां आयोजित की गईं। प्रथम गोष्ठी बंबई विश्वविद्यालय तथा एस एन डी टी विमेन यूनिवर्सिटी के सहयोग से 4 फरवरी, 1984 को आयोजित की गई। विचार-विमर्श के लिए विषयवस्तु "विश्वविद्यालय स्तर पर लेखाकर्म तथा वाणिज्यिक शिक्षा" थी। अन्य व्यक्तियों में डा० एम० एस० गौरे, कुलपति, बम्बई विश्वविद्यालय डा० ज्योति बेन द्विवेदी, कुलपति एस एन डी टी महिला विश्वविद्यालय, श्री पी० एन० शाह संस्थान अध्यक्ष, प्रो० बंसी एन० मेहता, भूतपूर्व संस्थान अध्यक्ष, प्रो० एस० वी० घटा-लिया तथा डा० के० एम० मुटालिक ने समारोह को सुशोभित किया और भाग लेने वालों का मार्गदर्शन किया। द्वितीय गोष्ठी 16 जून, 1984 को शिवाजी विश्वविद्यालय के सहयोग से कोल्हापुर में आयोजित की गई। विचार-विमर्श की विषय-वस्तु "विश्वविद्यालय स्तर पर वाणिज्य शिक्षा" थी। डा० भोगीशयन, कुलपति शिवाजी विश्वविद्यालय ने गोष्ठी का उद्घाटन किया। श्री पी० एन० शाह, संस्थान अध्यक्ष ने भाग लेने वालों को संबोधित किया।

अनुसरण उपाय के रूप में, समिति के अध्यक्ष 4 जुलाई, 1984 को पुणे में एक औपचारिक बैठक में महाराष्ट्र राज्य में विभिन्न विश्वविद्यालयों के 7 कुलपतियों से मिले। अध्यक्ष और सभापति ने 17 जुलाई 1984 को दिल्ली में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सभापति डा० माधुरीबेन शाह से मुलाकात की और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा विश्वविद्यालयों से संस्थान से संबंध के बारे में विभिन्न विषयों पर उपयोगी विचार-विमर्श किया।

(ख) स्थायी निधियां

इस वर्ष के दौरान दो नई स्थायी निधियों की सृष्टि की गई और रकमों का वितरण किया गया। इनमें से प्रथम दस हजार रुपये की थी जिसकी सृष्टि बम्बई विश्वविद्यालय के साथ की गई और द्वितीय 4,500 रु० की थी जिसकी सृष्टि शिवाजी विश्वविद्यालय के साथ की गई थी। इससे संस्थान द्वारा जिन स्थायी निधियों की सृष्टि की गई थी उनकी कुल संख्या 14 के संख्यांक तक पहुंच चुकी है। कोल्हापुर के चार्टर्ड अकाउंटेंटों ने विश्वविद्यालय की एम० काम० परीक्षा में प्रथम आने वाले विद्यार्थी को पुरस्कार देने के लिए 5,500 रु० के दान एकत्रित किये। यह बी० काम० पाठ्यक्रम की बाबत उक्त विश्वविद्यालय में पहले से संस्थित स्थायी निधि के अतिरिक्त थी। परिषद् शिक्षा के प्रयोजन के प्रति कोल्हापुर के सदस्यों द्वारा किये गये प्रयत्नों के लिए अपनी सराहना को अभिलेखबद्ध करती है।

(ग) विश्वविद्यालयों द्वारा मान्यताकरण

इस वर्ष के दौरान दो और विश्वविद्यालय अर्थात् मेरठ विश्वविद्यालय और हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय ने

चार्टर्ड लेखाकर्म पाठ्यक्रम को किसी विश्वविद्यालय की पी० एच० डी० में नाम दर्ज कराने के लिए स्नात-कोत्तर योग्यता के समतुल्य मान लिया है। इससे अभिप्राप्त मान्यताओं की संख्या 20 हो गई है।

(घ) समिति निम्नलिखित के लिए, अपने प्रयत्न जारी रख रही है—

- (i) विश्वविद्यालय स्तर पर वाणिज्य शिक्षा का सामंजस्य
- (ii) विश्वविद्यालयों में लेखाकर्म और संबद्ध विषयों में शिक्षा देने के लिए व्यवसाय के सदस्यों की मान्यता।
- (iii) विश्वविद्यालयों में पी० एच० डी० अध्ययन के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंटों सम्बन्धी मान्यता।
- (iv) योग्य विद्यार्थियों को चार्टर्ड अकाउंटेंट के प्रति आकर्षित करना।

3.12 संपरीक्षकों के अन्यायोचित रूप से हटाये जाने वाले मामलों से व्यवहार करने के लिये समिति:

संपरीक्षकों को अन्यायोचित रूप से हटाये जाने के कुछ मामले इस वर्ष के दौरान समिति के सामने विचारार्थ आये। इन पर समिति की कृत्यशीलता के लिये परिषद् द्वारा तय की गई प्रक्रिया के प्रकाश में समिति द्वारा विचार किया गया था।

समिति ने इस बात का उल्लेख किया कि यदि निष्कासित संपरीक्षक ने अपना अभ्यावेदन दिये जाने से बहुत देर पश्चात् अपने अभिकथित अन्यायोचित रूप से हटाये जाने के बारे में संसूचना भेजी हो तो इससे इस व्यवस्था पर निष्कर्ष के अमिलिखित किये जाने द्वारा कोई उपयोगी प्रयोजन सिद्ध नहीं होगा। इसलिये समिति ने सदस्यों से यह निवेदन किया है कि वे नयी नियुक्ति किये जाने से पूर्व अन्यायोचित रूप से हटाये जाने वाले मामलों की रिपोर्ट भेज दें जिससे कि समिति द्वारा कुछ प्रभावी कदम उठाये जा सकें। उपर्युक्त प्रभाव का प्राख्यान संस्थान की पत्रिका के अप्रैल, 1984 वाले अंक में किया गया।

इस समिति के प्रति निर्देश की प्रभावशीलता को अब महसूस किया जा रहा है क्योंकि बहुत से मामलों में प्रस्तावित आने वाले संपरीक्षक ऐसी दशा में नियुक्ति का स्वीकार नहीं कर रहे जिसमें कि बहिष्कृत संपरीक्षकों के वर्गीकरण समिति द्वारा उनके ध्यान में लाये जाते हैं।

उदाहरणार्थ, अम बोर्ड के एक मामले में बहिष्कृत संपरीक्षक ने संपरीक्षक पद से उसके अभिकथित रूप से हटाये जाने का आरोप लगाया। जब प्रस्तावित आने वाले संपरीक्षक का निर्देश विषय के प्रति किया गया, तो उसने यह उल्लेख किया कि मैंने बोर्ड के संपरीक्षक के रूप में नियुक्ति का स्वीकार नहीं किया था। इसी प्रकार, एक अन्य मामले में न्यास के एक बहिर्गामी संपरीक्षक ने संपरीक्षक के पद से अपने हटाये जाने का अभिकथन किया और जब

इस मामले का निर्देश प्रस्तावित आने वाले संपरीक्षक से किया गया तो उसने यह वर्णन किया कि उसने उक्त नियुक्ति को स्वोत्तर करने से इन्कार कर दिया था।

3.13 सम्पादन मंडल

“दि चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट” नामक पत्रिका सदस्यों को निःशुल्क दी जाती रही। इस वर्ष के दौरान उत्पाद सम्बन्धी लागत में वृद्धि के बावजूद आर्टीकल अडिट क्लर्कों और महाविद्यालयों में अभ्ययन करने वाले वाणिज्य छात्रों के लिये 15 रुपये की दर पर वार्षिक चंदा और गैर सदस्यों के लिये 50 रुपये की दर पर चंदा अपरिवर्तित बना रहा।

पत्रिका की क्वालिटी, साज-सज्जा और अन्तर्वस्तुओं में सुधार करने के लिये अनेक कदम उठाये गये हैं। सम्पादन मंडल ने जुलाई 1982 से लेकर जून 1983 तक की कालाधधि के दौरान (खंड 31) में मुद्रित सर्वोत्तम लेखों के लिये निम्नलिखित पुरस्कार दिए :-

(1) मुख्य अनुभाग

प्रथम पुरस्कार :- प्रो० एल० सी० गुप्ता का अप्रैल 1983 अंक में प्रकाशित “फाईनेनशियल रेशो ज फार सिग्नलिंग कारपोरेट फेलयोर” के उनके लेख के लिये 1500 रुपये।

द्वितीय पुरस्कार :- श्री पी० आर० रविचन्द्र तथा श्री आर शिवकुमार को “परोजैक्ट इवैल्यूएशन : सम परोबल्म्स इन दि आई आर आर मेथड” नामक उनके लेख के लिये जो अगस्त 1982 अंक में प्रकाशित हुआ था 1000 रुपये।

तृतीय पुरस्कार :- मई 1982 अंक में प्रकाशित “फाईट अगेन्स्ट टाइंग अरेंजमेंट — दि एन्टी मनापली एपरोच” नामक उनके लेख के लिये श्री हर गाविन्द का 500 रुपये।

(2) छात्र अनुभाग

प्रथम पुरस्कार :- निम्नलिखित में से प्रत्येक को पांच-पाच सौ रुपये दिये गये :- (क) श्री आर० बी० गुप्ता का उसके लेख “एक्स वाई जैड मैनेजमेंट — ऐन अपरेजल इन इण्डियन परस्पेक्टिव” जनवरी, 1983 अंक में प्रकाशित तथा “रूलज आफ कंस्ट्रक्शन एण्ड इण्टरप्रेटेशन आफ इनकम टैक्स ला” नामक अपने लेख के लिये श्री एम० पी० बंसल को जून, 1983 अंक में प्रकाशित।

4. अन्य विषय

4.1 संस्थान की परीक्षाओं के लिये आनुकूलिक माध्यम के रूप में हिन्दी और अन्य प्रादेशिक भाषाएं

जैसाकि गत रिपोर्ट में वर्णित है, संस्थान की परीक्षाओं के अनुकूलिक माध्यम के रूप में हिन्दी का निवेश परिषद द्वारा स्वीकार कर लिया गया है। इसे जून 1984 में आयोजित प्रवेश-परीक्षा के साथ कार्यान्वित किया गया है।

परिषद् ने अब एक समिति की नियुक्ति की है जिससे कि संस्थान की परीक्षाओं के लिये आनुकूलिक माध्यमों के रूप में प्रादेशिक भाषाओं के प्रयोग की व्यवहारिता पर विचार किया जा सके। प्रादेशिक भाषा समिति द्वारा प्रादेशिक परिषदों, शाखाओं, परिषद सदस्यों, भूतपूर्व परिषद सदस्यों विश्वविद्यालयों के और विद्यार्थियों का प्रस्तावतियां जारी की जा रही है जिससे कि इस विषय पर मन प्राप्त किया जा सके।

4.2 सार्वजनिक सम्बन्धों पर समिति

सार्वजनिक सम्बन्धों पर समिति ने संस्थान के कृत्यों की बेहतर मूल्यांकन का प्रोत्साहन करने के लिये और व्यवसाय के बेहतर प्रतिरूप को प्रस्तुत करने के लिये अनेक कार्यक्रम हाथ में लिये।

(1) 31 मार्च 1983 को समाप्त वर्ष के लिये 34वीं वार्षिक रिपोर्ट का उद्घरण अनेक प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित किया गया था।

(2) प्रत्येक परिषद की बैठक के पश्चात् आई सी ए आई समाचार पत्रिका का प्रकाशन जारी रखा गया इसे संसद्-सदस्यों चैम्बरज आफ कोमर्स विश्वविद्यालयों और विभिन्न सरकारी विभागों में वितरित किया जाता है ताकि इस परिषद द्वारा विरचित नीतियों के बारे में सूचनाबद्ध बनाने में मदद मिले, जोकि सार्वजनिक हित को पूर्ति करती है। अब तक पांच अंक प्रकाशित किये जा चुके हैं।

(3) “चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट एण्ड सोसाइटी” प्रकाशन, जाकि जगता में वितरण के लिये अभिप्रेत है, का अनुवाद कर दिया गया है, और उसे हिन्दी, मराठी, पंजाबी और बंगला में जारी किया गया है। तमिल तथा तेलुगु रूपान्तर मुद्रणाधीन है।

(4) “परोफील आफ ए परोफेशन” प्रकाशन जोकि विद्यार्थियों में वितरण के लिये अभिप्रेत है, को भी हिन्दी, गुजराती और मराठी में प्रकाशित किया गया है तमिल और तेलुगु रूपान्तर मुद्रणाधीन है।

(5) अनुचित प्रभावों का सही रूप देने के लिये अथवा नीति सम्बन्धी विषयों का स्पष्ट करने के लिये जब कभी अपेक्षित किया गया दैनिक समाचार पत्रों में समय समय पर प्रत्युत्तर जारी किये गये।

(6) वित्त विधेयक, 1984 में कर संपरीक्षा उपबन्ध पर संस्थान के दृष्टिकोण को प्रस्तुत करने के लिये अध्यक्ष द्वारा प्रेस सम्मेलन आयोजित किये गये। इनमें बड़ी संख्या में लोग उपस्थित हुए और संस्थान के मतों की प्रमुख समाचार पत्रों द्वारा छापा स्पष्ट गया। कर संपरीक्षा के फायदों को करने सम्बन्धी एक प्रेस टिप्पण भी जारी किया गया।

(7) विभिन्न प्रादेशिक परिषदों और शाखाओं के अध्यक्षों और उपाध्यक्षों द्वारा किये गये वीरे स्थानीय प्रेस के अन्तर्गत प्रकाशित किये गये।

(8) व्यवसाय से सम्बन्धित विषयों और सामान्य महत्व के विषयों पर संस्थान का दृष्टिकोण समय-समय पर प्रेस कथनों द्वारा स्पष्ट किया गया था।

4.3 चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट अधिनियम तथा विनियमों में परिवर्तन

परिषद् ने अधिनियम के उपबन्धों के कार्यकरण के अनुभव पर आधारित चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट नियम में अनेक परिवर्तनों को अन्तिम रूप दिया जोकि अन्ततः 1959 में संशोधित किये गये थे। इन्हें सराकार के समक्ष उसके विचारार्थ और अनुमोदन के लिये प्रस्तुत किया गया है।

(ख) वर्तमान चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट विनियम 18 जुलाई, 1964 को प्रभावी हुए और इस प्रकार वे लगभग बीस वर्ष के लिये परिवर्तनशील रहे हैं। इस बात की आवश्यकता महसूस की गई कि उनके प्रशासन, में सुधार लाने के लिए विषमताओं और विसंगतियों को दूर करने; अनाशयित कठिनाई से बचने और प्रक्रिया सम्बन्धी विलम्बों को न्यूनतम बनाने के लिये, जहां कहीं उचित समझा जाय कर्तव्यों और उत्तरदायित्वों को स्पष्ट करने तथा उस हद तक उपबन्धों को निरसित या उपान्तरित करने के लिये विनियमों को सरल और उनको विवेकशील बनाने के लिये आवश्यकता महसूस की गई कि वे निरर्थक बन चुके हैं। परिषद् ने इस कार्य को हाथ में लेने के लिए एक संहिताकरण समिति नियुक्त की।

इसके अतिरिक्त, वर्तमान विनियमों में बड़ी संख्या में उपबन्धों का लेखाकरण शिक्षा पर पुनर्विलोकन समिति की सिफारिशों को कार्यान्वित करने की अपेक्षा की गई थी। परिषद् ने संस्थान के लक्ष्यों और उद्देश्यों को दृढ़ निकालने के लिए एक पुनर्विलोकन समिति की भी नियुक्ति की थी; परिषद् का उद्देश्य उसकी योजनाओं और संगठन प्रणालियों तथा प्रक्रियाओं का व्यापक रूप से पुनर्विलोकन करना भी था। वर्तमान विनियमों को इन सभी समितियों की सिफारिशों के प्रकाश में उपान्तरित किया गया था और एक 1964 के विनियमों को प्रतिस्थापित करने के लिए आशयित संहिताबद्ध विनियमों का एक सम्पूर्ण समूह सार्वजनिक टिप्पणियों के लिए जारी किया गया था जिससे कि वह जुलाई 1983 के लिए "वि चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट" का अनुपूरक बन सके। संहिताबद्ध विनियमों पर प्राप्त टिप्पणियों पर समुचित समिति द्वारा विचार किया गया और जिन विनियमों को अन्तिम रूप दिया गया है वे केन्द्रीय सरकार को उसके अनुमोदन के लिए प्रेषित कर दिए गए हैं।

4.4 आई सी डब्ल्यू ए आई सहित समन्वय समिति

समन्वय समिति हमारे संस्थान के प्रतिनिधियों से मिल कर बनी है और भारतीय सागत तथा संकर्म अकाउन्टेन्ट संस्थान (आई सी डब्ल्यू ए आई) इन दोनों संस्थानों के बीच सहयोग के क्षेत्रों का और विस्तार करने के लिए विचारविमर्श करता रहा है इस समिति की एक बैठक दिसम्बर 1983 में कलकत्ता में आयोजित की गई। दसवां एशियाई और प्रशांत महासागर रेखा पार परिसंघ सम्मेलन

नवम्बर, 1983 में नई दिल्ली में दोनों संस्थानों द्वारा संयुक्त रूप से गठित किया गया। जैसा कि रिपोर्ट में पैरा 27 में निर्दिष्ट है। एक अन्य संयुक्त कार्यक्रम आई सी डब्ल्यू ए आई के साथ मई, 1984 में, "मैनेजमेंट डिजीजन—लीडिंग आप्रेशन" पर बम्बई में गठित किया गया था। समन्वय समिति निम्नलिखित विषयों की बाबत विचार करने के लिये कार्यक्रम समूहों को गठित करने की सम्भाव्यताओं पर भी विचार कर रही है:—

(क) सामान्य परिवर्तन के क्षेत्रों में दोनों संस्थानों के सदस्यों द्वारा व्यवसाय; और

(ख) ऐसे व्यक्तियों द्वारा दोनों संस्थानों का व्यवसाय प्रमाणपत्र धारण करना जोकि दोनों संस्थानों के सदस्य हैं दोनों संस्थानों के सामान्य हित सम्बन्धी विषयों में अनुसंधान के सामान्य क्षेत्रों का तथा अन्य सहकारिता के क्षेत्रों का पता लगाने के लिये भी प्रयत्न किये जा रहे हैं।

4.5 संस्थान की गठनात्मक रचना में परिवर्तन

(क) श्री पी० एस० गोपालकृष्णन, सचिव एक अप्रैल 1984 को 9 वर्ष से अधिक संस्थान की अत्यन्त योग्यता पूर्ण सेवा करने के पश्चात् सेवा निवृत्ति हुए इस कालावधि के दौरान संस्थान ने विभिन्न क्षेत्रों में अत्यधिक प्रगति की। श्री गोपालकृष्णन शिक्षा और प्रशिक्षण चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट ऐक्ट एण्ड रेगुलेशन्स के संहिताकरण प्रशासनिक स्थापना आदि का पुनर्विलोकन की समस्याओं का अध्ययन करने के लिये परिषद द्वारा गठित अनेक विशेष समितियों से निकट से सहयोजित थे; उनकी रुचि राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय प्रकृति के भिन्न सम्मेलनों के गठन में भी थी परिषद संस्थान और व्यवसाय की श्री पी एस गोपालकृष्णन द्वारा की गई मूल्यवान सेवाओं के लिये महत्वपूर्ण सराहना अभिलिखित करती है।

(ख) अप्रैल 1984 से प्रभावी मुख्यालय में संस्थान के विभिन्न कृत्यों को पांच खंडों में विभक्त किया गया है अर्थात् (1) प्रशासन (2) तकनीकी निदेशालय (3) अध्ययन बोर्ड (4) परीक्षाएं और (5) लेखा तथा वित्त।

4.6 परिषद की वार्षिक बैठक

परिषद् की 34वीं वार्षिक बैठक 15 सितम्बर, 1983 को नई दिल्ली में आयोजित की गई। माननीय न्यायाधिरूपिता श्री आर एस पाठक भारत का उच्चतम न्यायालय, समारोह में मुख्य अतिथि थे उन्होंने कम्पनियों तथा वित्तीय संस्थानों को जिन्होंने इस सन्वर्ष में अपनी प्रविष्टियां सर्वोत्तम रूप से प्रस्तुत लेखाओं के लिए की थी, शील्ड और प्लेक पुरस्कार में दिए और संस्थान की परीक्षाओं में योग्यवान विद्यार्थियों को इनाम और पदक प्रदान किए गए।

4.7 पुस्तकालय

इस वर्ष के दौरान नई दिल्ली में केन्द्रीय परिषद्, पुस्तकालय में 542 पुस्तकों की वृद्धि की गई जिससे पुस्तकों की कुल संख्या 19293 हो गई। सदस्यों और विद्यार्थियों द्वारा उत्तरोत्तर उपयोग किया गया।

4.8 बाह्य निकायों पर प्रतिनिधित्व

संस्थान अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से बाह्य निकायों पर प्रतिनिधित्व करता रहा है।

बाह्य निकायों में संस्थान के प्रतिनिधित्व के व्योरे परिशिष्ट 7 द्वारा दिए गए हैं।

4.9 अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के विद्यार्थी प्रतिष्ठित अधिकारियों के साथ अधिवेशन और शाखाओं के दौरे

अध्यक्ष और उपाध्यक्ष विभिन्न प्रतिष्ठित अधिकारियों से मिले जिनके अन्तर्गत केन्द्रीय मंत्री, भिन्न भिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री और अन्य सरकारी अधिकारी शामिल थे और उन्होंने व्यवसाय से सम्बन्धित महत्वपूर्ण विषयों पर विचार विमर्श किया। उन्होंने विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलाधितियों, चैम्बर ऑफ कामर्स के अध्यक्षों, आयकर अपील अधिकरण के सदस्यों, रिजर्व बैंक के अधिकारियों आदि से भी मेल भिन्न किया। इसके अतिरिक्त अध्यक्ष और उपाध्यक्ष सदस्यों और विद्यार्थियों के लिए व्यावसायिक प्रसुविधाओं के विकास से सम्बन्धित विषयों पर विचार विमर्श करने के लिए प्रादेशिक परिषदों की बड़ी संख्या में शाखाओं का दौरा किया।

4.10 जीवन के विभिन्न पहलुओं में महत्वपूर्ण स्थितियों के सदस्य

संस्थान के सदस्य, लेखाकरण एवं वित्त के क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता और ज्ञान की उच्च कोटि के कारण, जीवन के विभिन्न पहलुओं में अत्यन्त महत्वपूर्ण पदों का अधिभोग कर रहे हैं जीवन के विभिन्न पहलुओं में विधायी निकाय, सार्वजनिक वित्तीय संस्थान, राष्ट्रीयकृत तथा अन्य बैंक, शिक्षा संस्थाएं तथा स्थानीय प्राधिकरण शामिल हैं।

परिषद् को यह प्रतिबोधित करते हुए प्रमत्तता होती है कि व्यवसाय के तीन विद्यार्थी सदस्यों को मार्च 1984 में आयोजित निर्वाचनों में राज्य सभा में निर्वाचित किया गया था यह सदस्य है :- श्री एन.के.पी. साल्वे 2. श्री रामेश्वर ठाकुर और (3) श्री जगेश देसाई (क) श्री साल्वे 1966-77 से लोक सभा के सदस्य थे और उन्हें अप्रैल 1978 में राज्यसभा में निर्वाचित किया गया। वे तब से लेकर इसके सदस्य के रूप में सुशोभित हैं। श्री साल्वे को राज्य मंत्री नियुक्त किया गया था और उन्हें सूचना तथा प्रसारण मंत्री के रूप में स्वतंत्र भार सितम्बर 1982 में दे दिया गया। इस समय वह फरवरी 1983 से लेकर इस्पात और खान मंत्री के स्वतंत्र भार सहित राज्य मंत्री हैं।

(ख) श्री रामेश्वर ठाकुर 1964-67 के दौरान संस्थान की केन्द्रीय परिषद् के सदस्य थे; 1965-66 में वह संस्थान के उपाध्यक्ष थे और 1966-67 में वह उसके अध्यक्ष थे वह एक सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता और नई दिल्ली में हमारे व्यवसाय के विशिष्ट सदस्य हैं।

(ग) श्री जगेश देसाई 1972-78 से लेकर महाराष्ट्र विधान सभा के सदस्य और फरवरी 1975 से मार्च 1978 तक खाद्य और सिविल सप्लाई नागरिक विकास, परिवहन

जिसके अन्तर्गत राज्य परिवहन, वित्त तथा महाराष्ट्र सरकार का जेल विभाग अन्तर्विष्ट है, भारसाधक तथा राज्य मंत्री हैं वह एक सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता और बम्बई में हमारे व्यवसाय के वारण्ट सदस्य हैं।

4.11 अनुसंधान फाउन्डेशन की रचना :

यह विनिश्चय किया गया है कि सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1860 के अधीन एक सोसाइटी गठित की जाये जिसे "रिसर्व फाउन्डेशन आफ इन्स्टीट्यूट में चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट्स आफ इण्डिया" के नाम से पुकारा जायेगा और जिसका उद्देश्य लेखाओं तथा सम्बद्ध विषयों पर मूल तथा प्रायोगिक अनुसंधान को प्रारम्भ करने और उसे प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सामान्य रूप से सभी कार्यों का करने तथा ऊपर वर्णित उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए सभी कार्य कलाप को हाथ में लेना होगा जो कि उन्हें प्राप्त करने के लिए आवश्यक उपयोगी, समनुषंगी अथवा आनुषंगिक है। फाउन्डेशन के रजिस्ट्रीकरण के लिए सभी औचित्यपूर्ण कर ली गई हैं।

4.12 चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट्स नेशनल रिलीफ फण्ड

"चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट्स नेशनल रिलीफ फण्ड" गठित किया गया है। इस निधि को लोक न्याय के रूप में रजिस्ट्रीकृत किया गया है और इसे आयकर अधिनियम 1961 की धारा 6 के अधीन कर में छूट प्रमाण पत्र दिया गया है इस प्रकार निधि में दिये गये दान आयकर प्रयोजनों के लिए दाताओं के हाथों में छूट प्राप्त होंगे। न्याय द्वारा एकत्रित धनों का उपयोग, अन्य बातों के साथ साथ, (1) राष्ट्रीय संकटों के समय के दौरान मनुष्यों को अनुतोष उपलब्ध कराने; (2) सहायता कार्य में लगी सोसाइटियों अथवा संस्थाओं को दान देने; तथा (3) राष्ट्रीय रक्षा निधि, प्रधानमंत्री के राहत कोष एवं केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार द्वारा मनुष्यों को अनुतोष उपलब्ध कराने के प्रयोजनों के लिए अथवा अकाल, बाढ़, भूस्लावान या अन्य विपत्तियों के समय, उनका पुनर्वास करने के लिए किया जाएगा। सदस्यों से यह निवेदन किया जाता है कि वे अपने अभिदाय उदात्त हेतु के लिए स्थापित इस न्याय को भेजे।

4.13 चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट्स बिनेबोलेण्ट फंड

(क) फंड की सदस्यता 2050 है 37800 रुपये की राशि का वितरण इस वर्ष के दौरा विपत्तिग्रस्त सदस्यों अथवा अतक सदस्यों के कुटुम्बों को किया गया था। काष के जमा खाते में 31 मार्च 1984 को अतिशेष 1,95,006 रुपये था, जबकि 31 मार्च 1983 को यह 1,81,131 रुपये था।

(ख) जिन व्यक्तियों को वित्तिय सहायता वर्ष के दौरान अनुदत्त की गई है उनमें श्री सुशील कुमार जैन, जिसकी हत्या पंजाब में अक्टूबर 1983 में कर दी गयी थी और श्री जितेन्द्र कुमार जैन और श्री राजकुमार चौधरी अप्रैल 1984 में राजस्थान में भीलवाड़ा में एक बैंक उकैतो में मारे गये थे, के कुटुम्ब शामिल हैं।

4. 14 एस० वीरनाथ अय्यर स्मरिक कोष :

(1) कांष की सदस्यता 31 मार्च, 1983 को 149 से बढ़कर 31 मार्च 1984 को 155 हो गई। 7280 रुपये की रकम का वितरण इस वर्ष के दौरान विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के रूप में किया गया कोष के जमा खाते में प्रतिशेष 31 मार्च 1983 को 55334 रुपये था।

5. सदस्य

5.1. सदस्यता :

इस वर्ष के दौरान 3415 नये सदस्य बनाये गये; जिससे 31-3-1984 को विद्यमान सदस्यता के आंकड़े 32,329 हो गये। इस वर्ष के दौरान फेलो के रूप में 995 एसोसिएट प्रविष्ट किये गये जबकि पूर्ववर्ती वर्ष में प्रविष्ट किये गये फेलो अपेक्षा की दृष्टि से 458 थे। परिशिष्ट 8 में सदस्यता के वर्गीकरण के ब्यौरे दिये गये हैं।

5.2. अनुशासनिक कार्यवाही :

अनुशासनिक विषयों के बारे में संक्षिप्त ब्यौरे जहाँ चार्टर्ड अकाउन्टेण्ट एक्ट की धारा 21(6) के अधीन गत रिपोर्ट के प्रस्तुत किये जाने से लेकर कार्यवाही की गई है, परिशिष्ट 9 में दिये गये थे।

5.3. मृत सदस्य

(क) परिषद् श्री अम्बा लाल एम० ठक्कर, जो संस्थान की परिषद् के भूतपूर्व सदस्य थे तथा बम्बई में व्यवसाय के वरिष्ठ सदस्य थे उनकी दुखद मृत्यु 22 मई 1984 को हुई, अस्थान्त खेद के साथ अभिलिखित करती है।

(ख) परिषद् इस वर्ष के दौरान उन सदस्यों के निधन को भी, जिनके नाम परिशिष्ट एक्स में सूचीबद्ध किये गये हैं, अस्थान्त खेदपूर्वक अभिलिखित करती है।

5.4. भद्रास विडिङ :

भद्रास स्थित संस्थान के भवन के विस्तार के लिए परियोजना दस लाख रुपये में अधिक की लागत पर पूरी की गई। नया कक्ष अध्यक्ष श्री पी० एन० शाह द्वारा 30 अगस्त, 1984 को उद्घाटित किया गया।

परिषद् इस परियोजना के लिए नये दो लाख रुपये के दान हेतु ब्रह्मया मैनोरेयल ट्रस्ट के प्रति सभार धन्यवाद अभिलिखित करती है। परिषद् इस परियोजना के लिए नाहर फैमिली ट्रस्ट द्वारा दिये गये एक लाख रुपये के दान को सधन्यवाद अभिस्वीकृत करती है। परिषद् ने श्री अशोक कुम्भात, जो कि संस्थान के गत अध्यक्ष थे की प्रस्थापना (आफर) का जो दो लाख रुपये की अतिरिक्त दान के लिए है, स्वीकार कर लिया है और वह भवन की दूसरी मंजिल को उपयुक्त नाम देने में सहमत हो गई है। इसके अतिरिक्त एक लाख रुपये के दान का भवन भद्रास के एक सदस्य द्वारा दिया गया है और पहली मंजिल के एक प्रभाग को अध्ययन कक्ष के रूप में उपयुक्त रूप से वर्णित किया जायेगा।

5. 5 एकस्टेंशन आफ सीसैटरलाइजेशन टू बंगलौर :

परिषद् ने पुनर्विलोकन समिति की इस सिफारिश को स्वीकार कर लिया था कि जब किसी बांच में सदस्यों की संख्या एक हजार में अधिक हो जायेगी तो संस्थान का विकेन्द्रीयकृत कार्यालय उम शाखा में स्थापित कर दिया जाना चाहिये एम आई आर सी की बंगलौर शाखा में सदस्यों की संख्या क्योंकि एक हजार बढ़ चुकी है इसलिए 1-1-84 से लेकर एक विकेन्द्रीयकृत कार्यालय स्थापित किया गया; यह कार्यालय (i) सदस्यता फीस के ग्रहण (ii) परीक्षा और आवेदन प्रणाली के ग्रहण तथा (iii) अध्ययन बोर्ड अध्ययन सामग्री के वितरण से संबंधित है।

5.6. व्यापार/फर्म नामों के अनुमोदन के लिए मार्गदर्शन :

व्यापार/फर्म नामों के अनुमोदन की बाबत मार्ग दर्शनों को पुनरीक्षित किया गया। "दि चार्टर्ड अकाउन्टेण्ट" फरवरी 1984 में प्रकाशित किया गया। यदि कोई सदस्य किसी अन्य नाम अथवा गोत्र से भी ज्ञात है तो उसे किसी शपथ पत्र के प्रस्तुत किये जाने पर अथवा अन्य साक्ष्य के प्रस्तुत किये जाने पर सचिव के समाधान पर्यन्त उपयोग किये जाने के लिए इजाजत दी जायेगी।

(ख) व्यापार/फर्म नामों के अनुमोदन में विलम्बों को घटाने के लिए एक पुनरीक्षित क्रिया का निश्चय किया गया और उसे फरवरी 1984 वाले "दि चार्टर्ड अकाउन्टेण्ट" में प्रकाशित किया गया। पुनरीक्षित प्रक्रिया के अधीन, आनु-कल्पिक नामों का प्रस्तुत करने वाला आवेदन एक साथ संस्थान के नई दिल्ली कार्यालय तथा विकेन्द्रीयकृत कार्यालय में भेजे जाने के लिए अपेक्षित है।

(ग) इस संबंध में यह स्पष्ट कर दिया गया है कि यदि व्यापार/फर्म नामों में से कोई जिसके अधीन कोई सदस्य व्यवसाय करना चाहता है उपलब्ध नहीं है तो उसे "एण्ड कम्पनी" एण्ड एसोसिएट्स आदि शब्दों के परिवर्तन के बिना अपने निजी नाम में व्यवसाय करने की स्वतंत्रता होगी।

5.7. चार्टर्ड अकाउन्टेण्ट अधिनियम, 1949 की धारा 25 का प्रविषय :

चार्टर्ड अकाउन्टेण्ट की धारा 25 में यह उपबन्ध किया गया है कि कोई भी कम्पनी चाहे वह भारत में या अन्यत्र निगमित हो, चार्टर्ड अकाउन्टेण्टों के रूप में व्यवसाय नहीं करेंगी। परिषद् ने अब यह विनिश्चय किया है कि किसी भी कम्पनी के बारे में यह विचार नहीं किया जायेगा कि वह धारा 25 का अतिक्रमण करती है जब तक कि वह अपने आप को चार्टर्ड अकाउन्टेण्ट का अभिनाम किसी चार्टर्ड अकाउन्टेण्ट के व्यवसाय के क्षेत्र से संबंधित कार्य करने के लिए धारण नहीं करती। तदनुसार, कोई ऐसा संवन्ध प्रबन्ध परामर्श सेवाएँ प्रदान करने के लिए किसी कम्पनी में निवेशक बनने से प्रतिषिद्ध नहीं किया जायेगा, परन्तु यह

तब जबकि कम्पनी अपने आप को चार्टर्ड अकाउन्टेण्ट्स के रूप में अभिलेख प्रदान नहीं करती।

5.8 1 अप्रैल 1984 को सदस्यों और फर्मों की सूची का संकलन :

(क) इसलिए कि सदस्यों और फर्मों की सूची में प्रकाशित जानकारी को मान्यता प्रदान की जाये, परिषद् ने यह विनिश्चय किया है कि प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षा की जाए कि वह प्रत्येक वर्ष अपना अध्यात्म पता, योग्यताएं और अन्य उपजीविका(ओं) की विशिष्टियां प्रस्तुत करें जिससे कि संस्थान के अभिलेखों में सही विशिष्टियां उपलब्ध हों और उन्हें सदस्यों की सूची में प्रकाशित किया जाए, तदनुसार सभी सदस्यों तथा फर्मों को परिपत्र भेजे गये, जिनके साथ अभिलेख पर उनकी विशिष्टियां दी गई थी; इसमें यह निवेदन किया गया कि क्या उसमें कोई त्रुटि नहीं थी अथवा उसमें वर्णित विशिष्टियों में कोई परिवर्तन हुआ था।

(ख) परिषद् ने इस संबंध में यह भी विनिश्चय किया है कि किसी सदस्य का पता जो सदस्यों की सूची में प्रकाशित किया गया है वह उसका व्यावसायिक पता है। इसलिए सदस्यों से यह निवेदन किया गया था कि वे सदस्यों की सूची में प्रकाशनार्थ अपना केवल व्यावसायिक पता ही दें। यह भी विनिश्चय किया गया है कि सदस्यों की सूची में तथा फर्मों की सूची में एक उपयुक्त प्रतीक सदस्यों के नामों के समक्ष रखा जाना चाहिए जो कि व्यवसाय प्रमाणपत्र धारण करते हैं किन्तु जो पूर्णकालिक रूप में व्यवसाय नहीं करते हैं।

(ग) परिषद् ने इसके अतिरिक्त भी सदस्यों की सूची में सदस्यों के नामों के सामने योग्यताओं के प्रकाशन के बारे में नीति का पुनर्विलोकन किया और यह विनिश्चय किया कि एक अप्रैल 1984 की सदस्यों की सूची से प्रारम्भ करके केवल निम्नलिखित योग्यताओं को सदस्य के नामों के सामने प्रकाशित किया जाए,

(i) ए सी ए और एक सी ए संक्षिप्त रूप में जैसे कि क्रमशः ए और एक अक्षर

(ii) संस्थान के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में से एक या अधिक पाठ्यक्रमों की पूर्ति को उपरिष्ठित करने वाली योग्यताएं।

(iii) सेवाकर्म के अन्य संस्थानों की पूर्ति को उपरिष्ठित करने वाली योग्यताएं चाहे वह भारत में या अन्यत्र किन्तु जो परिषद् अभिज्ञात हों।

(v) भारत के लागू तथा संकर्म अकाउन्टेण्टों के संस्थान तथा दि इन्स्टीच्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज ऑफ इण्डिया की सदस्यता को उपरिष्ठित करने वाली योग्यताएं।

(v) मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों की उपाधियां और सरकार द्वारा विश्वविद्यालयों के समतुल्य मान्यता-

प्राप्त अन्य संस्थाओं, गायन, चित्रकारिता, नृत्यकला, फोटोग्राफी, मूर्ति कला इत्यादि से भिन्न अन्य विषयों में शिक्षा।

(vi) आर्टिकल क्लर्क

6.1 रजिस्ट्रेशन

31 मार्च 1984 : प्राप्त वर्ष के दौरान रजिस्ट्रीकृत आर्टिकल और संपरीक्षा क्लर्कों के निम्नलिखित आँकड़ों, पूर्ववर्ती वर्ष के लिए तथ्यांकी आँकड़ों सहित दिये गये हैं :-

आर्टिकल और संपरीक्षा क्लर्क	1983-84	1982-83
	8710	9520

6.2 स्टूडेंट्स एसोसिएशन के नियमों का संशोधन :

प्रशिक्षण पूरा करने के पश्चात् विद्यार्थी केवल आगामी 30 सितम्बर तक स्टूडेंट्स एसोसिएशन का सदस्य बना रह सकता है स्टूडेंट्स एसोसिएशन के लिए निर्वाचन उसी वर्ष में कराये जायेंगे जिसमें कि केन्द्रीय परिषद् तथा प्रादेशिक परिषदों के लिए निर्वाचन आयोजित किये जाते हैं। इस प्रकार स्टूडेंट्स एसोसिएशन का निर्वाचन 1985 में कराया जाएगा जब परिषद् तथा प्रादेशिक परिषदों के लिए निर्वाचन कराये जाने वाले हों। अप्रैल 1985 से प्रविष्टि योग्यताओं में परिवर्तन वि चार्टर्ड अकाउन्टेण्ट्स रेगुलेशन 1964 संशोधित कर दिये गये हैं। जिससे कि प्रविष्टि योग्यताओं में निम्नलिखित प्रमुख परिवर्तन पुरःस्थापित किये जा सकें :

(क) आर्टिकल में प्रवेश के लिए उम्मीदवार 18 वर्ष की आयु से कम आयु का नहीं होना चाहिए; वह स्नातक होना चाहिए और उसके द्वारा संस्थान की प्रवेश परीक्षा पारित की होनी चाहिए जब तक कि उसे उक्त परीक्षा पारित करने से छूट न दे दी गई हो। कोई व्यक्ति जिसने लेखाकर्म संपरीक्षण, वाणिज्यिक अथवा व्यापारी विधियों को विषयों के रूप में, परीक्षा में कुल अंकों में से 50% न्यूनतम समेकित अंक प्राप्त किये हों अथवा जो किसी अन्य विषय में स्नातक हो जिस के द्वारा परीक्षा में कुल अंकों में से सकल अंकों में से न्यूनतम 55% कुल अंक प्राप्त किये हों, प्रवेश परीक्षा पारित करने से छूट प्राप्त होगा।

(ख) प्रवेश परीक्षा के लिये प्रस्तावित पाठ्यक्रम जून 1985 में आयोजित की जाने वाली परीक्षा से प्रारम्भ होगा इंटरम्यु तथा फाइनल परीक्षाओं के लिये प्रस्तावित पाठ्यक्रम मई 1985 में आयोजित की जाने वाली परीक्षा में लागू होगा। (विषयों की सूची के लिये कृपया नीचे पैरा 7.4 देखें)।

6.4 आर्टिकल आडिट क्लर्कों को नियोजन सहायता :

विद्यार्थियों की सहायता करने के लिये यह विनिश्चय किया गया है कि उन सभी विद्यार्थियों को नियोजन सहायता सेवा के लिये उपबन्ध किया जाये जिन्होंने आर्टिकल की संपरीक्षा सेवा की अपनी प्रवृत्ति पूरी कर ली है और संस्थान

इंटरमिडियेट चार्टर्ड अकाउन्टेण्ट्स परीक्षा भी पारित कर ली है इस प्रयोजन के लिये एक नियोजन केन्द्र रजिस्टर प्रत्येक प्रादेशिक केन्द्र में वित्तीयकृत कार्यालयों द्वारा बनाये रखा जा रहा है अर्थात् बम्बई, मद्रास, कलकत्ता, कानपुर और नई दिल्ली।

6.5 सटाइपेड पेयबलट आर्टिकलड क्लर्क्स

छात्रवृत्ति की दरों के पुनरीक्षण के लिये परिषद् की प्रस्थापन सम्बन्धी स्थितिगत रिपोर्ट में स्पष्ट कर दी गई थी तब से लेकर मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा जारी किया गया स्थगनादेश प्रभावोन्मुख कर दिया गया था और धारा 30क के अधीन निदेश सरकार द्वारा वापिस ले लिया गया है। अब परिषद ने तारीख 24-7-84 वाली एक अधिसूचना जारी की है जिसके द्वारा चार्टर्ड अकाउन्टेण्ट्स रेग्युलेशन 1964 के विधियम 32 बी को संशोधित करके 1-8-1984 से लेकर आर्टिकलड क्लर्कों को संवेद्य छात्रवृत्ति की दरें पुनरीक्षित की गई हैं। मासिक छात्रवृत्ति की पुनरिक्षित दर इस प्रकार है।

आर्टिकलड क्लर्क की सेवा के सामान्य जगह का स्थान	प्रशिक्षण का प्रथम वर्ष	प्रशिक्षण का द्वितीय वर्ष	प्रशिक्षण का शेष कालावधि
---	-------------------------	---------------------------	--------------------------

(क) 20 लाख और उससे अधिक जनसंख्या वाले नगर	150 रु०	225 रु०	300 रु०
(ख) 20 लाख से अधिक जनसंख्या से भिन्न जनसंख्या वाले नगरों/उपनगर	100 रु०	150 रु०	225 रु०

टिप्पण :- किसी आर्टिकलड क्लर्क को, उसके द्वारा इंटरमिडियेट परीक्षा पारित किये जाने पर, उसके परिणाम की घोषणा की तारीख के पश्चात मास के प्रथम दिन से 50 रु० प्रति मास अतिरिक्त छात्रवृत्ति संदेय है।

6.6 अध्ययन बोर्ड

(क) 31 मार्च 1984 और 31 मार्च 1983 को समाप्त वर्षों के दौरान नाम दर्ज किये गये विद्यार्थियों की संख्याएं इस प्रकार हैं :-

	पाठ्यक्रम 1983-84	1982-83
इंटरमीडिएट	8660	9415
फाइनल	3099	3781

डाक द्वारा ट्यूशन सम्बन्धी पाठ्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए विद्यार्थियों द्वारा संदेय फीस जुलाई 1983 से लेकर पुनरीक्षित कर दी गई है। संदेय ट्यूशन फीस की रकम इस प्रकार है

(i) 750 रु०, यदि एकमुश्त संदेय की जाये

(ii) 800 रु०, यदि किस्तों में संदेय की जाये
अकाउंटिंग की यह रकमे 1-7-83 से पूर्व विद्यमान दरों पर 50 रु० की वृद्धि के रूप में है

(ख) 1 अप्रैल 1980 को मद्रास में स्थापित दि फर्स्ट अकैडमी आफ अकाउंटिंग

16वा पाठ्यक्रम जारी है। 1 दिसम्बर 1981 से बम्बई में स्थापित द्वितीय अकादमी ने अब तक सात पाठ्यक्रम आयोजित किये हैं और आठवे पाठ्यक्रम के अक्टूबर 1984 से प्रारम्भ होने की आशा है। 10 जून 1983 में कलकत्ता में तृतीय अकैडमी आफ अकाउंटिंग स्थापित की गई है और इसने अब तक तीन पाठ्यक्रम आयोजित किये हैं और चौथे पाठ्यक्रम सितम्बर 1984 से शुरू होने की प्रत्याशा है।

(ग) इंटरमिडिएट एवम् फाइनल पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए पुनरोक्षण कक्षाएं, प्राथिक रूप से प्रादेशिक और अन्य महत्वपूर्ण केन्द्रों में संचालित की गई हैं।

(घ) 31 मार्च 1984 को समाप्त वर्ष के दौरान निम्न-लिखित छात्रवृत्तियां अनुदत्त की गई हैं :-

- योग्यता छात्रवृत्तियां
- योग्यता-एवम्-निर्धन छात्रवृत्तियां
- आवश्यकता पर आधारित छात्रवृत्तियां,
- औषिक श्रोणिप।

7.1. परीक्षाएं :

प्रवेश परीक्षा देश में विभिन्न केन्द्रों में जून तथा दिसम्बर 1983 में करायी गई थी। चार्टर्ड अकाउन्टेण्ट इंटरमिडिएट और फाइनल परीक्षाएं (घोर्ने पाठ्यक्रमों के अधीन अर्थात् (पुरातन और नवीन) प्राथिक रूप में मई और नवम्बर 1983 सारे भारत में विभिन्न केन्द्रों में आयोजित की गईं। जा उम्मीदवार परीक्षा में बैठे और जो उक्त परीक्षाओं में सफल घोषित किये गये उनसे सम्बन्धित आँकड़ें परिशिष्ट 12 में दिये गये हैं। कुमारी नन्दिता शाह जो एक महिला विद्यार्थी थी ने संस्था को परीक्षाओं में पहली बार नवम्बर 1983 में आयोजित अन्तिम परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

7.2 प्रवेश परीक्षा में हिन्दी में प्रश्नपत्रों का उत्तर देने सम्बन्धी विकल्प :-

जून 1984 से प्रारम्भ प्रवेश परीक्षा में हिन्दी में उत्तर देने की इच्छा करने वाले उम्मीदवार अपने विकल्प का प्रयोग करने के लिए अनुज्ञात है विकल्प निम्नलिखित प्रश्नपत्रों के लिए उपलब्ध है।

पेपर 1 : ऐलोमेंट्स आफ अकाउंटिंग

पेपर 3 : लाजिक एण्ड एलीमेंटरी बिजनेस मैथेमेटिक्स।

पेपर 4 : जनरल कमर्शियल नालिज एण्ड इकनामिक्स।

7.3. प्रवेश परीक्षा में दाखिला जून

1985 से लेकर प्रवेश परीक्षा के लिए दाखिला पाने के लिए उम्मीदवार 16 वर्ष से कम आयु का नहीं होना चाहिए और या तो वह स्थातकीय पाठ्यक्रम का अध्ययन कर रहा हो अथवा

वह ऐसा स्नातक होना चाहिए जिसे, जैसा ऊपर निर्देश दिया गया है, प्रवेश परीक्षा पारित करने से छूट प्राप्त नहीं है।

7.4. परीक्षाओं के नये पाठ्यक्रम :

परीक्षा के नये पाठ्यक्रम इंटरमिडिएट और फाइनल परीक्षाएं की दिशा में मई 1985 से प्रवृत्त किये जायेंगे और प्रवेश परीक्षा की दिशा में जून 1985 से जारी होंगे। परीक्षाओं के पाठ्यक्रमों में आने वाले विषय परिशिष्ट 13 में दिये गये हैं।

7.5. इंटरमिडिएट परीक्षा में बैठने के लिए अवसरों की अधिकतम सीमा :

परिषद् ने यह विनिश्चय किया कि इंटरमिडिएट (नया पाठ्यक्रम) परीक्षा के लिए उम्मीदवार जो उस परीक्षा में बैठने के उसके पात्र होने को तारोख से छः वर्ष के भीतर उस परीक्षा पारित करने में असफल रहा है उसमें बैठने की अनुज्ञा दो जाये, परन्तु यह तब जबकि उसके व्यावहारिक परीक्षण के प्रारम्भ होने को तारोख से दस वर्ष से अधिक समय व्यपगत नहीं हुआ है।

7.6 इनाम और योग्यता प्रमाणपत्र :

उन उम्मीदवारों के नाम जिन्हें इनाम तथा योग्यता प्रमाणपत्र मई और नवम्बर 1983 में आयोजित परीक्षा में दिये गये थे परिशिष्ट 14 में दिये गये हैं।

7.7 परीक्षार्थियों के खिलाफ कार्यवाही :

परिषद् ने 12 अभ्यर्थियों को जिनके बारे में यह पाया गया था कि उन्होंने अनुचित रीतियों का आश्रय लिया है या उनका आश्रय लेने का प्रयत्न किया है विभिन्न कालावधियों के लिए परीक्षा में बैठने के लिए वर्जित कर दिये गये।

8.1 प्रादेशिक परिषद्/शाखाएं :

गत रिपोर्ट के पश्चात्, केन्द्रीय भारत प्रादेशिक परिषद् की एक शाखा उदयपुर में स्थापित की गई थी। इस शाखा का उद्घाटन अध्यक्ष द्वारा 1 जुलाई 1984 को किया गया इससे शाखाओं की कुल संख्या 48 हो गई है।

8.2 परिषद् के निर्देशों में निम्नलिखित परिवर्तन किये गये हैं जो प्रादेशिक परिषदों की शाखाओं को लागू होते हैं:-

(क) 500 या 500 से कम सदस्यता वाली शाखा की एक प्रबन्ध समिति होगी जिसमें छः सदस्य समाविष्ट होंगे, जबकि कोई ऐसा शाखा जिससे 500 सदस्यों से अधिक सदस्य संलग्न है, में ऐसा प्रबन्ध समिति होगी जिसमें 8 सदस्य होंगे।

(ख) किसी शाखा की प्रबन्ध समिति उप समितियों का गठन कर सकती है जिस पर कि संस्थान के ऐसे सदस्य जो प्रबन्ध समिति के सदस्य नहीं हैं सहयोजित किये जा सकते हैं, परन्तु यह तब जब कि ऐसे सहयोजित सदस्यों की संख्या संबंध उपसमिति के सदस्यों की दो-तिहाई से अतिरिक्त न हो।

(ग) प्रबन्ध समितियों के निर्वाचन उसी वर्ष में कराये जाएंगे जिसमें कि केन्द्रीय परिषद् और प्रादेशिक परिषदों के लिए निर्वाचन करवाए जाते हैं। दूसरे शब्दों में, प्रबन्ध

समिति के निर्वाचन 1984 कराये जाने वाले थे, नहीं कराये जाएंगे और सभी प्रबन्धक समितियों के लिए निर्वाचन 1985 में कराये जाएंगे।

8.3 भारत में बाहर संस्थान का प्रभाग (चेपटर) :

भारत से बाहर संस्थान का एक प्रभाग इस वर्ष के दौरान आवू धाबा में स्थापित किया गया है। ऐसे प्रभागों की संख्या अब तीन हो गई है।

8.4 प्रादेशिक परिषद् :

“प्रादेशिक परिषदों के सम्बोधितों का शाखा प्रादेशिक परिषदों की शाखाएं और भारत से बाहर संस्थान के प्रभाग परिशिष्ट 15 में दिये गये हैं।

9. विस्तार :

31 मार्च 1984 को यथावत् तुलनपत्र और उस तारोख को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखाओं को परिषद् द्वारा सितम्बर 1984 में आयोजित बैठक में अनुमोदित कर दिया गया आय और व्यय लेखा इस वर्ष के लिए 41.27 लाख रुपए का अधिशेष दर्शाता है जबकि पूर्ववर्ती वर्ष में 14.31 रु. का अतिशेष था।

10. सराहना :

(क) परिषद् संस्थान के सभी सदस्यों के आभारी हैं जिन्होंने संस्थान की समितियों और गैर सदस्यों पर सहयोजित सदस्यों के रूप में कृत्यशालता दिखाई है; उन्होंने इस वर्ष के दौरान अपना शिक्षा तथा तकनीकी कार्यकलाप के आचरण में तथा उसकी परीक्षाओं में परिषद् की सहायता की है।

(ख) परिषद् चाहती है कि वह सरकार और परिषद् पर उसके नाम निर्देशितियों की सराहना को अभिलेख पर रखे।

(ग) परिषद् संस्थान के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा संपूर्ण वर्ष के दौरान किये गये सत्यनिष्ठ तथा प्रगाढ़ प्रयत्नों की अपनी सराहना को अभिस्वीकृत करे।

आर. एल. चोपड़ा, सचिव

ए. सो. चक्रवर्ती, उपाध्यक्ष

पी. एन. शाह, अध्यक्ष

नई दिल्ली 15 सितम्बर, 1984

वार्षिक रिपोर्ट के परिशिष्ट

परिशिष्ट-1

(संदर्भ रिपोर्ट का पैरा 1.1)

कौन्सिल के सदस्य 1983-84

बालकृष्णन, आर

बैनर्जी, भास्कर

बन्सल, एस. के.

चक्रवर्ती, ए. सी.

(मंत्रास)

(कलकत्ता)

(नई दिल्ली)

(कलकत्ता)

चावला, बृज लाल	(नई दिल्ली)	अनुशासन कमेटी	
छाजेड़, एस. पी.	(बम्बई)	श्री अशोक कुम्भट, प्रधान	(मद्रास)
वराक, बी. सी.	(बम्बई)	श्री पी. एन. शाह, उप-प्रधान	(बम्बई)
दुगार, एस. एम.	(नई दिल्ली)	श्री एस. एम. दुगार	(नई दिल्ली)
धिया, अमर. सी.	(जयपुर)	श्री पी. टी. सम्पथ कुमारन	(मद्रास)
*होसिंग, बी. आर.	(बम्बई)	डा. आर. सी. वैश	(कानपुर)
जैन, आई. सी.	(बम्बई)		
*जेम्स, जी. ए. (1-4-84 से)	(नई दिल्ली)	गैर स्थायी समितियाँ	
काले, आई. एम.	(बम्बई)	रिस्र्च कमेटी	
खन्ना, एम. एम.	(नई दिल्ली)	श्री पी. ए. नायर, अध्यक्ष	(बम्बई)
कुम्भट, अशोक	(मद्रास)	श्री एम. एम. खन्ना, उपाध्यक्ष	(नई दिल्ली)
नायर, पी. ए.	(बम्बई)	अशोक कुम्भट, प्रधान (एक्स प्रोफिसियो),	(मद्रास)
नन्दगोपाल, एस.	(मद्रास)	श्री पी. एन. शाह, उपाध्यक्ष, (एक्स प्रोफिसियो)	(बम्बई)
नारायणस्वामी, जी.	(मद्रास)	श्री भास्कर बैनर्जी	(कलकत्ता)
पटेल, मनुषाई. जी.	(मद्रास)	श्री ए. सी. चक्रवर्ती	(कलकत्ता)
पोद्दार, एन. के.	(कलकत्ता)	श्री आई. एम. काले	(बम्बई)
*प्रेम कुमार, एस. (1-5-84 से)	(नई दिल्ली)	श्री आई. एच. मालेगम	(बम्बई)
रायचौधरी, ए.	(कलकत्ता)	श्री उदय खन्ना	(बम्बई)
सम्पथकुमारन, पी. टी.	(मद्रास)	श्री के. स्वामीनाथन	(मद्रास)
सारदा, एन. पी.	(बम्बई)		
शाह, पी. एन.	(बम्बई)	प्राइविटिंग प्रैक्टिसिंग कमेटी	
*सिन्धी, एम. एल.	(कलकत्ता)	श्री ए. सी. चक्रवर्ती, कनवीनर/अध्यक्ष	(कलकत्ता)
*सिन्हा, आई. बी. (अ.)	(सखनख)	श्री भास्कर बैनर्जी	(कलकत्ता)
सोमानी, के. जी.	(नई दिल्ली)	श्री पी. ए. नायर	(बम्बई)
सुरेश बाबू, डी. एल.	(बंगलौर)	श्री पी. एन. शाह	(बम्बई)
*सूरी, आर. सी. (30-4-84 तक)	(नई दिल्ली)	श्री आर. सी. सूरि	(नई दिल्ली)
*उन्नीनायर, एम. एस. (31-3-84 तक)	(नई दिल्ली)	श्री के. गणेशन	(कलकत्ता)
वैश, आर. सी. (अ०)	(कानपुर)	श्री पी. आर. खन्ना	(नई दिल्ली)
*केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनित		श्री आई. एच. मालेगम	(बम्बई)
		श्री एन. अतिथिवासन	(मद्रास)

परिशिष्ट-2

(संबंध रिपोर्ट का पैरा 1.1)

स्थायी समितियाँ

कार्यपालक कमेटी

(1-4-83 से
16-9-83)

श्री अशोक कुम्भट, अध्यक्ष	(मद्रास)
श्री पी. एन. शाह, उप-प्रधान	(बम्बई)
श्री बी. एल. चावला	(नई दिल्ली)
श्री आई. सी. जैन	(बम्बई)
श्री एस. नन्दगोपाल	(मद्रास)

परीक्षा कमेटी

श्री अशोक कुम्भट, अध्यक्ष	(मद्रास)
श्री पी. एन. शाह, उप-प्रधान	(बम्बई)
श्री बी. सी. वराक	(बम्बई)
श्री आर. सी. धिया	(जयपुर)
श्री ए. राय चौधरी	(कलकत्ता)

पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स कमेटी

श्री एन. पी. सारदा, अध्यक्ष	(बम्बई)
श्री एस. के. बन्सल, उपाध्यक्ष	(नई दिल्ली)
श्री पी. एम. शाह, उपाध्यक्ष, (एक्स प्रोफिसियो)	(बम्बई)
श्री एस. के. पोद्दार	(कलकत्ता)
श्री डी. एल. सुरेश बाबू	(बंगलौर)
डा. आर. सी. वैश	(कानपुर)
डा. आर. राजगोपालन	(नई दिल्ली)
श्री एच. एम. दमानिया	(बम्बई)

प्रोफेशनल डेवलपमेंट कमेटी

श्री के. जी. सोमानी, अध्यक्ष	(नई दिल्ली)
श्री बी. सी. वराक, उपाध्यक्ष	(बम्बई)
श्री अशोक कुम्भट, प्रधान, (एक्स प्रोफिसियो)	(मद्रास)
श्री पी. एन. शाह, उपाध्यक्ष, (एक्स प्रोफिसियो)	(बम्बई)
श्री आई. सी. जैन	(बम्बई)
श्री एम. पी. पुरी	(नई दिल्ली)

श्री आर. सी. सूरी	(नई दिल्ली)
श्री बी. आर. हॉसिंग	(बम्बई)
श्री ए. के. चक्रावर्ती	(कलकत्ता)
श्री एस. टी. वेन्नीनाथन	सहयोजित (मद्रास)

अन्तरराष्ट्रीय कार्य समिती

श्री अशोक कुम्भट, अध्यक्ष	(मद्रास)
श्री पी. एन. शाह, उपाध्यक्ष	(बम्बई)
श्री ए. सी. चक्रावर्ती	(कलकत्ता)
श्री पी. ए. नायर	(बम्बई)
श्री एन. पी. शारदा	(बम्बई)
श्री के. जी. सोमानी	(नई दिल्ली)
श्री बी. एल. कात्रा	(बम्बई)
श्री बन्सी एस. मेहता	(बम्बई)
श्री वाई. एच. मालेगम	(बम्बई)

आयकर समिती

श्री मनुभाई जी. पटेल, अध्यक्ष	(अहमदाबाद)
श्री एन. के. पोद्दार, उपाध्यक्ष	(कलकत्ता)
श्री अशोक कुम्भट, प्रधान, एक्स ओफिसियो	(मद्रास)
श्री एस. के. बन्सल	(नई दिल्ली)
श्री पी. टी. सम्पत कुमारन	(मद्रास)
श्री एम. एस. उन्नीनायर	(नई दिल्ली)
श्री ए. एच. दलाल	(बम्बई)
श्री बी. जगदीशन	(मद्रास)

बोर्ड आफ स्टडीज

श्री जी. नारायनास्वामी, अध्यक्ष	(मद्रास)
श्री ए. रोज चौधरी, उपाध्यक्ष	(कलकत्ता)
श्री पी. एन. शाह, उपाध्यक्ष, एक्स ओफिसियो	(बम्बई)
श्री पी. ए. नायर	(बम्बई)
डा. आई. बी. सिन्हा	(लखनऊ)
श्री आर. बालाकृष्णन	(मद्रास)
श्री एन. के. जैन	(दिल्ली)
श्री जी. सुब्रह्मनियम	(मद्रास)

एक्सपर्ट एडवाइजरी समिती

श्री वाई. एम. काले, अध्यक्ष	(बम्बई)
श्री आई. सी. जैन, उपाध्यक्ष	(बम्बई)
श्री पी. एन. शाह, उपाध्यक्ष, एक्स ओफिसियो	(बम्बई)
श्री एन. पी. छाजेड	(बम्बई)
श्री जी. नारायनास्वामी	(मद्रास)
श्री एन. पी. शारदा	(बम्बई)
श्री पी. जे. पानीकर	(बम्बई)
श्री एम. बी. कपाडिया	(बम्बई)

एकॉउंटिंग स्टैन्डर्ड बोर्ड

श्री ए. सी. चक्रावर्ती, अध्यक्ष	(कलकत्ता)
श्री एम. पी. शारदा, उपाध्यक्ष	(बम्बई)

श्री अशोक कुम्भट, प्रधान, एक्स ओफिसियो	(मद्रास)
श्री पी. एन. शाह, उपाध्यक्ष, एक्स ओफिसियो	(बम्बई)
श्री भास्कर बैनर्जी	(कलकत्ता)
श्री बी. एल. चावला	(नई दिल्ली)
श्री एस. एम. दुगर	(नई दिल्ली)
श्री पी. ए. नायर	(बम्बई)
श्री एम. पी. पुरी	(नई दिल्ली)
श्री आर. सी. सूरी	(नई दिल्ली)
श्री एम. एस. उन्नीनायर	(नई दिल्ली)
श्री पी. एम. नारियलवाला	(कलकत्ता)
श्री आर. सेसाई	(मद्रास)
श्री के. पी. सेनगुप्ता	(नई दिल्ली)
श्री एस. पी. बलाल	(बम्बई)
श्री आर. एस. लोढ़ा	(कलकत्ता)

कम्पनी लाँ कमेटी

श्री भास्कर बैनर्जी, अध्यक्ष	(कलकत्ता)
श्री एम. जी. पटेल, उपाध्यक्ष	(अहमदाबाद)
श्री अशोक कुम्भट, प्रधान, एक्स ओफिसियो	(मद्रास)
श्री एस. एम. दुगर	(नई दिल्ली)
श्री एम. एम. खन्ना	(नई दिल्ली)
श्री एस. नन्दागोपाल	(मद्रास)
श्री एम. एच. कृष्णास्वामी	(बम्बई)
श्री पी. के. मुखर्जी	(कलकत्ता)

यूनिवर्सिटी लाईज़न कमेटी

डा. आई. बी. सिन्हा, अध्यक्ष	(लखनऊ)
श्री एस. पी. छाजेड, उपाध्यक्ष	(बम्बई)
श्री पी. एन. शाह, उपप्रधान, एक्स ओफिसियो	(बम्बई)
श्री आर. बालाकृष्णन	(मद्रास)
श्री आर. सी. धीया	(जयपुर)
श्री डी. एल. सुरेश बाबू	(बंगलूर)
श्री डी. जी. डाढ़े	(पूना)
श्री सी. एल. जानवर	(जयपुर)

जनरल परपज समिती

श्री अशोक कुम्भट, अध्यक्ष	(मद्रास)
श्री पी. एन. शाह, उपाध्यक्ष	(बम्बई)
श्री बी. एल. चावला	(नई दिल्ली)
श्री आई. सी. जैन	(बम्बई)
श्री एस. नन्दागोपाल	(मद्रास)

एथिकल स्टैन्डर्ड कमेटी

श्री अशोक कुम्भट, अध्यक्ष	(मद्रास)
श्री पी. एन. शाह, उपाध्यक्ष	(बम्बई)
श्री एस. एम. दुगर	(नई दिल्ली)
श्री जी. नारायनास्वामी	(मद्रास)
श्री मनुभाई जी. पटेल	(अहमदाबाद)

कमेटी आन पब्लिक रिलेशन्स

श्री अशोक कुम्भट, अध्यक्ष	(मद्रास)
श्री पी. एन. शाह, उपाध्यक्ष	(बम्बई)
श्री ए. सी. चक्राबोर्ती	(कलकत्ता)
श्री एम. एम. खन्ना	(नई दिल्ली)
श्री पी. टी. सम्पथ कुमारन	(मद्रास)
श्री बी. आर. होसिंग	(बम्बई)

कमेटी फार अनजस्टिफाईड रिमूअल आफ आडिटर्स

श्री अशोक कुम्भट, अध्यक्ष	(मद्रास)
श्री पी. एन. शाह, उपाध्यक्ष	(बम्बई)
श्री एस. एम. वुगर	(नई दिल्ली)

एडिटोरियल कमेटी

श्री अशोक कुम्भट, मुख्य संपादक	(मद्रास)
श्री पी. एन. शाह,	(बम्बई)
श्री आर. बाणाकृष्णन	(मद्रास)
श्री एस. नन्दागोपाल	(मद्रास)
श्री जी. नारायणास्वामी	(मद्रास)
श्री पी. टी. सम्पथ कुमारन	(बम्बई)
श्री डी. एल. सुरेश बाबू	(बंगलौर)

आई. सी. ए. आई.—आई. सी. डब्ल्यू. ए. आई. सहयोजित कमेटी

श्री अशोक कुम्भट, लीडर	(मद्रास)
श्री पी. एन. शाह, डिप्टी लीडर	(बम्बई)
श्री बी. एल. चावला	(नई दिल्ली)
श्री आई. सी. जैन	(बम्बई)
श्री ए. रायचौधरी	(कलकत्ता)

आई. सी. ए. आई.—आई. सी. एस. आई. सहयोजित कमेटी

श्री अशोक कुम्भट, लीडर	(मद्रास)
श्री पी. एन. शाह, डिप्टी लीडर	(बम्बई)
श्री एस. पी. छाजेड़	(बम्बई)
श्री के. जी. सोमानी	(नई दिल्ली)
डा. आर. सी. वैश	(कानपुर)

कान्फेस कमेटी (10वीं कापा)

श्री अशोक कुम्भट, सह-अध्यक्ष	(मद्रास)
श्री ए. सी. चक्राबोर्ती	(कलकत्ता)
श्री पी. ए. नायर	(बम्बई)
श्री जी. नारायणास्वामी	(मद्रास)
श्री के. जी. सोमानी	(नई दिल्ली)
श्री पी. एन. शाह	(बम्बई)
डा. आर. सी. वैश	(कानपुर)
श्री पी. एन. नारियनवाला	(कलकत्ता)
श्री एस. एम. दुर्गर	(नई दिल्ली)

हिन्दी कमेटी

श्री अशोक कुम्भट, अध्यक्ष	(मद्रास)
श्री पी. एन. शाह	(बम्बई)
श्री आर. सी. घीया	(जयपुर)
श्री एम. एम. खन्ना	(नई दिल्ली)
श्री जी. नारायणास्वामी	(मद्रास)
श्री एन. के. पोद्दार	(कलकत्ता)

बी. विभिन्न कमेटियों के सदस्य

17-9-1983 से लेकर

एक्यूकेटिव कमेटी

श्री पी. एन. शाह, अध्यक्ष	(बम्बई)
श्री ए. सी. चक्राबोर्ती, उपाध्यक्ष	(कलकत्ता)
श्री अशोक कुम्भट	(मद्रास)
श्री मनुभाई जी. पटेल	(महमदाबाद)
श्री एस. के. बन्सल	(नई दिल्ली)
श्री आर. एल. चोपड़ा	(सेक्रेटरी टू दि कमेटी)

परीक्षा कमेटी

श्री पी. एन. शाह, प्रधान	(बम्बई)
श्री ए. सी. चक्राबोर्ती, उप-प्रधान	(कलकत्ता)
श्री एस. पी. छाजेड़	(बम्बई)
डा. आई. बी. सिन्हा	(लखनऊ)
श्री डी. एल. सुरेश बाबू	(बंगलौर)
श्री के. कल्याण रामन	(सेक्रेटरी टू दि कमेटी)

अनुशासन कमेटी

श्री पी. एन. शाह, प्रधान	(बम्बई)
श्री ए. सी. चक्राबोर्ती, उप-प्रधान	(कलकत्ता)
श्री एस. एम. वुगर	(नई दिल्ली)
श्री जी. नारायणास्वामी	(मद्रास)
श्री के. जी. सोमानी	(नई दिल्ली)
श्री जी. डी. खुराना	(सेक्रेटरी टू दि कमेटी)

गैर-स्थायी समितियाँ

रिसर्च कमेटी

श्री पी. ए. नायर, अध्यक्ष	(बम्बई)
श्री एम. एम. खन्ना, उपाध्यक्ष	(नई दिल्ली)
श्री पी. एन. शाह, प्रधान, एक्स प्रोफिसियो	(बम्बई)
श्री ए. सी. चक्राबोर्ती, उप-प्रधान	(कलकत्ता)
श्री भास्कर बैनर्जी, उप-प्रधान, एक्स प्रोफिसियो	(कलकत्ता)
श्री वाई. एम. कउले	(बम्बई)
श्री एम. एल. सिन्धी	(कलकत्ता)
श्री वाई. एच. मालेगम	(बम्बई)
श्री उदय खन्ना	(बम्बई)

} सहयोजित

श्री ए. बेनुगोपाल	(मद्रास)
श्री अविनाश चन्दन	(सैक्रेटरी टू दि कमेटी)

श्री बी. जगदीशन	} सहयोजित (मद्रास)
श्री एच. एम. दमानिया	
डा. एन. एल. धमीजा,	(सैक्रेटरी टू दि कमेटी)

आर्किटेक्चर प्रैक्टिसिंग कमेटी

श्री भास्कर बैनर्जी, अध्यक्ष	(कलकत्ता)
श्री पी. एन. शाह, प्रधान, एक्स-ओफिशियो	(बम्बई)
श्री ए. सी. चक्रावर्ती, उपप्रधान, एक्स- आफिशियो	(कलकत्ता)
श्री एम. एम. खन्ना	(नई दिल्ली)
श्री पी. ए. नायर	(बम्बई)
श्री एम. प्रेमकुमार	(नई दिल्ली)
श्री बाई. एच. मालेगम	(बम्बई)
श्री पी. आर. खन्ना	(नई दिल्ली)
श्री के. गणेशन	(कलकत्ता)
श्री एन. जे. रत्नाकर	(मद्रास)
श्री कमल गुप्ता,	(सैक्रेटरी टू दि कमेटी)

एकाउंटिंग स्टैण्डर्ड बोर्ड

श्री ए. सी. चक्रावर्ती, अध्यक्ष	(कलकत्ता)
श्री एन. पी. शारदा, उपाध्यक्ष	(बम्बई)
श्री पी. एन. शाह, प्रधान, एक्स-ओफिशियो	(बम्बई)
श्री भास्कर बैनर्जी	(कलकत्ता)
श्री बी. एल. चावला	(नई दिल्ली)
श्री एस. एन. दुग्गर	(नई दिल्ली)
श्री पी. ए. नायर	(बम्बई)
श्री एस. नन्दागोपाल	(मद्रास)
श्री एम. एल. सिन्धी	(कलकत्ता)
श्री एम. प्रेमकुमार	(नई दिल्ली)
श्री जी. ए. जेम्स	(नई दिल्ली)
श्री पी. एम. नारिवलवाला	(कलकत्ता)
श्री आर. सीतासहाई	(मद्रास)
श्री एस. पी. दलाल	(बम्बई)
श्री ए. एल. कपूर	(नई दिल्ली)
श्री श्री एस. आर. बाब	(कलकत्ता)
आई. सी. ए. आई. द्वारा सहयोजित सदस्य की सूचना अभी पानी बाकी है।	

श्री कमल गुप्ता (सैक्रेटरी टू दि कमेटी)

कन्टीन्यूइंग प्रोफेशनल एजुकेशन कमेटी

डा. आर. सी. वैश, अध्यक्ष	(कानपुर)
श्री बाई. एम. काले, उपाध्यक्ष	(बम्बई)
श्री पी. एन. शाह, प्रधान, एक्स-ओफिशियो	(बम्बई)
श्री ए. सी. चक्रावर्ती, उपप्रधान, एक्स- ओफिशियो	(कलकत्ता)
श्री एम. एम. खन्ना	(नई दिल्ली)
श्री ए. रोय चौधरी	(कलकत्ता)
श्री एन. पी. शारदा	(बम्बई)

प्रोफेशनल डिबलपमेंट कमेटी

श्री आई० सी० जैन, अध्यक्ष	(बम्बई)
,, पी०टी० सम्पथ कुमार, उपाध्यक्ष	(मद्रास)
,, पी०एन० शाह, प्रधान, एक्स-ओफिशियो	(बम्बई)
,, अशोक कुम्भट	(मद्रास)
,, बी० आर० होसिंग	(बम्बई)
,, के०जी० सोमानी	(नई दिल्ली)
,, एम० प्रेमकुमार	(नई दिल्ली)
,, ए०के० चक्रावर्ती	(कलकत्ता)
,, पी०के० मल्लिक	(कलकत्ता)
डा० एन० एल० धमीजा (सैक्रेटरी टू दि कमेटी)	

बोर्ड आफ स्टडीज

श्री एन०पी० शारदा, अध्यक्ष	(बम्बई)
,, डॉ०एल० सुरेश बाबू, उपाध्यक्ष	(बंगलौर)
,, पी०एन० शाह, प्रधान, एक्स-ओफिशियो	(बम्बई)
,, एस० के० बन्सल	(नई दिल्ली)
,, ए० रोय चौधरी	(कलकत्ता)
,, जी० नारायणास्वामी	(मद्रास)
,, एन० एच० कृष्णावाला	(बम्बई)
,, टी० एम० विश्वनाथ	(दिल्ली)
,, ए०के० मजुमदार (सैक्रेटरी टू दि बोर्ड)	

कराधान कमेटी

श्री एन० के० पोद्दार अध्यक्ष	(कलकत्ता)
,, बी० एल० चावला, उपाध्यक्ष	(नई दिल्ली)
,, पी० एन० शाह, प्रधान, एक्स-ओफिशियो	(बम्बई)
,, आर० बालाकृष्णन	(मद्रास)
,, एम० जी० पटेल	(अहमदाबाद)
,, जी० ए० जैम्स	(नई दिल्ली)
,, ए० एच० दलाल	(बम्बई)
,, एस० डी० नारंगोलवाला	(नई दिल्ली)
,, सी० आर०टी० वर्मा (सैक्रेटरी टू दि कमेटी)	

कम्पनी ला कमेटी

श्री एस० नन्दागोपाल, अध्यक्ष	(मद्रास)
,, बी० सी० दरग, उपाध्यक्ष	(बम्बई)
,, ए० सी० चक्रावर्ती, उपाध्यक्ष एक्स-ओफिशियो	(कलकत्ता)
,, भास्कर बैनर्जी	(कलकत्ता)
,, एस० एम० दुग्गर	(नई दिल्ली)
,, आर० सी० घिया	(जयपुर)
,, एस० सी० बाफना	(बम्बई)
,, बी० राजारमन	(नई दिल्ली)
,, एस०के० चक्रावर्ती (सैक्रेटरी टू दि कमेटी)	

प्रत्येकीय कार्य समिती

श्री पी० एन० शाह, अध्यक्ष	(बम्बई)
„ ए० सी० चक्रावर्ती, उपाध्यक्ष	(कलकत्ता)
„ आई० सी० जैन	(बम्बई)
„ पी० ए० नायर	(बम्बई)
डा० आर० सी० वैश	(कानपुर)
श्री बी० एल० कात्रा	(बम्बई)
„ बंसी ए० मेहता	(बम्बई)
„ आई० एच० मालेगान	(बम्बई)
„ कमल गुप्ता (सैक्रेटरी टू दि समिती)	

एकसयट्ट इन्वार्डरी समिती

श्री ए० रोयचौधरी, अध्यक्ष	(कलकत्ता)
„ एल० के० पोद्दार, उपाध्यक्ष	(कलकत्ता)
„ पी० एन० शाह, प्रधान एक्स-प्रोफिशियो	(बम्बई)
„ ए० सी० चक्रावर्ती, उपाध्यक्ष एक्स-प्रोफिशियो	(कलकत्ता)
„ भास्कर बैनर्जी	(कलकत्ता)
„ आई० एम० काले	(बम्बई)
„ समीर घोष	(कलकत्ता)
„ एस० के० दासगुप्ता	(कलकत्ता)
„ अमिनाश खन्वर (सैक्रेटरी टू दि समिती)	

ग्रामिणसिटी लाइजन्स समिती

श्री बी० सी० वारक, अध्यक्ष	(बम्बई)
„ आर० बालाकृष्णन, उपाध्यक्ष	(मद्रास)
„ ए० सी० चक्रावर्ती, उपाध्यक्ष एक्स-प्रोफिशियो	(कलकत्ता)
„ बी० आर० होंसिंग	(बम्बई)
„ एन० के० पोद्दार	(कलकत्ता)
डा० आई० बी० सिन्हा	(लखनऊ)
श्री आर० के० रोयचौधरी	(कलकत्ता)
„ एस० सी० धगत	(बम्बई)
डा० डा० सी० संवेती (सैक्रेटरी टू दि समिती)	

जनरल परपजिज समिती

श्री पी० एन० शाह, अध्यक्ष	(बम्बई)
„ ए० सी० चक्रावर्ती, उपाध्यक्ष	(कलकत्ता)
„ अशोक कुम्भट	(मद्रास)
„ एस० के० बंसल	(नई दिल्ली)
„ एम० जी० पटेल	(ग्रहमदाबाद)
„ आर० एल० चोपड़ा (सैक्रेटरी टू दि समिती)	

एथिकल स्टैंडर्ड्स समिती

श्री पी० एन० शाह, अध्यक्ष	(बम्बई)
„ ए० सी० चक्रावर्ती, उपाध्यक्ष	(कलकत्ता)
„ एस० एम० दुगर	(नई दिल्ली)
„ पी० टी० सम्पयकुमारन	(मद्रास)
डा० आर० सी० वैश	(कानपुर)
श्री जी० बैनर्जी (सैक्रेटरी टू दि समिती)	

समिती प्रोत्त पब्लिक रिलेशन्स

श्री पी० एन० शाह, अध्यक्ष	(बम्बई)
„ ए० सी० चक्रावर्ती, उपाध्यक्ष	(कलकत्ता)
„ अशोक कुम्भट	(मद्रास)
„ आर० सी० घिया	(जयपुर)
„ बी० आर० होंसिंग	(बम्बई)
„ के० जी० सोमानी	(नई दिल्ली)
„ एन० मनिरामूर्थी	(मद्रास)
„ बी० आर० टाटर	(बम्बई)
„ जे० आर० गुप्ता	(नई दिल्ली)
„ आर० एल० चोपड़ा (सैक्रेटरी टू दि समिती)	

समिती प्रोत्त प्रनजस्टीफाइड रिपब्लिक ऑफ आडिटर्स

श्री पी० एन० शाह, अध्यक्ष	(बम्बई)
„ ए० सी० चक्रावर्ती, उपाध्यक्ष	(कलकत्ता)
„ एस० एम० दुगर	(नई दिल्ली)
„ जी० बी० खुराना (सैक्रेटरी टू दि समिती)	

एथिकोरियल बोर्ड

श्री पी० एन० शाह, मुख्य सम्पादक	(बम्बई)
श्री ए० सी० चक्रावर्ती, सह-सम्पादक	(कलकत्ता)
श्री अशोक कुम्भट	(मद्रास)
श्री आर० सी० घिया	(जयपुर)
श्री आई० सी० जैन	(बम्बई)
श्री एन० के० पोद्दार	(कलकत्ता)
श्री के० जी० सोमानी	(नई दिल्ली)
श्री नारायण के० वर्मा	(बम्बई)
श्री आर० सी० कपूर	(नई दिल्ली)
श्री आर० एन० चोपड़ा (संभित का सचिव)	

आई० सी० ए० आई०—आई० सी० इन्वार्डरी—आई० सी० सम्बन्ध समिति

श्री पी० एन० शाह, लीडर	(बम्बई)
श्री ए० सी० चक्रावर्ती, डिप्टी लीडर	(कलकत्ता)
श्री अशोक कुम्भट	(मद्रास)
श्री बी० एल० चावला	(नई दिल्ली)
श्री एस० पी० छाजेड़	(बम्बई)
श्री ए० राय चौधरी	(कलकत्ता)
श्री आर० एल० चोपड़ा (सैक्रेटरी टू दि समिती)	

आई० सी० ए० आई०—आई० सी० एस० आई० सम्बन्ध समिति

श्री पी० एन० शाह, लीडर	(बम्बई)
श्री ए० सी० चक्रावर्ती, डिप्टी लीडर	(कलकत्ता)
श्री एस० पी० छाजेड़	(बम्बई)
श्री के० जी० सोमानी	(नई दिल्ली)
डा० आर० सी० वैश	(कानपुर)
श्री आर० एल० चोपड़ा (सैक्रेटरी टू दि समिती)	

एडहॉक समिति

श्री पी०एन० शाह, अध्यक्ष	(बम्बई)
श्री ए०नी० चक्रावर्ती, उपाध्यक्ष	(कलकत्ता)
श्री अशोक कुम्भट	(मद्रास)
श्री एम०के० बन्सल	(नई दिल्ली)
श्री एन० नन्दगोपाल	(मद्रास)
डा० आर०सी० वैश्य	(कानपुर)
श्री बन्शी एम० मेहता (मनोनीत)	(बम्बई)
श्री आर० एल० चापड़ा (सैक्रेटरी टू दि कमेटी)	

क्षेत्रीय भाषा समिति

श्री पी० एन० शाह, अध्यक्ष	(बम्बई)
श्री ए० सी० चक्रावर्ती, उपाध्यक्ष	(कलकत्ता)
श्री जी० नारायणस्वामी	(मद्रास)
श्री डी० एल० सुरेश बाबू	(बंगलौर)
श्री एम०जी० पटेल	(अहमदाबाद)
डा० श्री०बी० सिन्हा	(लाहौर)
श्री एम० एम० खन्ना	(नई दिल्ली)
श्री आर०एल० चापड़ा (सैक्रेटरी टू दि कमेटी)	

परिशिष्ट 3

(सर्वरिपोर्ट का पैरा 2.4)

कान्फरेंस आफ एशियन एंड पैसिफिक अकाउन्टेन्स (सी०ए०पी०ए०) का 10वीं कार्फैस

1. कार्फैस कमेटी

कार्फैस के मबालत के निम्न आई०सी०आई० और आई०सी०आई०ए०आई० के प्रतिनिधियों से गठित एक कार्फैस कमेटी नियुक्त की गई थी। कार्फैस कमेटी को बाद में अपने कार्य में निम्नलिखित कमेटियों से सहायता प्राप्त हुई—

1. बजट तथा फाइनेन्स कमेटी
2. टेक्निकल कमेटी
3. टेक्नीशियल कमेटी
4. पब्लिसिटी और पब्लिकेशन्स कमेटी
5. एक्स्टरेनमेन्ट और मोशन कमेटी
6. सेडोस सब कमेटी

2. टेक्नीकल-सीशन

सेशन और वेपर्स	वेपर लेखकों के नाम	समाशकों के नाम	वेपरमैनो के नाम
मापन			
1. उत्पादकता का मापन	श्री शंजियो ओओसी (जापान)	1. श्री डेनिस ड्वेन्स (होंगकॉंग) 2. मह० प्रोफ० हान कांग होंग (सिंगापुर)	श्री सी०एल० वाबरा (भारत)
2. सामाजिक लागत लाभ विश्लेषण	श्री सुई हियाज (फिलिपिन)	1. श्री पा०एन० सैकाउ (स्यूज लैंड) 2. श्री जैड० यू० अहमद (बांग्ला देश)	
प्रबन्ध			
1. क मत निर्धारण विनिश्चय	श्री एम० शा० कोफ (भारत)	1. श्री जॉन राय (कनाडा) 2. श्री जुलियोटी ओ० सारियामो (फिलिपिन)	श्री जॉन ओ० मिलर (आस्ट्रेलिया)
2. निविधनता के परिस्थितियों में प्रबन्ध	श्री राबर्ट जे० ड्रानास (संयुक्त राज्य अमेरिका)	1. श्री एल० शर० बाटाबाला (श्री लका) 2. डा० के० ए० मर्द (पाकिस्तान)	
पर्यावरण			
1. जीवन वृद्धि के लिए निविधनता	श्री एम०एम० अब्दुल्ला (पाकिस्तान)	1. श्री ब० एम० मेहता (भारत) 2. उम० प० नितमूवकुल (थाइलैंड)	कुमारो रंगराजु इल्लहन (फिलिपिन)
2. मिट्टान पर अतिवृत्त वानस्पतिक संहिता का आग	श्री एम० नरसिम्हणी (आस्ट्रेलिया)	1. श्री ज० ग० व० विजयसिंह (श्री लका) 2. श्री इरुयू० ज० फोक्स (स्यूज लैंड)	

3 विशेष घटनाएं

(क) नगर भ्रमण दिनांक 20 और 21 नवम्बर, 1983

- (क) नगर भ्रमण—दिनांक 20 और 21 नवम्बर 1983 को प्रतिनिधियों और उसके साथ आये व्यक्तियों के लिए नगर भ्रमण का आयोजन किया गया।
 (ख) सांस्कृतिक कार्यक्रम—प्रतिनिधि और उसके साथ आये व्यक्तियों के लिए निम्नलिखित सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया—
 (1) साल किले पर 21-11-1983 को साझा और साह्य कार्यक्रम
 (2) 22-11-1983 को भारतीय नृत्य
 (3) 23-11-1983 को आनन्द शंकर और उनके बल द्वारा बेलेंड
 (4) भारत य गृहों में बाहर के प्रतिनिधियों के लिए आतिथ्य
 (5) प्रतिनिधियों के साथ आई महिलाओं के लिए विशेष कार्यक्रम

परिशिष्ट 4 II.

(संदर्भ रिपोर्ट का पैरा 3.8)

सी०पी०ई० समिति द्वारा आयोजित सेमिनार/पाठ्यक्रमों का व्यौरा

क्रम संख्या	कार्यक्रम	स्थान	तिथि
1.	लेखांकन और लेखांकन मानकों में नवतम विकास पर सेमिनार	अहमदाबाद	9 अक्टूबर, 1983
2.	एस०टी०सी० के लिए गैर बिस्विय कार्यकारियों के लिए वित्त पर आन्तरिक कार्यक्रम	नई दिल्ली	9, 10 और 11 दिसम्बर, 1983
3.	वित्तीय प्रबन्ध और प्रबन्ध लेखांकन पर कार्यक्रम	नई दिल्ली	28 नवम्बर, 1983 से 17 दिसम्बर, 1983
4.	प्रबन्ध लेखापरीक्षा और लेखांकन मानकों पर सेमिनार	इम्पीर	4 दिसम्बर, 1983
5.	“वित्तीय प्रबन्ध और कर” पर सेमिनार	कोयम्बटूर	11 दिसम्बर, 1983
6.	अखिल भारतीय प्रबन्ध संगठन के सहयोग में नियमित वित्तीय प्रबन्ध पर आबासीय पाठ्यक्रम	किशरमैन्स चौक, मद्रास	6 से 11 फरवरी, 1984
7.	सबु और मध्यम आकार के एककों के विशेष संदर्भ में परियोजना मूल्यांकन और वित्त प्रबन्ध पर सेमिनार	ग्वालियर	12 फरवरी, 1984
8.	प्रबन्ध लेखांकन पर नवीन मानकों पर सेमिनार	नई दिल्ली	18 और 19 मार्च, 1984
9.	भारतीय आगत एवं संक्रमक लेखापाल संस्थान के सहयोग से प्रबन्ध निर्णयों—व्यापक विकल्पों पर संयुक्त व्यावसायिक कार्यक्रम	बम्बई	19 और 20 मई, 1984
10.	“लेखांकन मानकों और कर” पर सेमिनार	सेलम	10 जून, 1984
11.	“सार्वजनिक उपयोगिता और गैर-वित्तीय संस्थानों पर लेखांकन प्रक्रिया” पर सेमिनार	बम्बई	7 से 8 जुलाई, 1984
12.	लेखापरीक्षा के नवीन विस्तार पर सेमिनार	जयपुर	2 सितम्बर, 1984

परिशिष्ट—5

(संदर्भ रिपोर्ट का पैरा 3.8)

मैनेजमेंट एकाउंटैंन्सी कोर्स (पार्ट 1 परीक्षा के परिणाम)

	मई 1983	नवम्बर 1983	मई 1984
दोनों ग्रुप	14	16	15
प्रवेश लेने वाले प्रत्याशी	5	1	2
उत्तीर्ण होने वाले प्रत्याशी			
प्रतिशत	35.71	6.25	13.33
ग्रुप—1			
प्रवेश लेने वाले प्रत्याशी	21	15	17
उत्तीर्ण हुए प्रत्याशी	13	1	5
प्रतिशत	61.90	6.67	29.41
ग्रुप—2			
प्रवेश लेने वाले प्रत्याशी	12	17	6
उत्तीर्ण हुए प्रत्याशी	5	9	6
प्रतिशत	41.67	52.94	100

परिशिष्ट—6

(संदर्भ रिपोर्ट का पैरा 3.8)

कार्पोरेटिब मैनेजमेंट कोर्स पार्ट 1/2 परीक्षा का परिणाम

	मई 1983	नवम्बर 1983	मई 1984
पार्ट—1			
प्रवेश लेने वाले प्रत्याशी	5	1	2
उत्तीर्ण होने वाले प्रत्याशी	1	1	कोई नहीं
प्रतिशत	20	100	—
पार्ट—2			
प्रवेश लेने वाले प्रत्याशी	2	—	—
उत्तीर्ण होने वाले प्रत्याशी	1	—	—
प्रतिशत	50	—	—

परिशिष्ट 7

(संदर्भ रिपोर्ट का पैरा 4.8)

बाह्यरी निकायों के नामिनो

विभिन्न निकायों से इन्स्टीट्यूट में प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य :—

- जनरल काउंसिल आफ वी इन्स्टीट्यूट आफ एप्साइड मैन पावर रिसर्च श्री पी. एन शाह
- कास्ट एकाउंटिंग रिकार्ड्स क्लब से सम्बन्धित मामलों की कम्पनी अफेयर्स डिपार्टमेंट की आन्तरिक एडवाइजरी कमेटी श्री पी. एन शाह
- एसोचेम सहित कार्पोरेट रिपोर्टिंग में कमेटी श्री बी राजारमन
श्री बंसी एस मेहता
श्री वाई एच मलेगम
श्री पी एम नारियलबाला
श्री पी एन शाह
श्री के पी भार्गव
- नेशनल प्रोडक्टिविटी काउंसिल श्री पी एन शाह

- फार्म एकाउंटिंग सैक्शन कमेटी श्री एम एम खन्ना
एफबीसी 49 आफ इंडियन स्टैंडर्ड इन्स्टीट्यूट
- बिजनेस एडवाइजरी कमेटी श्री पी एन शाह
कंट्रोल आफ कैपिटल इशू
- सेंट्रल एडवाइजरी कमेटी आम डाइरेक्ट टैक्सीज श्री पी एन शाह
- आल इंडिया बोर्ड आफ मैनेज- श्री धार के सेठ
मेंट स्टडीज
- काउंसिल आफ फीडरेशन आफ श्री बी एल काबरा
एकाउन्टेन्ट्स (आई एफ ए सी)
- इन्टरनेशनल आडिटिंग प्रैक्टिस श्री वाई एच
कमेटी आफ (आईएफएसी) मलेगम
- एजुकेशन और ट्रेनिंग सब कमेटी श्री बंसी एस मेहता
आफ सी ए पी ए
- एजुकेशन कमेटी आफ इन्टरनेशनल श्री बंसी एस मेहता
फीडरेशन आफ एकाउन्टेन्ट्स (अध्यक्ष)
- साऊथ एशियन फीडरेशन आफ श्री ए सी चक्रावती
एकान्टैन्ट्स

परिशिष्ट—8

[संदर्भ रिपोर्ट का पैरा 5.1]

1 अप्रैल, 1984 को सदस्य संख्या

फेलोश

- प्रीक्टिस में लगे 8582
- पार्ट टाईम प्रैक्टिस में 1298
- जो प्रैक्टिस में नहीं हैं 0996

10,874

इसोसिएट

- प्रीक्टिस में लगे 8101
- पार्ट टाईम प्रैक्टिस में 3693
- जो प्रैक्टिस में नहीं हैं 9661

योग

32,329

एसोसिएट्स

फैलीज		प्रीमिट्स में		जो प्रीमिट्स में नहीं हैं	योग
कोड	फुल टाईम प्रीमिट्स में	पार्ट टाईम प्रीमिट्स में			
1	2	3	4	5	
1	2863	0555	0375		3793
2	2121	0240	0201		2562
3	1367	0183	0160		1710
4	0835	0135	0072		1042
5	1396	0183	0188		1767
	8582	1296	0996		10874

एसोसिएट्स

फुल टाईम प्रीमिट्स		पार्ट टाईम प्रीमिट्स	जो प्रीमिट्स में नहीं हैं	योग
1	2	3	4	5
1	2804	1699	2684	7387
2	1781	0656	3110	5547
3	0904	0444	1726	3074
4	0809	0275	0659	1743
5	1803	0619	1282	3704
	8101	3693	9661	21455

क्रम 5 और 9 का जोड़- 32,329

परिशिष्ट 9

(संदर्भ रिपोर्ट का पैरा 5.2)

सदस्यों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही

लेखा परीक्षा रिपोर्ट में हित को प्रकट करने में असफल होना तथा भारी लापरवाही से कार्य करना अस्पताल के वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करने के लिए चार्टर्ड लेखापाल अधिनियम, 1949 की द्वितीय अनुसूची के भाग 1, के खण्ड (4) और (7) के साथ पठित चार्टर्ड लेखापाल अधिनियम, 1949 की धारा 21 की परिभाषा के अन्तर्गत एक सदस्य को व्यावसायिक दुर्व्यवहार के लिए दोषी पाया गया था, जबकि अपनी रिपोर्ट में इस प्रकार के हित को प्रकट किए बिना उक्त अस्पताल में उनके व्यापक हित जुड़े हुए थे तथा वह अपनी व्यावसायिक झूटी को पूरा करने में पूर्णतः लापरवाही करते रहे। कौंसिल ने उच्च न्यायालय को सुझाव दिया कि सदस्य के नाम को एक मास के लिए संस्थान की सदस्यता से निकाल दिया जाए। उच्च न्यायालय ने आंशिक रूप से कौंसिल के निष्कर्ष को स्वीकार किया और उसके द्वारा दिये गये निष्कर्ष अधिनियम की द्वितीय अनुसूची के भाग 1 के खण्ड (7) के अन्तर्गत अपनी व्यावसायिक झूटी को करने में गम्भीर लापरवाही के लिए, सदस्य की भर्त्सना की।

(पूर्ण व्यौरे के लिए कृपया "बी. चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट" अगस्त, 1984 अंक के पृष्ठ 121-126 को देखें)

परिशिष्ट 10

(संदर्भ : रिपोर्ट का पैरा 5.3)

वर्ष 1983-84 में विचंगत सदस्यों के नाम

क्रम नं.	सदस्यता	नाम
1	2	3
1.	12	श्री साधोन्द्र नाथ बैनरजी
2.	165	श्री तिरुवेदी स्वामीनाथ राजगोपालन
3.	205	श्री नारायण वास कपूर
4.	332	श्री अनिल कुमार रायमलिक
5.	390	श्री बालचन्द्रा दलपत राम जोषाकर
6.	469	श्री आर अन्नयारमण
7.	483	श्री बी बी सऊन्दराजन
8.	671	श्री एस सूर्यनारायणा राव
9.	698	श्री दिगम्बर यशवंत थारास
10.	916	श्री रमनीक लाल माधवजी मैह्ता
11.	950	श्री शेरमादेवी यगनाशवाणी रामस्वामी
12.	966	श्री मनुभाई दौलतराम जीवम जी देसाई
13.	1001	श्री एल एन अन्ना कृष्णन
14.	1055	श्री पुस माईकल अलमीडिया
15.	1111	श्री एस के रामामूर्ती
16.	1127	श्री रामा अय्यर कृष्ण अय्यर
17.	1167	श्री के नागबपा बसरी

1	2	3	1	2	3
18.	1343	श्री मुकुन्दा प्रसाद मजूमदार	39.	4391	श्री मीनू जहांगीर वकील
19.	1371	श्री सन्तोष भोय सिरकार	40.	4591	श्री गनापती सुबरा मलियम
20.	1676	श्री जगमोहन कपूर	41.	4857	श्री धर्मेश आर ठकर
21.	1722	श्री लदा राम मुनेजा	42.	5289	श्री सी० आर० मोहन राम
22.	1823	श्री श्रीनिवास वासुदेवराय देशपांडे	43.	5625	श्री सुबोध कुमार दास
23.	1945	श्री राम प्रकाश मलहान	44.	6065	श्री ललित कुमार रत्ना
24.	2109	श्री नवीन चन्द्र भागोतरा	45.	6943	श्री कृष्ण स्वरूप सकसेना
25.	2116	श्री नलिन चक्रवर्ती परथासारथी	46.	7619	श्री विश्वास नाथ राय मन्जेश्वर
26.	2173	श्री टी० ए० वैन्काटेसन	47.	7931	श्री के बाला सुब्रामनियन
27.	2183	श्री गमानाथा सुब्राह्मनिय	48.	8635	श्री गुण्डप्पा लक्ष्मी पतिया
28.	2200	श्री मुभाष कुमार मित्रा	49.	8804	श्री मुधाकर शंकर राव बेयद या
29.	2247	श्री अन्तथा कृष्णा रामा स्वामी	50.	8805	श्री रमेश बिहारीलाल जसवानी
30.	2283	श्री होमी फिरोजशाह बारिया	51.	10189	श्री मोहन लाल मानपुरिया
31.	2483	श्री वसंत भोगीलाल बुटाला	52.	15168	कु० ऊमा रत्नाम्मी शाह
32.	2509	श्री हिरेन्द्र नाथ घोष	53.	15824	श्री आशुतोष मुखोपाधय
33.	2744	श्री ज्योती लाल सैतगुप्ता	54.	20043	श्री एस० सुब्रामनियन
34.	2768	श्री एन वैन्कटारमण	55.	20608	श्री टी० आर० गुरापा
35.	3087	श्री फूलचन्द गोकलदास मुनोट	56.	30822	श्री जगदीश सत्यानारायण काबरा
36.	3486	श्री लौरेंस चार्लस रोडरीग्यूस	57.	32050	श्री अनंत गुडाराय कुलकर्णी
37.	3635	श्री एस श्रीनिवासन	58.	81256	श्री मनचेहनली नारायण राव
38.	4350	श्री सेवती लाल चुन्नीलाल शाह	59.	82014	श्री अनिल कुमार खन्ना

परिशिष्ट 11

(संवर्ध रिपोर्ट का पैरा नं० 6.6)

वर्ष 1983-84 में नामांकित विद्यार्थियों की संख्या

	इंटरमीडिएट		फाइनल	
	1	2	3	4
1 अप्रैल, 1983 को हाजिरी रजिस्टर में विद्यार्थियों की संख्या	17899	14002	13986	11437
1983-84 में नामांकित	8660	3099	3099	3099
योग	26559	17101	17085	14536
वर्ष 1983-84 (मई तथा नवम्बर, 1983 परीक्षा) में दृष्टान्त पूरा करने वाले विद्यार्थियों की संख्या।	(—) 3,089	1727	1727	1727
शेष	23470	15374	15358	12809

परिशिष्ट 12

[संवर्ध रिपोर्ट का पैरा 7.1]

परिणामों का सारांश

(ए) मई-जून, 1983 में ली गई परीक्षा

(1) प्रवेश परीक्षा जून, 1983

कुल विद्यार्थी संख्या 3427

सफल घोषित किये गये विद्यार्थियों की संख्या 461

प्रतिशत 13.45

(2) इंटरमीडिएट (नया सिलेबस)

परीक्षा मई, 1983

ग्रुप एक में प्रवेश लेने वाले प्रत्याशियों की कुल संख्या 11570

ग्रुप एक में सफल घोषित प्रत्याशियों की संख्या प्रतिशत 2169 18.75

ग्रुप दो में प्रविष्ट प्रत्याशियों की संख्या 12570

ग्रुप दो में सफल घोषित प्रत्याशियों की संख्या प्रतिशत 1511 12.02

दोनों ग्रुपों में प्रविष्ट हुए कुल विद्यार्थियों की संख्या	5602	ग्रुप-1 में सफल घोषित किए गये कुल विद्यार्थियों की संख्या	3844
दोनों ग्रुपों में सफल घोषित विद्यार्थियों की संख्या	369	प्रतिशत	28.94
प्रतिशत	6.59	ग्रुप-2 में प्रविष्ट कुल विद्यार्थियों की संख्या	14361
(3) फाइनल (पुराना सिलेबस) परीक्षा मई, 1983		ग्रुप-2 में सफल घोषित विद्यार्थियों की संख्या	1505
ग्रुप एक में प्रविष्ट हुए विद्यार्थियों की कुल संख्या	1999	प्रतिशत	10.48
ग्रुप एक में सफल घोषित किये गये विद्यार्थियों की संख्या	144	दोनों ग्रुपों में प्रविष्ट हुए विद्यार्थियों की संख्या	6682
प्रतिशत	7.30	दोनों ग्रुपों में सफल हुए विद्यार्थियों की संख्या	680
ग्रुप दो में प्रविष्ट हुए विद्यार्थियों की संख्या	1620	प्रतिशत	10.18
ग्रुप दो में सफल घोषित किये गये विद्यार्थियों की संख्या	110	(3) फाइनल (पुराना सिलेबस) परीक्षा नवम्बर, 1983	
प्रतिशत	6.77	ग्रुप-1 में प्रवेश हुए कुल विद्यार्थियों की संख्या	1548
दोनों ग्रुपों में प्रविष्ट हुए विद्यार्थियों की संख्या	630	ग्रुप-1 में सफल हुए कुल विद्यार्थियों की संख्या	25
दोनों ग्रुपों में सफल घोषित विद्यार्थियों की संख्या	4	प्रतिशत	1.61
प्रतिशत	90.63	ग्रुप-2 में प्रविष्ट कुल विद्यार्थियों की संख्या	1290
(4) अंतिम तथा सिलेबस परीक्षा मई, 1983		ग्रुप 2 में सफल घोषित कुल विद्यार्थियों की संख्या	165
ग्रुप नं० 1 में प्रविष्ट हुए विद्यार्थियों की संख्या	4036	प्रतिशत	12.79
ग्रुप एक में सफल घोषित विद्यार्थियों की संख्या	1857	दोनों ग्रुपों में प्रविष्ट विद्यार्थियों की संख्या	424
प्रतिशत	46.01	दोनों ग्रुपों में सफल विद्यार्थियों की संख्या	1
ग्रुप दो में प्रविष्ट हुए विद्यार्थियों की संख्या	5110	प्रतिशत	0.24
ग्रुप दो में सफल घोषित हुए विद्यार्थियों की संख्या	2457	(4) फाइनल (नया सिलेबस) परीक्षा, नवम्बर 1983	
प्रतिशत	48.08	ग्रुप-1 में प्रविष्ट विद्यार्थियों की संख्या	4265
ग्रुप तीन में प्रविष्ट हुए विद्यार्थियों की संख्या	4453	ग्रुप-1 में उत्तीर्ण घोषित विद्यार्थियों की संख्या	1719
ग्रुप तीन में सफल हुए विद्यार्थियों की संख्या	1181	प्रतिशत	40.30
प्रतिशत	26.52	ग्रुप-2 में प्रविष्ट कुल विद्यार्थियों की संख्या	4703
तीनों ग्रुपों में प्रविष्ट हुए विद्यार्थियों की संख्या	1054	ग्रुप-2 में उत्तीर्ण घोषित कुल विद्यार्थियों की संख्या	1342
तीन ग्रुपों में सफल विद्यार्थियों की संख्या	149	प्रतिशत	28.53
प्रतिशत	14.14	ग्रुप-3 में प्रविष्ट कुल विद्यार्थियों की संख्या	5267
(बी) नवम्बर-दिसम्बर में ली गई 1983 में परीक्षा		ग्रुप-3 में सफल घोषित विद्यार्थी	1276
(1) प्रवेश परीक्षा, दिसम्बर, 1983		प्रतिशत	24.23
कुल विद्यार्थियों की संख्या	7232	सभी ग्रुपों में प्रविष्ट विद्यार्थियों की संख्या	1366
सफल घोषित हुए कुल विद्यार्थियों की संख्या	1007	सभी ग्रुपों में सफल विद्यार्थी	177
प्रतिशत	13.91	प्रतिशत	12.96
(2) इन्टरमीडिएट (नया सिलेबस) परीक्षा नवम्बर, 1983		परिशिष्ट 13	
ग्रुप-1 में प्रविष्ट कुल विद्यार्थियों की संख्या	13281	[संदर्भ-रिपोर्ट का पैरा 7.4]	
		परीक्षा के पाठ्यक्रमों में आये विषयों की सूची	
		प्रवेश परीक्षा	
		प्रश्नपत्र 1	लेखांकन के तत्व
		प्रश्नपत्र 2	इंग्लिश
		प्रश्नपत्र 3	सामान्य व्यापारिक गणित
		प्रश्नपत्र 4	सामान्य वाणिज्यिक ज्ञान एवं अर्थशास्त्र

इंटरमीडिएट परीक्षा		प्रश्नपत्र 7	कर योजना और कर प्रबन्ध
समूह 1		प्रश्नपत्र 8	प्रबन्ध और संचालनात्मक लेखा परीक्षा
प्रश्नपत्र 1	लेखांकन		
प्रश्नपत्र 2	लेखांकन और आयकर विधि के तत्त्व		परिशिष्ट 14
प्रश्नपत्र 3	लागत लेखांकन		(संदर्भ : रिपोर्ट का पैरा नम्बर 7.6)
प्रश्नपत्र 4	लेखा परीक्षा		मैरिट के पुरस्कार तथा प्रमाण-पत्र
समूह 2			फाइनल परीक्षा
प्रश्नपत्र 5	व्यापारिक विधि कम्पनी विधि और औद्योगिक विधि		वर्ष 1983 का सर्वोत्तम विद्यार्थी
प्रश्नपत्र 6	व्यापारिक गणित और सांख्यिकीय		कु० नन्दिता पी० शाह को निम्नलिखित पुरस्कार दिये गये :
प्रश्नपत्र 7	संगठन और प्रबन्ध तथा अर्थशास्त्र		(1) जी०पी० कपाडिया (फर्स्ट प्रेसिडेंट) पुरस्कार
	अंतिम परीक्षा		(2) रामचन्द्र सिन्धी पुरस्कार सर्वोत्तम विद्यार्थी के लिये
समूह-1			(3) कैरला वर्मा पुरस्कार ग्रुप 1 के सर्वोत्तम विद्यार्थी के लिए
प्रश्नपत्र 1	उत्कृष्ट लेखांकन		(4) पी०एन० घोष मैमोरियल पुरस्कार ग्रुप 2 के सर्वोत्तम विद्यार्थी के लिए
प्रश्नपत्र 2	प्रबन्ध लेखांकन		(5) भार० शिवाभोगम पुरस्कार सर्वोत्तम महिला विद्यार्थी के लिए
प्रश्नपत्र 3	लेखा परीक्षा		(6) जी० बासु फाउन्डेशन पुरस्कार—वर्ष 1983 के लिए सर्वोत्तम विद्यार्थी
प्रश्नपत्र 4	कम्पनी विधि		(7) एन०एम० शाह पुरस्कार और सूरि मैमोरियल पुरस्कार सबसे उत्तम डायरेक्ट टैक्स ला पेपर के लिए
समूह 2			(8) सर्टिफिकेट ग्राफ मैरिट—फर्स्ट रैंक
प्रश्नपत्र 5	प्रत्यक्ष कर विधियाँ और निम्नलिखित सहयोगिता में से एक प्रश्नपत्र 6, 7 और 8		
सहयोजित विषय “क”			
प्रश्नपत्र 6	निगमित प्रबन्ध		
प्रश्नपत्र 7	प्रबन्धकीय अर्थशास्त्र और राष्ट्रीय लेखांकन		
प्रश्नपत्र 8	सचिवालय कार्य		
			इंटरमीडिएट परीक्षा
			वर्ष 1983 के लिए सर्वोत्तम विद्यार्थी
सहयोजित विषय “ख”			अरुण गुप्ता निम्नलिखित पुरस्कारों से सम्मानित किये गये
प्रश्नपत्र 6	संचालन अनुसंधान और सांख्यिकीय विश्लेषण		(1) जी०पी० कपाडिया (फर्स्ट प्रेसिडेंट) पुरस्कार
प्रश्नपत्र 7	प्रक्रियात्मक विश्लेषण और व्योरे तैयार करना		(2) सूरि मैमोरियल फण्ड पुरस्कार—वर्ष 1983 का सर्वोत्तम विद्यार्थी
प्रश्नपत्र 8	लागत प्रक्रिया और लागत नियंत्रण		(3) सर्टिफिकेट ग्राफ मैरिट—फर्स्ट रैंक
सहयोजित विषय “ग”			
प्रश्नपत्र 6	प्रबन्ध सूचना और नियंत्रण प्रक्रिया		

काइनेल परीक्षा

	मई, 1982	नवम्बर, 1982
1. जी०पी० कापडिया (फस्ट प्रेसीडेंट) पुरस्कार	अरुण कुमार जगन राम का	कु० नन्दिता शाह
2. राम चन्द्र सिंह पुरस्कार सर्वोत्तम विद्यार्थी के लिए	—बही—	—बही—
3. सर शयूर जी बिल्लीमारिया पुरस्कार एकाउन्टेन्सी में सबसे अच्छे पेपर के लिए।	मुनील विनाद राम दोषी	रमेश महता
4. आर०बी०के० उमरजी पुरस्कार कास्ट एकाउन्टेन्स में सबसे अच्छे पेपर के लिए।	अनोक कुमार गर्ग	सजीव कुमार शाह
5. ए०एफ० फर्गुसन पुरस्कार तथा आर० बैंकटमन मेमोरियल पुरस्कार आर्किटेक्चर में सबसे अच्छे पेपर के लिए।	अरुण कुमार जगन राम का	हरगुरमीन सिंह
6. ए०एम० शाह पुरस्कार तथा यू० मेमोरियल पुरस्कार डाक्टरेट टैक्स ला में सबसे अच्छे पेपर के लिए।	बी रमेश चन्द्र नाहर	कु० नन्दिता शाह
7. केरला वर्मा पुरस्कार ग्रुप-1 सर्वोत्तम विद्यार्थी के लिए	मुनील विनाद राम दोषी	—बही—
8. यू०सी० मजूमदार तथा वि०एम०एम० शाह पुरस्कार कम्पनी ला में सबसे अच्छे पेपर के लिए।	सजीव मुनीन महता	रमेश महता
9. बेंकटाबलम माहल पुरस्कार अर्थ-शास्त्र में सबसे अच्छे पेपर के लिए	कु० डी ऊशरानी	अनोक हरीहरन
10. पी०एन० चाप मैमोरियल पुरस्कार ग्रुप दा में सर्वोत्तम प्रत्याशी के लिए।	—बही—	कु० नन्दिता शाह
11. जयन्त लाल गो० ठक्कर मैमोरियल पुरस्कार जिसमें काइनेल परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त किये।	उदय परशोतम दास शाह	विनेश कुमार भागेरिया
12. आर० शिव भागत पुरस्कार सबसे अच्छी महिला प्रत्याशी के लिए	अशाक कुमार गर्ग	मंजीव कुमार शाह
13. जी० बानु कउन्डेन पुरस्कार वर्ष 1982 के लिए सर्वोत्तम प्रत्याशी		कु० नन्दिता शाह
14. जे०के० दोषी पुरस्कार पेपर फ इन्तेनल मैनेजमेन्ट में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के लिए।	एन रामानी	एम प्रान्ता वेन्काटेश
15. एन०एन० दास पुरस्कार एकाउन्टेन्सी ग्रुप में वर्ष 1982 में सबसे उत्तम प्रत्याशी।		मुनी विनादडा दोषी

परिशिष्ट 15

(संशोधन रिपोर्ट का पैरा 8.3)

रीजनल कार्यालय

1. ईस्टर्न इंडिया रिजिनल कोमिल (इड्यू आई आर सी)
“अन्वेषक”
27, ग्रैंड परड,
पाम्ट बाक्स न० 6081 कोलाबा,
बम्बई-400005.

2. सर्वन रीजन

दक्षिण भारत क्षेत्रीय कोमिल (एम आई आर सी)
इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया
की सर्वन रीजन क्षेत्रीय कोमिल।
122, मुनगमबक्काव हाई रोड,
पाम्ट बाक्स नम्बर 3314,
मद्रास-600034।

3. ईस्टर्न रीजन

ईस्टर्न इंडिया रीजनल कोमिल (ई आई आर सी) इन्स्टीट्यूट
आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया की ईस्टर्न
इंडिया रीजनल कोमिल।
7, स्यूबल स्ट्रीट,
कलकत्ता-700071.

4. सेंट्रल रीजन

सेंट्रल इंडिया रीजनल कौंसिल (सी आई आर सी)
इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस आफ इंडिया की
सेंट्रल रीजनल कौंसिल
16/77 सिविल लाइन्स, कानपुर

5. मदन रीजन

मार्थन इंडिया रीजनल कौंसिल (एन आई आर सी)
इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस आफ इंडिया की
मदन इंडिया रीजनल कौंसिल।
पांचवीं मंजिल, अनेकसी,
दि इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस आफ इंडिया बिल्डिंग
इन्द्रप्रस्थ मार्ग,
नई दिल्ली-110002।

उक्त्यू आई आर सी की शाखाओं के पते

1. इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस की वैस्टर्न इंडिया रीजनल कौंसिल की अहमदाबाद शाखा।
बी-1, कैपिटल कमर्शियल सेंटर
सत्यास आश्रम,
आश्रम रोड,
अहमदाबाद-380004।
2. इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस की वैस्टर्न इंडिया रीजनल कौंसिल की बड़ौदा शाखा।
10, चन्दन बिल्डिंग,
दूसरी मंजिल,
सरदार भवन के पास,
राउपुरा,
बड़ौदा-380001।
3. इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस की वैस्टर्न इंडिया की रीजनल कौंसिल की गोवा शाखा।
दत्ता प्रसाद, तोसरी मंजिल,
अलबूक्यूरीरूम रोड, पानाजी,
गोवा।
4. इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस की वैस्टर्न इंडिया रीजनल कौंसिल की नागपुर शाखा,
डा० मंगलूर कर बंगला,
पार्क कार्नेर,
डन्टोलिया,
नागपुर-440012।
5. इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस की वैस्टर्न इंडिया रीजनल कौंसिल की पूना शाखा।
मिल ओनर एसोसिएशन बिल्डिंग
दूसरी मंजिल ब्लॉक नं० 9,
एस पी कासेज कम्पाउन्ड,
पूना-411030।
6. इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस की वैस्टर्न इंडिया रीजनल कौंसिल की राजकोट शाखा।
कामधेनु, दूसरी बिल्डिंग,
मोती टाकी के पास,
राजकोट-360001।

7. इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस की वैस्टर्न

इंडिया कौंसिल की सूरत शाखा।
द्वारा मैसर्स आई०बी० वेसाई एंड कंपनी,
बसुधारा, पारसी शरी
चैम्बर, तीसरी मंजिल,
नावापुरा,
सूरत-395003।

8. इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस की वैस्टर्न इंडिया

कौंसिल की कोल्हापुर शाखा।
1604, वाई दाता प्रसाद,
राजाराम पुरी पांचवीं लेन,
कोल्हापुर-416002।

9. इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस की वैस्टर्न

इंडिया रीजनल की नासिक शाखा।
द्वारा श्री एस०एन० कुलकर्णी,
59, मेन रोड सिन्धे बिल्डिंग बैंक साठड,
नासिक-422001।

एस आई आर सी की शाखाएं

1. इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस आफ इंडिया की सदन रीजन की बंगलूर शाखा।
नम्बर 1/1-बी, क्रास रोड,
कमीशन और जनरल एजेंसीज
जेसी रोड
बंगलूर-560002।
2. इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस आफ इंडिया की सदन रीजन की बेलगांव शाखा।
हरी मंदिर, दूसरी मंजिल
सरस्वती समाज बिल्डिंग
समादेव गली
बेलगांव-590002।
3. इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस आफ इंडिया की सदन रीजन की कोयम्बतूर शाखा।
एम एस एस मैमोरियल बिल्डिंग
नम्बर 1, दीवान बहादुर रोड
कोयम्बतूर-641002।
4. इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस की सदन इंडिया की रीजनल कौंसिल की कालीकट शाखा।
“बालासुधा”
पृथीयार
कालीकट-692011।
5. इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस की सदन इंडिया रीजनल कौंसिल की एरनाकुलम शाखा।
23/204, मादायाराम्बिल बिल्डिंग,
महत्मा गांधी रोड
एरनाकुलम कोचीन-692011।

6. इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स की सदरन इंडिया की रीजनल कौंसिल की गुंटूर शाखा।
श्रीनिवास बिल्डिंग
मेन रोड
असईल्यर
गुंटूर-522002।
 7. (कुम्बाकोनम शाखा) इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स की सदरन इंडिया रीजनल कौंसिल की कुम्बाकोनम शाखा।
“होमियो हाउस”
30, बक्शापुरी स्ट्रीट
कुम्बाकोनम-612001।
 8. इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स की सदरन इंडिया रीजनल कौंसिल की मंगलौर शाखा।
उदय प्रिन्टरी बिल्डिंग
मंगलौर-375003।
 9. इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स की सदरन इंडिया रीजनल कौंसिल की तिरुचिरापल्ली शाखा।
नम्बर 35, चिन्नाकादाई स्ट्रीट
तीसरी मंजिल, रूम नं० 3
तिरुचिरापल्ली-2
 10. इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स की सदरन इंडिया रीजनल कौंसिल की त्रिवेन्द्रम शाखा।
पदमानाभा स्वामी मंदिर का उत्तर फोर्टे,
त्रिवेन्द्रम-659023।
 11. इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स की सदरन इंडिया रीजनल कौंसिल की हैदराबाद शाखा।
11-6-841, रैड हिल्स
पोस्ट बाक्स नम्बर 14,
हैदराबाद-500004।
 12. इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स की सदरन इंडिया रीजनल कौंसिल की मधुरई शाखा।
50-बी, पिचयाम्मन पालिथरई स्ट्रीट
मधुरई-625001।
 13. इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स की सदरन इंडिया रीजनल कौंसिल की सालिम शाखा,
टाउन रेलवे स्टेशन रोड
सालिम-636001।
 14. इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स की सदरन इंडिया कौंसिल रीजनल की तिरुमिलवेली शाखा
द्वारा पी०बी० रामचन्द्रन एफ सी ए
12 श्री प्ररम
तिरुमिलवेली-627001।
 15. इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स की सदरन इंडिया रीजनल कौंसिल की विजयवाड़ा शाखा।
26-13-31, सन्यासी राजु रोड,
गांधी नगर
विजयवाड़ा-520002।
 16. इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स की सदरन इंडिया रीजनल कौंसिल की विशाखापटनम शाखा।
श्री प्ररम
विशाखापटनम-530003।
 17. इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स की सदरन इंडिया रीजनल कौंसिल की अलीपैई शाखा।
“सीमाति हाल बिल्डिंग”
अलीपैई-688001।
 18. इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स की सदरन इंडिया रीजनल कौंसिल की त्रिचूर शाखा
भारद्वाजा आश्रमाम
पटटईक्कल
त्रिचूर-686001।
 19. इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स की सदरन इंडिया रीजनल कौंसिल की कोट्टायम शाखा।
यूनियन बिल्डिंग
म्युनिसिपल जन्कशन
कोट्टायम-686001।
 20. इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स की रीजनल कौंसिल सदरन इंडिया की मैसूर शाखा
4581, नरसिम्हाराजा मोहल्ला
मैसूर-570007।
- इ आई आर सी की शाखाएं
1. इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया की ईस्टर्न इंडिया की रीजनल कौंसिल की वेस्ट बंगाल शाखा।
जी टी रोड (वेस्ट एण्ड)
एल आई सी बिल्डिंग के सामने
आसनसोल
डिस्ट्रिक्ट बर्दवान
वेस्ट बंगाल।
 2. इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया की ईस्टर्न इंडिया की रीजनल कौंसिल की गोहाटी शाखा
अम्बारी।
गोहाटी-781001।
 3. इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया की ईस्टर्न इंडिया की रीजनल कौंसिल की भुवनेश्वर शाखा।
“इमिकोल हाउस”
जनपथ,
भुवनेश्वर-751007।
 1. सी.आई.आर.सी. की शाखाएं
9/12, सुईतार गली,
मोतीकटरा
आगरा।

2. इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस आफ इंडिया की सैन्ट्रल इंडिया रीजनल कौंसिल की गाजियाबाद शाखा।
द्वारा मैसर्स रवि कुमार एण्ड कम्पनी,
38, जी टी रोड,
पंजाब और सिंध बैंक बिल्डिंग,
गाजियाबाद-201001.
 3. इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस आफ इंडिया की सैन्ट्रल रीजनल की जयपुर शाखा।
27, कटेवा भवन,
एम आई रोड,
जयपुर-302001.
 4. इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस आफ इंडिया की सैन्ट्रल रीजनल की भोपाल शाखा।
8, न्यू मार्केट,
टी टी नगर,
भोपाल-462003.
 5. इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस आफ इंडिया की सैन्ट्रल रीजनल की इन्दौर शाखा।
123 जवाहर मार्ग,
इन्दौर-452004.
 6. इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस आफ इंडिया की सैन्ट्रल रीजनल की जमशेदपुर शाखा।
द्वारा आर के वर्मा एण्ड कम्पनी,
पटेल निवास, फर्स्ट फ्लोर,
डाइगनल रोड बिस्तुपुर,
जमशेदपुर-831001.
 7. इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस आफ इंडिया की सैन्ट्रल रीजनल की लखनऊ शाखा।
रेअ रोड लखनऊ क्रिश्चियन कॉलेज,
बलराम पुर हास्पिटल गेट के सामने
लखनऊ।
 8. इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस आफ इंडिया की सैन्ट्रल रीजनल की जोधपुर शाखा।
स्टेडियम मैदान के सामने,
जोधपुर।
 9. इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस आफ इंडिया की सैन्ट्रल रीजनल की पटना शाखा।
"सत्यदीप"
कदम कुंआ, न्यू एरिया,
पटना-800001.
 10. इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस आफ इंडिया की सैन्ट्रल रीजनल की रामपुर (एम पी) शाखा।
सावानी बिल्डिंग,
सदर बाजार,
राजपुर (एम पी)-492001.
 11. इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस आफ इंडिया की सैन्ट्रल रीजनल की उदयपुर शाखा।
66, पंचशील मार्ग, माडल टाऊन के पास
उदयपुर-313001.
- एन आई आर सी की शाखाएं
1. इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस आफ इंडिया की नदरन रीजनल कौंसिल की चंडीगढ़ शाखा।
द्वारा मैसर्स एस के एम एसोसिएट्स
एम सी ओ 22-ए,
चंडीगढ़-160022.
 2. इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस आफ इंडिया की नदरन रीजनल कौंसिल की लुधियाना शाखा।
द्वारा जैन सुभाष एण्ड कम्पनी
बी-1-645/3, कुण्डमपुरी
डा० बिन्द्रा बेन रोड
सिविल लाइन्स;
लुधियाना।
 3. इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस आफ इंडिया की नदरन रीजनल कौंसिल की अमृतसर शाखा।
102, जे एण्ड के बिल्डिंग,
शास्त्री मार्केट
अमृतसर।
 4. इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस आफ इंडिया की सैन्ट्रल रीजनल कौंसिल की फरीदाबाद शाखा।
द्वारा मैसर्स एल एन चौधरी एण्ड कम्पनी
8, नीलम चौक,
फर्स्ट फ्लोर,
फरीदाबाद-121001.
 5. इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस आफ इंडिया की सैन्ट्रल रीजनल कौंसिल की जालन्धर शाखा।
द्वारा श्री डी डी शर्मा
ई आर 18, सिविल लाइन्स,
जी टी रोड,
जालन्धर सिटी।
- बाह्य देशों में इन्स्टीट्यूट के चैप्टर्स
1. बोहा चैप्टर आफ दि इन्स्टीट्यूट पोस्ट बॉक्स नम्बर, 164,
बोहा;
कतार.
 2. दुबई चैप्टर आफ इन्स्टीट्यूट पोस्ट बॉक्स नम्बर 1961,
दुबई.
यू ए ई.
 3. आबूधाबी चैप्टर आफ इन्स्टीट्यूट द्वारा श्री राणा मैत्रा
मै. एस. आर. बाटलीवाई एण्ड कम्पनी
पो. बॉक्स 7365,
आबूधाबी-य. ए. ई.

वार्षिक लेखा 1983-84

भारतीय चार्टर्ड अकाउन्टेन्टस संस्थान

पोस्ट बाक्स सं. 7100,

इन्द्रप्रस्थ मार्ग,

नई दिल्ली-110002

दूरभाष 279211, 27446

तार : सी सी आई ए

नई दिल्ली ।

[भारत के तारीख 29 सितम्बर 1984 के राजपत्र (असाधारण) के भाग 3 के अनुभाग 4 में प्रकाशनार्थ]

अधिसूचना

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट)

आई सी ए (5) 035/84 : चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट अधिनियम, 1949 की धारा 18 की उपधारा (5) के अनुसरण में, 31 मार्च, 1984 को समाप्त हुए वर्ष के लिए परिषद् की रिपोर्ट और उसके संपरीक्षित लेखाओं की प्रतिलिपि एतद्वारा सार्वजनिक सूचनार्थ प्रकाशित की जाती है।

[संलग्न सामग्री यहाँ समाविष्ट करें।]

(आर.एल. चोपड़ा)
सचिव

संपरीक्षकों की रिपोर्टें

हमने भारतीय चार्टर्ड अकाउन्टेन्टस संस्थान के 31 मार्च, 1984 को समाप्त हुए तुलन पत्र और उस तारीख को समाप्त हुए वर्ष की आय तथा व्यय के संलग्न लेखाओं, जिनमें प्रादेशिक परिषदों के संपरीक्षित लेखा समाविष्ट हैं, की संपरीक्षा की है। इनमें परिषदों की शाखाओं और विद्यार्थियों की एसोसिएशनों और उनकी शाखाओं के लेखा भी शामिल हैं और हम यह रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं कि :—

(1) हमने वे सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो कि हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी संपरीक्षा के प्रयोजन के वास्ते आवश्यक थे;

(2) ऐसे तुलनपत्र तथा आय और व्यय लेखा जिन की चर्चा रिपोर्ट में की गई है लेखा बहियों के अनुरूप हैं;

(3) हमारी राय में, लेखाओं को चार्टर्ड लेखापाल अधिनियम, 1949 की अपेक्षाओं के अनुकूल रखे गए हैं; तथा

(4) हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसरण में, संलग्न अनुसूचियों सहित विवरणियां तथा टिप्पणों के साथ उनका परीक्षण सही और उचित दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं :

(i) 31 मार्च, 1984 तक के कार्यकलाप के तुलन पत्र की दशा में, और

(ii) उस तारीख को समाप्त हुए वर्ष के लिए अधिशेष के सम्बन्ध में आय और व्यय लेखा की दशा में।

(सी.पी. मेहरा) (एम.आर. वेंकटरमण)

नई दिल्ली

चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट

तारीख : 15 सितम्बर, 1984

भारतीय चार्टर्ड अकाउन्टेन्टस संस्थान, नई दिल्ली
लेखाकरण नीतियां

1. अवमूल्यन : सावधि अस्तियां ऐतिहासिक लागत आधार पर वर्णित की गई हैं और उनके मूल्य में ह्रास घटती हुई अवशेष पद्धति के आधार पर किया गया है।

2. अधिसदस्यों से प्राप्त प्रवेश शुल्क तथा सह्योजित सदस्यों से प्राप्त प्रविष्टि-शुल्क का प्रमुख भाग पूंजीकरण कर लिया गया है। विद्यार्थियों के कार्यकलाप से उत्पन्न अधिशेष का समुचित प्रभाग शिक्षा निधि में अन्तर्गत कर दिया गया है और जिस हद तक इस निधि का प्रयोग सावधि अस्तियों में किया गया है, इसे पूंजीगत आरक्षित निधि में अन्तर्गत कर दिया गया है।

3. लेखों, प्रकाशनों और अध्ययन सामग्री की सूचियों का मूल्यांकन लागत से न्यून अथवा वास्तविक वसूल किए जाने वाले मूल्य के रूप में किया गया है। इस प्रयोजन के लिए लागत प्रत्यक्ष लागत पद्धति के आधार पर अभिनिश्चित की गई है।

4. कर्मचारियों को उपदान के लिए व्यवस्था प्रोद्भवन के आधार पर की गई है। उपदान-एवं-सामूहिक बीमा पालिसी भारतीय जीवन बीमा निगम से ग्रहण कर ली गई है। उपदान के संदाय में होने वाली किसी भी कमी का बिकलन संदाय के वर्ष में किया गया है।

5. विनिधानों के मूल्यांकन लागत के आधार पर किए गए हैं।

*6. गोष्ठियों, विचारगोष्ठियों एवं सम्मेलनों से प्राप्य आय का लेखाकरण नकदी के आधार पर किया गया है।

1 प्रादेशिक परिषदों की 3 शाखाओं, विद्यार्थियों की 2 एसोसिएशनों तथा विद्यार्थी एसोसिएशनों की 6 शाखाओं के लेखा प्राप्त नहीं हुए हैं और सी लिए उन्हें समाविष्ट नहीं किया गया है। तथापि, उपर्युक्त शाखाओं को सम्बन्ध वर्ष के दौरान संयुक्त/सर्वेय अनुदान/शुल्क का कारण स्पष्ट कर दिया गया है -

प्रादेशिक परिषद् की एक शाखा तथा विद्यार्थी एसोसिएशन की एक शाखा की बाबत संपरीक्षित न किए गए लेखाओं को प्रादेशिक लेखाओं में समाविष्ट कर लिया गया है।

2 परिपाटी के अनुसार, विद्यार्थियों से प्राप्य प्रशिक्षण फीस की दूसरी किस्त सुसंगत नियमों के निर्वाचनों के अनुसार संगृहीत नहीं की गई थी। 1-10-1981 से पूर्व रजिस्ट्रीकृत विद्यार्थियों से प्राप्य 37 38 लाख रुपये इस वर्ष के दौरान इकट्ठे किए गए हैं और उन्हें परिषद् के विनिष्पन्न के आधार पर 1983-84 से प्रारम्भ होने वाले 6 वर्षों की कालावधि में बराबर-बराबर नियमित रूप से वितरित कर दिया गया है।

3. पूर्ववर्ती वर्ष सम्बन्धी धाकड़ों को, जहाँ कहीं आवश्यक पाया गया, उनका पुनः समूहीकरण और/या पुनः क्रमबद्धन कर दिया गया है।

भारतीय चार्टर्ड लेखापाल संस्थान नई दिल्ली,

31 मार्च, 1984 को यथावत तुलन पत्र

अनुसूची	31-3-84 तक		31-3-84 तक	
	रु०	रु०	रु०	रु०
प्रयुक्त निधियाँ				
(1) सावधि भास्तियाँ				
सकल खण्ड (ब्लॉक)	188,10,935		169,09,053	
घटाए. मूल्य ह्रास	64,23,231		56,27,009	
वास्तविक ब्लॉक	रु०	123,87,704		112,82,04
(2) उद्दिष्ट विनिधान	रु०	50,38,233		29,56,147
(3) अन्य विनिधान				
(3) बैंकों में सावधि निक्षेप	156,77,648		105,06,668	
	2,506	156,80,154	2,506	105,09,174
(ख) सरकारी प्रतिभूतियाँ		(—) 37,27,808		(—) 5,34,648
(4) शुद्ध वर्तमान भास्तियाँ	रु०	293,78,283		242,12,717
(1) पूंजीगत भारक्षित निधि	रु०	149,97,879		141,04,479
(2) सामान्य भारक्षित निधि	रु०	78,78,052		54,85,242
(3) अन्य भारक्षित निधि	रु०	14,64,119		16,66,849
(4) उद्दिष्ट निधियाँ	रु०	50,38,233		29,56,147
द्वारा वितरणीय ।		293,78,283		242,12,717

नई दिल्ली, दिनांक 15-9-84

पी०सी० जैन

वरिष्ठ उपसचिव

भार० ए० सी० चौपड़ा

ए०सी०

उपाध्यक्ष

पी०एन० शाह

अध्यक्ष

ए०सी० अकबरजी

उसी तारीख की हमारी सलग रिपोर्ट के अनुसार

सी०पी० मेहरा एम०भार०

चार्टर्ड लेखापाल

बैकटाराम ।

भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान, नई दिल्ली 31 मार्च, 1984 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय

	1983-84 रु०	1982-83 रु०
1. आय—अनुसूची—ज		
(क) सचस्य		
(I) विनियामक	89,71,051	77,54,695
(II) वृत्तिक विकास और अनुसंधान	8,61,923	5,25,818
	<hr/>	<hr/>
	98,32,974	82,80,513
(ख) विद्यार्थी	175,37,953	150,35,382
	<hr/>	<hr/>
योग :	273,70,927	233,15,895
	<hr/>	<hr/>
2. व्यय—अनुसूची—1		
(क) सचस्य		
(I) विनियामक	25,61,130	39,81,139
(II) वृत्तिक विकास और अनुसंधान	66,13,419	55,52,994
	<hr/>	<hr/>
	91,74,549	85,34,133
(ख) विद्यार्थी	140,69,183	133,50,536
	<hr/>	<hr/>
योग :	232,43,732	218,84,669
	<hr/>	<hr/>
(ग) वर्ष का अधिशेष :—		
(I) शिक्षा निधि में अन्तरित	17,34,385	8,42,423
(II) सामान्य आरक्षित निधि में अन्तरित	23,92,810	5,88,803
	<hr/>	<hr/>
	41,27,195	233,15,895
योग :	273,70,927	233,15,895
	<hr/>	<hr/>

पी०ए०ए० शाह
अध्यक्ष
ए०सी० चक्रवर्ती
उपाध्यक्ष

उसी तारीख को हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
सी०पी० मेहरा, एम०आर० बेंकटरामन
चार्टर्ड लेखापाल ।
सितम्बर, 1984 ।

आर०एस० चौधरी
सचिव
पी०सी० जैन
वरिष्ठ उप सचिव

(रकमें रुपये में)।

भारतीय चार्टर्ड लेखापाल संस्थान, नई दिल्ली।

अनुसूची 'क'—सावधि आस्तियां

क्रम सं०.	आस्तियां	1-4-1983 को लागत	वर्ष के दौरान परिवर्धन	31-3-84 को लागत	31-3-1984 को अवमूल्यन	31-3-1984 को किताबी मूल्य	31-3-1983 को किताबी मूल्य
1.	भूमि	2,82,693	—	1,75,548	4,58,241	—	4,58,241
2.	(क) भवन	83,76,430	—	3,25,028	87,01,458	14,80,779	72,20,679
	(ख) निर्माणाधीन भवन	—	—	7,76,507	7,76,507	—	7,76,507
3.	विद्युत प्रतिष्ठान एवं फिटिंग 1	10,60,154	(—) 13,914	1,12,619	11,58,869	6,16,499	4,42,360
4.	वातानुकूलन प्रतिष्ठान	12,27,428	—	—	12,27,428	6,85,236	5,42,172
5.	लिफ्ट	2,84,041	—	—	2,84,041	1,30,430	1,53,711
6.	फर्निचर और फिक्स्चर	22,65,400	(—) 45,234	1,97,058	24,17,224	11,03,384	13,12,840
7.	कार्यालय साज-सामान	9,88,761	(—) 1,781	1,14,004	11,00,984	6,41,430	4,59,354
8.	वाहन	76,985	—	—	76,985	27,715	49,270
9.	पुस्तकालय	23,47,161	(—) 79,928	3,41,975	26,09,208	17,36,838	8,72,370
	योग	99,053	(—) 1,40,857	20,42,439	188,10,935	64,23,231	123,87,704

भारतीय चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट संस्थान, नई दिल्ली

(रकमें रुपये में)

अनुसूची 'ख'—उद्विष्ट विनिधाय

	बैंकों में सावधि निक्षेप		अन्य बैंक लेखाओं में अतिशेष		सरकारी प्रतिभूतियां		जोड़	
	31-3-84	31-3-83	31-3-84	31-3-83	31-3-84	31-3-83	31-3-84	31-3-83
	31,38,726	14,89,963	—	—	—	—	31,78,726	14,89,963
क. शिक्षा निधिविनिधाय	(क)		—	—	—	—	6,78,427	6,78,427
ख. अन्य उद्विष्ट विनिधाय	6,78,994	6,78,427	(—) 567	—	—	—	6,78,427	6,78,427
(ख) पत्रक एवं पुरस्कार निधि	1,57,117	1,59,354	23,970	20,480	80,025	80,025	2,16,112	2,59,659
(ग) वैज्ञानिक अनुसंधान निधि	2,24,654	2,24,654	4,828	4,028	—	—	2,28,682	2,28,682
(घ) अन्य	7,13,688	2,33,808	65,408	65,408	—	—	7,31,286	2,91,216
योग (ख)	17,74,433	12,96,243	89,916	89,916	80,025	80,025	18,99,507	14,99,216
कुल योग (क + ख)	49,13,159	27,86,206	89,916	89,916	80,525	80,025	50,38,233	29,56,14

भारतीय चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट संस्थान, नई दिल्ली

अनुसूची 'ग'—शुद्ध वर्तमान भास्तिता (रकमें, रुपयों में)

विशिष्टता	31-3-1984	31-3-1983
वर्तमान भास्तिता :		
(क) प्रकाशन, अध्ययन सामग्री और लेखन सामग्री	25,02,467	20,66,936
(ख) प्राप्त रकमें :		
ब्याज	7,83,337	5,67,216
अन्य	18,73,476	26,37,013
	17,90,496	23,57,712
(ग) ऋण एवं अग्रिम संदाय :		
(1) कर्मचारियों को अग्रिम संदाय—		
आवास सुविधा, कार, साइकल के लिए ऋण	22,16,822	17,97,517
अन्य	42,554	25,226
	22,59,376	18,22,743
(2) विद्यार्थियों को ऋण, छात्रवृत्तियां	4,37,804	6,76,273
(3) भूमि तथा मशीन निर्माण को बाबत अग्रिम संदाय	—	1,55,898
(4) अन्य	6,21,903	33,19,093
	4,93,257	31,48,271
(घ) नकदी एवं बैंक निक्षेप	38,83,618	44,59,024
योग :	124,62,181	120,31,493
बचाए : वर्तमान दायित्व :		
(क) वेतनी प्राप्ति फीस	133,54,673	90,82,442
(ख) व्यय सम्बन्धी लेनदार	17,05,254	16,26,006
(ग) अन्य दायित्व	11,30,060	18,58,143
योग	161,89,989	125,66,591
शुद्ध वर्तमान भास्तिता	(—) 37,27,808	(—) 5,34,648

भारतीय चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट संस्थान, नई दिल्ली
अनुसूची 'ब'—पूँजीगत आरक्षित निधि (रकमें, रुपयों में)

विशिष्टियां	31-3-1984	31-3-1983
(क) सामान्य (क)		
गत लेखा के अनुसार शेष राशि	117,72,852	111,10,852
जोड़ें : आर्बिट्रल प्रवेश शुल्क	8,93,400	6,62,000
योग (क) :	126,66,252	117,72,852
(ख) शिक्षा (ख)		
गत लेखा के अनुसार शेष राशि	23,31,627	17,31,052
जोड़ें :—शिक्षा निधि में से अन्तरण	—	6,00,575
योग (ख) :	23,31,627	23,31,627
कुल योग (क+ख)	149,97,879	141,04,479

भारतीय चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट संस्थान, नई दिल्ली

अनुसूची 'ड'—सामान्य आरक्षित निधि

(रकमें, रुपयों में)

विशिष्टियां	31-3-1984	31-3-1983
गत लेखा के अनुसार शेष राशि	54,85,242	49,15,059
जोड़ें : प्राय एवं धन्य लेखा में से तथा अन्तरित अतिशेष	23,92,810	5,88,803
घटाएं :—अन्य आरक्षित राशि में अन्तरित	78,78,052	55,03,862
	—	(—) 18,620
योग :	78,78,052	54,85,242

अनुसूची 'ब'—अन्य आरक्षित राशियां

(रकमें, रुपयों में)

विशिष्टियां	31-3-1984	31-3-1983
गत लेखा के अनुसार अतिशेष	16,66,849	14,46,854
जोड़ें : सामान्य आरक्षित राशि से अन्तरित उर्विष्ट निधियों में से	1,10,903	1,51,375
वर्ष के दौरान अन्तरित	(—) 3,13,633	50,000
शुद्ध अतिशेष/ह्रास	—	18,620
योग :	14,64,119	16,66,849

भारतीय चार्टर्ड अकाउन्टेंट संस्थान, नई दिल्ली

अनुसूची 'छ'—उद्दिष्ट निधियां (रकमें, रुपये में)

विशिष्टियां	31-3-1984	31-3-1983
(क.) शिक्षा निधि		
गत लेखा के अनुसार प्रतिशेष	14,89,963	12,14,008
प्राय एवं व्यय लेखा से अन्तरित	17,34,385	8,42,423
वर्ष के दौरान अर्जित व्याज	1,21,697	1,21,400
घटाएँ : पूंजीगत भारक्षित समंजसों से अन्तरित	33,46,045	21,77,831
	—	(—) 6,00,575
	(—) 2,07,319	(—) 87,293
योग (क)	31,38,726	14,89,963
(ख) अन्य उद्दिष्ट निधियां		
(क) अनुसन्धान निधि—गत लेखा के अनुसार प्रतिशेष	6,78,427	6,78,427
(ख) पबक एवं पुरस्कार निधि	2,59,859	2,53,141
गत लेखा के अनुसार प्रतिशेष	—	10,011
वर्ष के दौरान वृद्धियां	17,852	16,453
वर्ष के दौरान अर्जित आय	2,77,711	2,79,605
घटाएँ : पुरस्कृत पदकों एवं पा	(—) 16,599	(—) 19,746
पारितोषित की लागत	2,61,112	2,59,859
(ग) वैज्ञानिक अनुसन्धान निधिगत लेखा के अनुसार प्रतिशेष	2,28,682	2,28,682
(घ) अन्य—		
गत लेखा के अनुसार प्रतिशेष	2,99,216	3,26,410
अन्य भारक्षित राशियों से अन्तरित	3,13,633	—
वर्ष के दौरान पन्चिद्धन	81,139	2,000
जोड़िए : वर्ष के दौरान अर्जित आय	40,024	22,801
घटाएँ : अन्य भारक्षित राशियों में अन्तरित	7,34,012	3,51,211
वर्ष के दौरान व्यय	—	(—) 50,000
	(—) 2,72,617	1,995
	7,31,286	2,99,216
योग (ख) :	18,99,507	14,66,184
कुल योग (क+ख)	50,38,233	29,56,147

(अनुसूची—'ज')

भारतीय चार्टर्ड लेखापाल संस्थान, नई दिल्ली

31 मार्च, 1984 को समाप्त हुए वर्ष आय एवं व्यय लेखा का उपाखण्ड

सदस्य

(रकमे, रूपयों में)

	कुल	विनियोजक		वृत्तिक विकास एवं अनुसन्धान		विद्यार्थी		
	31-3-84	31-3-83	31-3-84	31-3-83	31-3-84	31-3-83	31-3-84	31-3-83
<hr/>								
1. भाय								
1. प्रवेश शुल्क	3,42,00	1,11,200	3,42,000	1,11,200	—	—	—	—
2. सवस्यता शुल्क	75,66,205	68,46,545	75,66,205	68,46,545	—	—	—	—
3. स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुल्क	20,700	20,640	—	—	20,700	20,640	—	—
4. विद्यार्थियों का रजिस्ट्रीकरण शुल्क	11,32,600	10,94,800	—	—	—	—	11,32,600	10,94,800
5. विद्यार्थियों की एसो-सिएशन का शुल्क	87,100	95,200	—	—	—	—	87,100	95,200
6. प्रशिक्षण शुल्क	66,72,817	54,50,630	—	—	—	—	66,72,817	54,50,630
7. परीक्षा शुल्क	74,63,317	67,05,310	—	—	—	—	74,63,317	67,05,319
8. पत्रिका एवं समाचार-पत्र	2,57,262	2,59,769	—	—	—	—	2,57,262	2,59,769
9. प्रकाशन	19,05,724	13,02,435	—	—	4,42,406	3,77,628	14,63,318	9,84,807
10. विनिधानों पर व्याज	1,55,076	1,54,208	—	—	89,673	88,169	65,403	66,039
11. केन्द्रीय एवं प्रादेशिक परिषदों के लिए निर्वाचन हेतु नामनिर्देशन शुल्क	—	66,950	—	69,950	—	—	—	—
12. अन्य	4,45,279	2,31,283	4,568	4,242	3,09,144	99,381	1,31,567	1,27,660
उपयोग	260,48,080	223,38,970	79,12,773	70,28,937	8,61,923	5,25,818	172,73,384	147,84,215
<hr/>								
13. सामान्य निधि विनिधानों से (घाबटिल) भाय	13,22,847	9,76,925	10,58,278	7,25,758	—	—	2,64,569	2,51,167
योग :	273,70,927	233,15,895	89,71,051	77,54,695	8,61,923	5,25,818	175,37,953	150,35,382

वि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया, नई दिल्ली 31 मार्च 1983 को समाप्त वर्ष के आय-व्यय का परिशिष्ट

घनसूची 'आई'

सदस्य

	योग		रेगुलेटर		व्यावसायिक विकास और अनुसंधान		विद्यार्थी	
	31-3-84	31-3-83	31-3-84	31-3-83	31-3-84	31-3-83	31-3-84	31-3-83
व्यय								
1. वेतन और कर्मचारी व्यय	78,89,021	71,43,364	14,27,422	12,68,420	19,31,540	17,02,394	45,30,059	41,73,550
2. प्रिंटिंग और स्टेशनरी	9,09,042	9,64,368	85,782	1,26,102	3,72,967	3,73,128	4,50,293	4,65,138
3. पब्लिकेशन	14,54,989	11,43,290	2,39,356	1,90,581	4,16,197	3,83,736	7,99,436	5,68,973
4. जनरल और रेगुलेटर	16,50,415	14,00,841	—	—	14,03,048	11,89,838	2,47,367	2,11,003
5. कोषिग (सेलरी और कर्मचारी व्यय को छोड़कर)	22,45,135	17,99,232	—	—	—	—	22,45,135	17,99,232
6. एक्जामिनेशन (सेलरी और कर्मचारी व्यय को छोड़कर)	37,18,390	43,12,406	—	—	—	—	17,18,390	43,12,406
7. पोस्टेज टेलीग्राम और टेलीफोन	7,60,092	5,92,276	1,65,522	1,28,264	2,39,028	1,86,639	3,55,544	2,77,373
8. किराया वर और कर	5,99,566	8,21,614	1,13,153	1,73,985	2,23,369	2,69,280	2,63,044	3,79,369
9. रिपेयर और रखरखाव	4,94,093	4,43,600	1,10,557	94,252	1,49,456	1,44,196	2,34,080	2,05,152
10. मूल्य-ह्रास	8,56,248	8,08,197	2,14,063	2,01,522	2,14,061	2,01,522	4,28,124	4,05,153
11. यात्रा एवं परिवहन								
ए० कौंसिल मेम्बरस	8,89,166	7,05,526	1,39,790	1,67,546	4,92,720	3,45,993	2,56,656	1,91,987
डी० स्टाफ और अन्य	2,08,400	2,44,086	37,228	38,768	79,109	1,37,177	92,063	68,141
12. पुस्तकालय रखरखाव	68,681	82,365	—	—	33,661	39,028	35,020	43,337
13. विविधीय सम्पत्ति	4,40,578	2,86,342	—	—	4,40,578	2,86,342	—	—
14. व्यवसायिक शुल्क	1,22,165	1,61,953	16,110	43,604	51,946	47,569	54,109	70,780
15. चुनाव	12,147	5,48,115	12,147	5,48,115	—	—	—	—
16. अन्य	9,25,604	4,27,094	—	—	5,65,741	2,47,152	3,59,863	1,79,942
योग	232,43,732	218,84,669	25,61,130	29,81,139	66,13,419	55,52,984	140,69,183	133,50,536

भारतीय चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट संस्थान, नई दिल्ली, 31 मार्च, 1984 को समाप्त हुए वर्ष के लिए वित्तीय स्थिति में परिवर्तनों का विवरण

(लाख रुपये में)

	1983-84	1982-83
निधियों का स्रोत :		
विनिधानों, सम्पत्ति आदि से शुद्ध आय (पूजीगत तथा राजस्व लेखाओं दोनों पर)	16.43	12.76
प्रवेश शुल्क, दान आदि के रूप में पूजीगत प्राप्तियाँ	08.79	07.38
कार्यकरण पूँजी में कमी (नीचे विवरण देखिए)	31.93	10.87
	57.15	31.01
ह्रास प्रभारित किए बिना तथा विनिधानों और सम्पत्ति से अप्रभारित आय पर विचार किए बिना वर्ष के लिए अतिशेष	35.80	11.44
योग :	92.95	42.45
निधियों का उपयोग		
सावधि भास्तियों का भर्जित किया जाना	20.42	33.91
विनिधानों का भर्जित किया जाना	72.53	08.54
योग :	92.95	42.45

कामकाज पूँजी में परिवर्तन का विवरण

(लाख रुपये में)

वर्तमान आस्तियाँ	वृद्धि/कमी	
	1983-84	1982-83
(क) प्रकाशन, अध्ययन सामग्री एवं लेखन सामग्री	04.35	00.22
(ख) प्राप्य रकमें : ब्याज	02.16	(—) 00.69
	00.83	03.94
(ग) अन्य ऋणों तथा अग्रिम राशियों का संदाय		
(i) कर्मचारिकृत अग्रिम राशियाँ	04.36	01.34
(ii) विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियों का ऋण	(—) 02.38	60.42
(iii) भूमि तथा नव निर्माण की बावत अग्रिम राशियाँ	—	(—) 10.61
(iv) अन्य	(—) 00.27	(—) 00.46
(घ) मकदी एवं बैंक निक्षेप	(—) 04.75	19.23
योग :	04.30	13.39
वर्तमान दायित्व		
(क) अग्रिम रूप में प्राप्त शुल्क	42.72	25.42
(ख) व्ययों के लिए लेनदार	00.79	03.66
(ग) अन्य दायित्व	(—) 07.28	(—) 04.82
योग :	36.23	24.26
कामकाज पूँजी में स्पष्ट कमी	31.93	10.87

भारतीय चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट संस्थान, नई दिल्ली 1983-84 वाले वर्ष के लिए सदस्यों पर व्ययों का विश्लेषण

परिशिष्ट

क्रम सं०	विवरणियाँ	1983-84	1982-83
1. (क) सदस्यों की संख्या		32,237	29,176
(ख) कुल व्यय*		9,175	8,531
2. प्रतिसदस्य कुल व्यय		285	293
3. विनियामक			
(क) कुल व्यय*		2,561	2,981
(ख) प्रतिसदस्य व्यय		80	102
(ग) प्रतिशतता		28%	35%
4. वृत्तिक विकास एवं अनुसन्धान			
(क) कुल व्यय*		6,613	5,553
(ख) प्रतिसदस्य व्यय		205	191
(ग) प्रतिशतता		72%	65%

* हजारों में रूपए।

आर० एल० चौपड़ा, तबिय,
दि इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स
ग्राफ इण्डिया

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th September, 1984

(Chartered Accountants)

ICA(5)035/84:—In pursuance of sub-section (5) of Section 18 of the Chartered Accountants Act 1949, a copy of the Report and the audited Accounts of the Council for the year ended 31st March 1984 is hereby published for general information.

35TH ANNUAL REPORT OF THE COUNCIL FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 1984

In accordance with the provisions of Section 18(5) of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council has pleasure in presenting its 35th Annual Report. The Report not only covers the activities of the Institute for the year ended 31st March, 1984 but also refers to some of the significant activities up to the date of its issue.

1. THE COUNCIL

1.1 Members of the Council and of its various Committees

The 12th Council constituted on 17th September, 1982 will hold office till 16th September, 1985. The Council consists of 24 members of the Institute elected from 5 regional constituencies and 6 members nominated by the Central Government. The composition of the Council and its committees, constituted from 17th September, 1983 for a term of one year, is given in *Appendices I & II*.

1.2 President and Vice President

Shri Ashok Kumbhat and Shri P.N. Shah continued as President and Vice-President respectively until 16th September, 1983. Shri P.N. Shah and Shri A.C. Chakraborti were elected as President and Vice-President respectively for a term of one year with effect from 17th September, 1983.

1.3 Council Meetings

During the year 1983-84, the Council held four meetings—the 104th on 20th, 21st, 22nd and 23rd April, 1983; the 105th on 20th, 21st and 22nd July, 1983; the 106th on 14th, 15th, 16th and 17th September, 1983 and the 107th on 21st, 22nd, 23rd and 24th December, 1983.

2. INTERNATIONAL RELATIONS

2.1 International Affairs Committee

The International Affairs Committee, formed last year on the basis of recommendations of the Review

Committee, took up the responsibility of maintaining liaison with various international bodies and dealing with all matters arising out of the membership of such bodies. The Committee also considered the possibilities of opening chapters of the Institute outside India and maintained a close liaison with the existing Chapter. It coordinated the activities of various technical committees of the Council, resulting in expeditious responses to exposure drafts and other statements received from international organizations. The committee also dealt with issues concerning reciprocal recognition of qualifications.

2.2 The International Federation of Accountants (IFAC)

(a) The Institute continues to be a member of the International Federation of Accountants (IFAC) and India continues to occupy its position as an elected member of the Council.

(b) Shri B.L. Kabra (past President of the Institute) continues to represent India on the Council of the IFAC.

(c) Shri Y.H. Malegam (past President of the Institute) continues as the Indian representative on the International Auditing Practices Committee of the IFAC.

(d) Shri Bansi S. Mehta (past President of the Institute) continues as the Chairman of the Education Committee of the IFAC.

(e) A meeting of the International Auditing Practices Committee of the IFAC was held in New Delhi in November 1983. The members of the International Auditing Practices Committee also attended all the important functions arranged in connection with the 10th CAPA conference.

(f) An audit seminar was also organized in New Delhi at the time of the 10th CAPA conference under the auspices of the IFAC. The purpose of the seminar was to inform participants of the objectives, achievements and future plans of the IFAC and its International Auditing Practices Committee (IAPC). The Seminar was attended by the members of the IAPC, heads of CAPA delegations from various member bodies, members of Auditing Practices Committee of our Institute, and a group of invitees. Those who addressed the seminar included Mr. Washington SyCip, President of IFAC and Mr. G.M. Bak, Chairman of the IAPC.

2.3 Confederation of Asian and Pacific Accountants (CAPA)

India continued to be represented on the Executive Committee of the CAPA through our sister Institute—The Institute of Cost and Works Accountants of India.

2.4 10th CAPA Conference

An event of great significance in the development

of international relations relates to the opportunity given to India to host the 10th Conference of the Confederation of Asian and Pacific Accountants (CAPA). This Conference was held at Hotel Taj Palace, New Delhi, from 21st to 25th November, 1983. The Conference was jointly organised by the Institute of Chartered Accountants of India and the Institute of Cost & Works Accountants of India. The Conference was inaugurated on 21st November, 1983 by the President of India, Giani Zail Singh. Shri Pranab Mukherjee, Union Minister for Finance, was the chief guest on this occasion. Shri V.N. Patil, Deputy Minister of Communications, Mr. E.M. Villanueva, President CAPA and Washington SyCip, President IFAC, were the other distinguished guests on the occasion.

The theme of the Conference "The Accountant in Society" was expounded through three topics at the Plenary Sessions, viz. : Measurement, Management and Environment. The Plenary Sessions were preceded by a key-note address by eminent speakers viz. : Prof. Raj-Krishna the noted economist, Shri P.L. Tandon, President, National Council of Applied Economic Research and Shri N.A. Palkhiwala, an eminent jurist. Over 1100 delegates (including 215 delegates from overseas) were registered for the Conference. About 150 persons accompanied the delegates. The concluding Session of the Conference was addressed by Shri Jagan Nath Kaushal, Union Minister for Law, Justice & Company Affairs.

Details of the papers, paper-writers, commentators, chairmen of technical sessions and other important events of the Conference are given at *Appendix III*.

2.5 The South Asian Federation of Accountants (SAFA)

As a major step towards the development of a co-ordinated accountancy profession in the South Asian region, a new sub regional body, viz., the South Asian Federation of Accountants (SAFA) was formed in August, 1984 at a meeting of the heads of professional Accountancy Bodies in Bangladesh, India, Pakistan and Sri Lanka.

The Constitution of the newly formed Federation lays down its following objectives:—

- (i) to coordinate and guide efforts to evolve technical, ethical and educational guidelines within the region;
- (ii) to work towards international recognition of qualifications of Accountancy Bodies of the region;
- (iii) to provide opportunities for consultation such as the holding of Conferences of Accountants within the region to enable members of the accountancy profession to discuss and interchange ideas and to inform themselves of developments in accounting and related matters;

- (iv) to encourage and assist the development of national accountancy organisations within the region; and
- (v) to arrange exchange programmes for students and teachers so as to expand training opportunities.

Mr. P.N. Shah (President of the Institute of Chartered Accountants of India) and Mr. L.R. Watawala (President of the Institute of Chartered Accountants of Sri Lanka) have been elected as the first President and Vice-President, respectively, of the Federation.

To achieve the objectives of the Federation, four Committees have been formed, viz., Education Committee, Ethical Committee, Research and Professional Development Committee, and Technical Standards Committee.

2.6 4th National Conference of Chartered Accountants of Sri Lanka

A three-member Indian delegation led by Shri G. Narayanaswamy, Council-member, attended the 4th National Conference of Chartered Accountants of Sri Lanka held in Colombo between 1st and 3rd December, 1983.

3. PROFESSIONAL DEVELOPMENT ACTIVITIES

3.1 General

The following paragraphs give a brief review of the professional development activities of the various non-standing committees constituted by the Council of the Institute, during the Council year, i.e., 17th September, 1983 to 16th September, 1984. The review does not include the activities of the period from 1st April 1983 to 16th September, 1983, as they have already been included in the 34th Annual Report submitted last year. It does not also include details of the activities of the Regional Councils and their branches.

3.2 Accounting Standards Board

(a) Since the issuance of the Preface to the Statements of Accounting Standards in January, 1979, the Council have issued the following six Accounting Standards:—

- (i) Accounting Standard-1 on "Disclosure of Accounting Policies" (AS-1)—November, 1979.
- (ii) Accounting Standard-2 on "Valuation of Inventories" (AS-2)—June, 1981.
- (iii) Accounting Standard-3 on "Changes in Financial Position" (AS-3)—June 1981.
- (iv) Accounting Standard 4 on "Contingencies and Events occurring after the Balance Sheet Date" (AS-4)—November, 1982.
- (v) Accounting Standard-5 on "Prior Period and Extraordinary items and Changes in Accounting Policies" (AS-5)—November, 1982.

- (vi) Accounting Standard-6 on "Depreciation Accounting" (AS-6)—November, 1982.

The Board has also issued a guidance note on "Terms used in Financial Statements" in September, 1983.

(b) During the period under report the Board has issued Accounting Standard-7 on "Accounting for Construction Contracts" (AS-7). The eighth definitive Accounting Standard on "Accounting for Research and Development" (AS-8) finalised on the basis of the comments received on the Exposure Draft-8 on the subject has been approved by the Council and the same will be issued shortly under the authority of the Council.

(c) Two discussion Drafts, "Accounting for Fixed Assets" and "Revenue Recognition" have been finalised by the Board and are circulated among the selected outside bodies and among the Council members for their comments. After taking into consideration views expressed by the representatives of the outside bodies, exposure drafts on the subject will be issued for public comment.

(d) In September, 1983 the Board held a Workshop on Accounting Standards in which representatives of industry, Government Bodies and other interested users considered the question of adoption of Accounting Standards on a uniform basis. On the basis of the discussions a plan of implementation was formulated by the Board and submitted before the Council in September, 1983. Accordingly, the following decisions were taken by the Council :—

- (i) To begin with, AS-4 and AS-5 should be implemented in respect of accounts for periods commencing on or after 1-1-1985.
- (ii) The date of implementation of the remaining Standards already issued should be considered by the Accounting Standards Board.
- (iii) There should be a recommendatory period of three years in respect of Accounting Standards to be issued in future.
- (iv) At the first stage, Accounting Standards should be made applicable to: (a) public sector companies; (b) private sector companies listed on the stock exchanges; and (c) large borrowers funds from banks and financial institutions in the corporate sector.

(e) In order to impress upon the financial and other institutions that they should ask their client organizations to prepare financial statements on the basis of the Accounting Standards, the Board organized another Workshop on Accounting Standards at Vigyan Bhawan in February, 1984 which was attended by the representatives of Banks, apex financial institutions, Government, Stock Exchanges and Shareholders' Associations. The detailed plan drawn on the basis of the deliberations of the Workshop was considered by

the Council at its meeting held in April 1984 and the following decisions were taken by the Council:

1. Since the representatives of the Delhi and Bombay Stock Exchanges had agreed to lend all possible support for making compliance with the Standards, it was decided to make a representation to the Government that the Stock Exchanges in the country be requested to make compliance with Accounting Standards mandatory in their listing requirements.
2. Indian Banks Association, the Reserve Bank of India and the Inter-Institutional Committee of the financial institutions should be persuaded to direct all the banks and financial institutions to insist that their large corporate borrowers should submit their accounts prepared in consonance with the Accounting Standards.
3. The Institute should propose to the Government to make a provision in the Manufacturing and Other Companies Auditor's Report Order, 1975 requiring the auditors to report whether the company had prepared its financial statements in accordance with the Accounting Standards.

The Board is taking up follow-up measures on the basis of the decisions of the Council indicated above.

(f) With a view to help the members in adopting the Accounting Standards in the preparation and presentation of financial statements, two Guidance Notes on "Disclosure of Accounting Policies" (AS-1) and "Valuation of Inventories" (AS-2) are being prepared by the Board.

(g) Standards on the following subjects are under formulation:

- (i) Accounting for Taxes on Income,
- (ii) Accounting for Retirement Benefits in the Financial Statements of Employers,
- (iii) Accounting for the effect of changes in Foreign Exchange Rates,
- (iv) Accounting for Government Grants and Disclosure of Government Assistance.

3.3 Auditing Practices Committee

(a) Following the issuance of the Preface to the Statements on Standard Auditing Practices in June, 1983, the Committee issued its first Exposure Draft on "Objective and Scope of the Audit of Financial Statements" in April, 1984 for public comments. After taking into consideration the comments received on the Exposure Draft, the Committee has finalised the definitive Statement on the subject which will shortly be issued under the authority of the Council.

(b) The Committee issued the Exposure Draft of another Statement on Standard Auditing Practices on "Basic Principles Governing an Audit" in July, 1984 for public comments. The same has been finalised by the Committee on the basis of the comments received and will shortly be issued under the authority of the Council.

(c) An Exposure Draft on 'Audit of Fixed Assets' was published by the Committee in July, 1984 inviting public comments. Based on the comments received, the Committee has finalised the same for being issued as a Guidance Note.

(d) The Committee further finalised the preliminary draft of the proposed SAP on "Documentation" for restricted circulation. On the basis of the comments received thereon the Exposure Draft of the proposed SAP will be issued for public comments.

(e) The Committee published a note in the Journal clarifying the views of the Council on the question of capitalisation of interest payable on borrowings made for the purchase of fixed assets or in respect of assets purchased on deferred payment basis for the period subsequent to the date of commercial production. The members are advised to qualify the audit reports if such interest has been capitalised.

(f) The Committee had recommended certain changes in the manner of qualifications in the Auditor's Report. Certain queries were received regarding interpretation of certain practices recommended in this regard in the Revised Chapter 3 of the Statement on Qualifications in Auditor's Report, published in the Journal in September, 1983. In response thereto, the Committee finalised a note and published the same in July, 1984 issue of the Journal for the information of members.

(g) The Study Groups at Bombay, Madras, Calcutta and New Delhi have been engaged in the preparation of preliminary drafts of the Statements on Standard Auditing Practices and Guidance Notes on the basis of the International Auditing Guidelines issued by the International Auditing Practices Committee (IAPC) of the International Federation of Accountants (IFAC) and the existing Statement of Auditing Practices.

(h) A separate Study Group has been constituted at Calcutta for the purpose of considering the problems faced by members during the course of bank audit and preparing basic drafts for the consideration of the Committee. This Study Group is also revising the Institute's existing publication titled "Audit of Banks".

(i) A Study Group has been constituted at New Delhi for the purpose of preparing the initial responses to various documents issued by the different Committees of the IFAC.

(j) The Committee reviewed the Manufacturing and Other Companies (Auditor's Report) Order, 1975 under section 227 (4A) of the Companies Act, 1956 in the light of the experience gained during the last eight years of its implementation. The recommendations of the Committee have been considered and finalised by the Council and will shortly be submitted to the Government for its consideration.

(k) Drafts on the following subjects are being prepared for the consideration of the Committee:—

- (i) Study on "Negative Opinion and Total Disclaimer of Opinion in Audit Reports in India".
- (ii) Study on "Letter to Management by an Auditor".
- (iii) Study on "E.D.P. and Auditing".
- (iv) Revision of the existing Statement on "Responsibility of Joint Auditors".

3.4 Research Committee

(a) Published Literature :—

The following Research Study/Monographs/Guidelines were published during the year:

- (i) Research Study on "Project Evaluation in the context of Requirements of Indian Financial Institutions".
- (ii) Monograph on "Accounting for Rubber Plantations".
- (iii) Monograph on "Accounting for Agricultural Operations".
- (iv) Monograph on "Accounting for Livestock".
- (v) Guidance Note on "Audit Report and Certificates for Special Purposes".
- (vi) Guidelines on "Internal Audit—Tea Industry".

(b) Drafts finalised and under consideration of the Committee :—

- (i) Guidance Note on "Audit of Accounts of Members of Stock Exchanges".
- (ii) Guidance Note on "Provision for Expense and Section 43B of the Income-tax Act".
- (iii) Accountant's Guide to Central Excise Duty.
- (iv) Accounting and Auditing Technical Guide on 'Fertilizer Industry'.

(c) Under Finalization:—

- (i) Study on "Use of Financial Information for Determination of Sickness in Industry".
- (ii) Guidelines on "Internal Audit—Sugar Industry".
- (iii) Zero-base budgeting.

(iv) Accounting and Auditing Technical Guides on :

- (a) Automobile Industry,
- (b) Drugs and Pharmaceuticals Industry.

(v) Guidelines on Internal Audit—'Construction Industry'.

(d) Projects on Hand:—

- (i) Statistical Sampling Techniques—An aid to Auditing Practices.
- (ii) Chapter on Tax Treatment of Gratuity to be included in the Statement on Treatment of Retirement Gratuity in Accounts.
- (iii) Research Study on Accounting for Leases.
- (iv) Guidelines on Internal Audit—Textile Industry.
- (v) Studies on :
 - MRTP Act
 - Effects of Inflation on Corporate Finance
 - Foreign Exchange Regulations Act
 - Insurance Audit—LIC & GIC
 - Internal Audit of Banks
 - Audit of Public Trustees
 - Hospital Accounting and Management Control Systems

(e) Revision of Existing Publications :—

Revision of the following existing publications has been undertaken :—

- (i) Price Fixation in Indian Industries,
- (ii) Precedents in Published Accounts,
- (iii) The Payment of Bonus Act, 1965—An Accountant's Study;
- (iv) Technical Guide for Audit of Educational Institutions,
- (v) Technical Guide for Audit of Co-operative Societies,
- (vi) Study on Share Valuation.

(f) Representation forwarded to outside bodies:—

A review of the existing formats of financial statements of General Insurance Companies was made by a Study Group constituted for this purpose at Delhi. The suggested revised formats have since been forwarded, after being approved by the Council, to the Controller of Insurance and the GIC for further action.

(g) Study Group Formed:

A Study Group at Bombay has been preparing comments on the documents issued by the International Accounting Standards Committee.

(h) Shield Panel:—

Annual award of prizes for the best presented Accounts of Companies and Non-financial Statutory Corporations for 1982-83:

The Panel of Judges for the annual competition for the year 1982-83 have adjudged the Annual Reports and Accounts of :

HINDUSTAN ORGANIC CHEMICALS LIMITED

(For the year ended 31st March, 1983)

as the best and accordingly it has decided to award its Silver Shield to this company.

The Panel of Judges have also highly commended the Annual Reports and Accounts of the following companies and have accordingly decided to award the Plaques to :

CEMENT CORPORATION OF INDIA LIMITED

(For the year ended 31st March, 1983)

HINDUSTAN MACHINE TOOLS LIMITED

(For the year ended 31st March, 1983)

THE TATA IRON AND STEEL COMPANY LIMITED

(For the year ended 31st March, 1983)

[The above list is arranged alphabetically and does not denote any ranking on the basis of merit.]

Annual competition for the best presented Accounts of Banks and Financial Institutions for 1982-83:

The Panel of Judges also considered the Accounts of Banks and Financial Institutions and adjudged the Annual Report and Accounts of :

THE INDUSTRIAL CREDIT & INVESTMENT CORPORATION OF INDIA LIMITED

(For the year ended 31st December, 1982)

as the best among the entries received from banks and financial institutions and have accordingly decided to award the Silver Shield to this corporation.

Annual Competition for the best presented Accounts for entities such as Public Trust, Cooperative Societies, Research and Educational Institutions, etc., for 1982-83 :

The Panel of Judges separately considered the Accounts of above mentioned entities and adjudged the Annual Report and Accounts of:

PETROFILS CO-OPERATIVE LIMITED

(For the year ended 30th June, 1982)

as the best among the entries received and have accordingly decided to award its Plaque to it.

The criteria adopted by the Panel of Judges for selecting the best presented accounts include absence of any serious qualification in the Auditor's Report, compliance with the relevant legal requirements in the preparation and presentation of financial statements, disclosure of accounting policies, pictorial presentation of financial information, information content of the Directors' Reports and disclosure of additional financial information which is not required statutorily such as inflation adjusted accounts, human asset accounts, value added, changes in financial position and social costs.

3.5 Professional Development Committee

(a) Empanelment procedures and other matters relating to audit of accounts of the branches of the nationalised banks

At the request of the concerned authorities, the Committee collected information from practising members of the Institute for empanelment as auditors of public sector banks for the year 1983 in accordance with the guidelines indicated by the aforesaid authorities. On the basis of the data received from the members, a list giving necessary information was prepared and sent.

Similar information for audit of accounts of public sector banks for the year 1984 has been collected and will be sent to the concerned authorities. The Council has agreed to supply updated information on the above basis every year in future.

(b) Scale of remuneration to statutory and branch auditors of public sector banks

The study relating to the fixation of remuneration and reimbursement of local conveyance payable to statutory and branch auditors of public sector banks was entrusted to a working group set up by the RBI. Shri P.N. Shah, President, represented the Institute on the working group. The working group has met and has discussed various aspects relating to the revision of remuneration and reimbursement of local conveyance to statutory and branch auditors of public sector banks. The report of the working group has been submitted to Government in June, 1984. The decision of the Government on the recommendations of the working group is expected to be announced shortly.

(c) Audit of Accounts of borrowers enjoying credit limits exceeding Rs. 10 lakhs and designing suitable formats of audit report and accounts to meet the requirements of financial banks

The Reserve Bank of India have agreed in principle to introduce the system of audit of accounts of non-corporate entities borrowing from banks in excess of Rs. 10 lakhs. The format of audit reports and

accounts for this purpose as prepared by the Institute and the Indian Banks Association have now been finalised and are expected to be issued shortly.

(d) Audit of Accounts of Stock Brokers

The Ministry of Finance (Department of Economic Affairs—Stock Exchange Division) have issued a notification dated 31-5-1984 providing that all active members of recognised Stock Exchanges should maintain accounts and other documents as specified under Rule 15 of the Securities Contract, (Regulation) Rules, 1957 and get them audited by Chartered Accountants. The form of the audit report is given in the notification. This provision applies in respect of accounts for the year commencing on or after 1-4-1984. The audit is to be completed within six months of the close of the accounting year and the audit report is to be submitted to the Stock Exchange and to the Government. This notification has been published in "The Chartered Accountant" July, 1984 (page 33).

(e) Audit of Cooperative Societies

The Council have requested the State Governments to appoint chartered accountants as auditors of cooperative societies. The regional offices and branches have been requested to collect information from members in respective regions regarding the quantum of audit being allotted to chartered accountants and submit the same for the consideration of the Committee. The President and members of the Committee have met the functionaries in many states to impress upon them the need for appointment of chartered accountants as auditors of cooperative societies in view of the introduction of Section 44AB in the Income-tax Act making audit of accounts of organisations having turnover exceeding Rs. 40 lacs. The Committee have made this request to the State Governments so that there is no duplication of work.

(f) Concurrent/internal audit/income and expenditure audit of banks

The committee has approached various banks to allot concurrent/internal audit/income and expenditure audit of banks to chartered accountants. Most of the nationalised banks have agreed to the suggestion of the Committee to entrust the work relating to concurrent/internal audit, inspection and revenue audit to chartered accountants. The Committee is continuously monitoring the position in this regard.

(g) Members in Industry

A sub-committee named "Committee for Members in Industry" has been constituted (i) to consider matters affecting members in service; (ii) to consider

ways and means to enhance participation of members in service in the affairs of the Institute; (iii) to provide employment service both for the benefit of the members seeking employment in industry and the prospective employers; and (iv) to explore and develop fresh avenues for members in Industry. The members of the above Committee have been mainly drawn from industry. In pursuance of the decision of the Committee for Members in Industry, a series of articles will be published in the Journal with a view to provide guidance to members regarding employment opportunities in various sectors of economy, and in foreign countries. The following articles were published in November, 1983 and January, 1984 issues respectively :

(i) Employment opportunities for chartered accountants in Dubai

(ii) Employment opportunities in Banks

(h) Continuing Education Programme

Following three Residential Courses were organised by the Committee.

Residential Course on Internal Audit at Kovalam, Madras

Residential Course on Internal Audit at Aurangabad.

Residential Course on Internal Audit at Darjeeling.

(i) The Fourth All India Conference on Internal Audit was held at New Delhi on September 8th & 9th, 1984. The Conference was attended by about 225 delegates from all parts of the country. The main objective of the Conference was to discuss the various aspects of the internal audit function and to deliberate on the expanding role of the internal auditor in the contemporary economic and business environment.

Hon'ble Shri J.N. Kaushal, Union Minister of Law, Justice & Company Affairs, inaugurated the Conference and Hon'ble Shri N.K.P. Salve, Union Minister of Steel & Mines delivered the valedictory address. Besides the inaugural and concluding sessions, the Conference had four technical sessions dealing with various aspects of Internal Auditing. The Chairmen and guest speakers of various sessions included Prof. Raj Krishna, Shri Justice Rajindar Sachar, Shri R. Thakur, M.P., Shri Y.H. Malegam, Shri D.N. Patodia (Vice-President FICCI), Shri M. Prem Kumar (Chairman, Audit Board) and Shri Bansi S. Mehta (Chairman, Education Committee of International Federation of Accountants).

(j) At the behest of the Committee, a Course on Company Audit was organised by the Eastern India Regional Council from 24th to 26th February, 1984.

(k) Formulation of general guidelines regarding the work involvement in assignments relating to internal/concurrent audits of banks particularly relating to interest, income and expenditure, appraisals and inspections etc. for guidance of members is at the finalisation stage.

(l) A representation has been sent to Hon'ble Shri P. Shiv Shankar, Minister of Energy, Government of India, for amendment of ONGC Act with a request to provide for audit of accounts of ONGC by chartered accountants. Efforts are being made by the Committee for a favourable consideration in this regard.

(m) A representation has been made to the Chairman of the Select Committee of the Parliament on Life Insurance Corporation of India Bill 1983, suggesting that a chartered accountant having 7 years' experience in practice or a senior accountant in public sector undertakings should also be entitled to serve on the Tribunals to be constituted under the proposed Act.

(n) A sub-committee of the Professional Development Committee on Internal Audit has been constituted to consider matters relating to internal audit work and to streamline the role of chartered accountants as internal auditors.

3.6 COMPANY LAW COMMITTEE

(a) Continuing Education Programme

(i) A four-day Residential Course on 'Recent Developments in Corporate Horizon' was organized at Hotel Fidalgo, Goa in March, 1984.

(ii) 16th All India Seminar on Taxation and Company Law was held jointly by the Taxation Committee and Company Law Committee at Calcutta from 31st August to 2nd September, 1984. [Details given in para 3.7(d)].

(b) A meeting was held between the representatives of the Department of Company Affairs and the Institute to discuss matters of common interest. The following issues were discussed :—

(i) Issue of fresh guidelines in the matter of fixation of audit fees for the companies in the public sector

The Department has revised the existing guidelines to include the fact that audit fees should not be static and that it should also take into account the rate of inflation in the economy. A note on the subject is published at pages 180—182 of September, 1984 issue of "The Chartered Accountant".

(ii) Appointment of chartered accountants as chief accountants/financial controllers

The Department agreed to consider the proposition along with the recommendations of the Sachar Committee in due course. It also suggested that the Institute should evolve some code of conduct for chartered accountants in employment who would be signing annual accounts in the same manner as the Company Secretary..

(iii) Review of the Manufacturing and Other Companies (Auditors' Report), Order, 1975

The Department agreed in principle that a review of the order under section 227(4A) would be useful. It was suggested that the Institute should make a study of the said order and make detailed suggestions for the consideration of the Government.

(iv) Revision/Rectification of accounts

The Company Law Department reiterated its view that accounts once adopted should not be reopened.

(c) Representations were made to the Department of Company Affairs on the following matters :

(i) Requirement of charging of 100 per cent depreciation on Energy Saving Devices/ Pollution Control Equipments consequent to changes in Income-tax rates. A note on the subject was published on page 128 of August 1984 issue of "The Chartered Accountant".

(ii) Practice by single chartered accountants in firm name/trade name.

(d) A clarification regarding the provision of depreciation in respect of extra shift allowance in the accounts of companies was issued for the guidance of the members. A note on the subject was published at page 831 of the June 1984 issue of "The Chartered Accountant".

(e) An Exposure Draft on "Accounting of Depreciation consequent to changes in Depreciation Rate's" as prepared by the Company Law Committee was published in the March, 1984 issue of the Institute's Journal inviting comments from members and others. The draft has been finalised by the Committee on the basis of the comments received and will be published in the journal shortly.

3.7 TAXATION COMMITTEE

(a) Under the sponsorship of the Taxation Committee, the Faridabad, Surat, Madurai and Coochin Branches organised one-day Seminars on Taxation.

(b) The Taxation Committee itself organised a one day Seminar on Taxation at Gauhati.

(c) The Seventh Residential Course in Taxation was held at Hotel Broadway, Srinagar from 11th to 14th May, 1984

(d) The Sixteenth All India Seminar on Taxation and Company Law, organised jointly with the Company Law Committee was held at Calcutta from 31st August, 1984 to 2nd September, 1984. The theme of the Seminar was "Recent Trends and Changes in Taxation and Company Laws". Over 400 delegates attended the Seminar. The Seminar was inaugurated by Dr. Ashok Mitra, the Finance Minister of West Bengal. The inaugural session was followed by six technical sessions. Sarvashri Sukumar Bhattacharyya, C.G. Somiah, P.M. Narielvala, P.N. Shah, D.R. Chakraborti and Hon'ble Justice Suhas Sen, chaired the different technical sessions. Dr. D. Pal, Sarvashri A.R. Khare, A.K. Ghosh, T.D. Sugla, R.S. Lodha and R.N. Bajoria addressed the delegates as Guest Speakers. Sarvashri P.A. Nair, D.G. Rajan, B.S. Kothari, Dr. R.C. Vaish and G. Narayanaswamy were the rapporteurs for the technical sessions.

The seminar discussed 14 technical papers, contributed by eminent professionals, covering areas such as Corporate Taxation, Corporate Control, Corporate Finance, Personal Taxation, Non-residents and exports, Estate Duty, Central Excise and Customs. The concluding session was addressed by Hon'ble Justice D.K. Sen of the Calcutta High Court.

(e) The third revised edition of the publication "Taxation of Charitable Trusts and Institutions" and the second revised edition of the publication on "Taxation of non-residents" were brought out. Two other publications—"Guide to Tax Audit" and "Guide to Tax Practice"—are under revision.

(f) As usual, Pre-Budget and Post-Budget Memoranda were submitted to the Finance Minister.

(g) A representation was made to the Finance Minister and other authorities on 15th January, 1983, pleading for the introduction of appropriate provisions in the Income-tax Act to make it compulsory for persons carrying on business and profession with total sales turnover gross receipts exceeding certain limits that may be specified to submit along with their return of income, and report by a chartered accountant of the audit of accounts on which such returns are based. This was followed up by another detailed representation explaining the points made in our earlier representation. "The CBDT has issued a Notification dated 6th Sept., 1984, containing draft Income-tax Rules prescribing the forms of audit reports and the particulars required to be furnished

under the provisions of Section 44AB of the Income-tax Act. The draft rules are expected to be finalised, on the basis of comments received, after an exposure period of 30 days”.

The Government accepted the suggestion and introduced the proposal through the Finance Bill, 1984. The Institute submitted a detailed memorandum to the Finance Minister and others on the proposal, as contained in the Finance Bill, 1984. The representatives of the Institute also held detailed discussions with the Chairman and other concerned officials of the CBDT in this regard. Subsequent to the enactment of the Finance Act, 1984 discussions were held with the CBDT authorities regarding the proposed audit report and its annexures. The Form of audit report is expected to be issued shortly.

(h) A research project on ‘Streamlining Tax Administration and Procedures’ was undertaken by the Committee. A synopsis identifying certain selected areas of tax laws and administration was prepared by the Committee and Study Groups were formed in different regions to discuss the synopsis and formulate thoughts on the areas selected. Based on the reports of the Study Groups, a memorandum containing suggestions for “Simplification and Rationalisation of Tax Laws and Streamlining Tax Administration and Procedures” was submitted to the Government.

(i) Other representations submitted during the year—

- (i) A representation was submitted to the CBDT requesting to give retrospective effect to the amendment made by the Finance Act, 1983 in clause (xa) of sub-section (1) of Section 5 of the Wealth-tax Act, conferring exemption from Wealth-tax in respect of outstanding fees due to assessee carrying on certain professions and maintaining books on the cash system of accounting, from 1975-76 assessment year.
- (ii) Another representation was made to the CBDT requesting the issue of a circular to clarify that the deduction under Section 80V would be available in a case where an assessee pays tax out of borrowed funds and subsequently raises a second loan and utilises it for repayment of the loan originally taken for the purpose of payment of tax and establishes a clear nexus between the payment of tax and the second loan.
- (iii) The difficulties arising out of the application of the new provisions of Section 43B, in the case of new industrial units in certain States which are entitled to the facility of deferring the payment of Sales-tax, were pointed out

in another representation to the CBDT. The CBDT was requested to make suitable exceptions in the case of such units.

- (iv) A representation was submitted to the CBDT pleading for withdrawal of the Board’s instruction (No. 1528 dated 29th September, 1983) to assessing authorities not to allow the benefit of carry forward of losses in cases where loss returns are not filed within the time prescribed under Section 139(3).
- (v) The need for making immediate amendments in Rule 2A of the Income-tax Rules, 1962 as well as Section 80GG of the Income-tax Act so as to bring them in conformity with the liberalised scheme of valuation of perquisites in the form of rent-free accommodation provided by an employer to an employee in private and joint sector, under Rule 3(a) (iii) of the Income-tax rules, was stressed in yet another representation.
- (vi) Representation was also made to the CBDT requesting it to withdraw the instructions issued to assessing authorities directing them to assess specific trusts in which the shares of beneficiaries are determined and specific as a single unit in the status of Association of persons or Body of Individuals.

3.8 CONTINUING PROFESSIONAL EDUCATION COMMITTEE

(a) Under the Continuing Education Programme, a number of seminars and courses as per details in *Appendix IV* were organised during the year.

(b) Examinations of the Management Accountancy Course (Part I) were held in November, 1983 and May, 1984. The summarised results of the examinations held in May, 1983, November 1983 and May 1984 are given in *Appendix V*.

(c) Examinations of the Corporate Management Course were held in November, 1983 and May, 1984. The summarised results of the examinations held in May, 1983, November, 1983 and May, 1984 are given in *Appendix VI*.

(d) Merit scholarships of Rs. 500 each were granted to 10 candidates for purchase of books under the incentive schemes of the Management Accountancy Course.

(e) Since September, 1983, 4 issues of the Management and Economic Quarterly Digest have been brought out.

(f) The number of candidates registered for practical training under Part II of the Management Accountancy Course during the financial year was 17.

(g) Shri P.K. Sinha (M. No. 11245) completed both the parts of the Management Accountancy Course.

(h) Shri D. Shivaji (M. No. 4669) completed part II of the Management Accountancy Course.

3.9 EXPERT ADVISORY COMMITTEE

(a) Since the last report in September, 1983, the Committee considered 18 queries, and replies to 15 of them have been finalised. Balance 3 queries are under consideration.

(b) The "Compendium of Opinions—Volume III" containing the opinions of the Committee between September, 1982 and September, 1983, alongwith a composite subject-wise alphabetical index on the opinions contained in all the three volumes, has been released for sale.

(c) Brief versions of important opinions of the Committee are being periodically published in "The Chartered Accountant" for information of all readers.

3.10 ETHICAL STANDARDS COMMITTEE

The Committee is engaged in revising the Code of Conduct and incorporating therein various changes decided upon by the Council, as also the changes arising out of the Statements and Exposure Drafts issued by the Ethics Committee of IFAC. The Council have considered some of the matters and the following changes have been announced in the Code of Conduct—

(a) Issuing Greeting Cards or Invitations

In respect of clause (6) of Part I of the First Schedule to the Act, it is now clarified that a member may use the designation 'Chartered Accountant' as well as the name of the firm, with or without designations in greeting cards, invitations issued for marriages and religious ceremonies, invitation for opening or inauguration of the offices of the members, and intimation about the change in office premises and change in telephone numbers. This relaxation is subject to the condition that such greeting cards or invitations etc. are sent only to clients, relatives and close friends of the member(s) concerned.

(b) Clause (10) of Part I of the Second Schedule to the Act provides that a member shall be guilty of professional misconduct if he fails to keep the moneys of his clients in a separate banking account or to use such moneys for purposes for which they are intended. It has been clarified that where in the course of his engagement as a professional accountant, a member is entrusted with moneys belonging to his client, he should deposit them in a separate banking account, and utilise, them only in accordance with the instructions of the client or for the purpose or purposes intended by the client. In this connection it is also clarified that :—

- (i) an advance received by a chartered accountant against services to be rendered does not fall under Clause (10) of Part I of the Second Schedule.

- (ii) moneys received for expenses to be incurred, for example, payment of prescribed statutory fees, purchase of stamp paper etc., which are intended to be spent within a reasonably short time need not be put in a separate bank account.

- (iii) moneys received for expenses to be incurred which are not intended to be spent within a reasonably short time, as aforesaid, should be put in a separate bank account immediately.

- (iv) moneys received by a chartered accountant, in his capacity as trustee, executor, liquidator, etc. must be put in a separate bank account immediately. The details about the above announcements have been published in the Institute's Journal for March, 1984 (pages 574-575).

(c) practising members in full-time employment not to accept statutory audits—as a self-regulatory measure.

The Council has decided that as a self-regulatory measure, members in full time employment holding certificate of practice should not accept statutory audits of companies with a paid-up capita of more than Rs. 25 lakhs. It has also been suggested to the Government that, if considered necessary, a suitable provision be made in the Companies Act 1956 to this effect. A note on the subject was published at page 821 of the June, 1984 issue of "The Chartered Accountant".

3.11 UNIVERSITY LIAISON COMMITTEE

(a) Seminars

Two Seminars were held during the year. The first one was held at Bombay in collaboration with Bombay University and the S.N.D.T. Women's University on 4th February, 1984. The theme for discussion was "Accountancy and the Commerce Education at University Level". Amongst others, Dr. M.S. Gore, Vice-Chancellor of the University of Bombay, Dr. Jyotiben Trivedi, Vice-Chancellor of S.N.D.T. Women's University, Shri P.N. Shah, President of the Institute, Prof. Bansi S. Mehta, past President of the Institute, Prof. S.V. Ghatalia and Dr. K.M. Mutalik graced the occasion and guided the participants.

The second Seminar was held at Kolhapur in collaboration with the Shivaji University on 16th June, 1984. The theme for discussion was "Commerce Education at University Level". Dr. Bhogishayana, Vice-Chancellor of Shivaji University, inaugurated the Seminar. Shri P.N. Shah, President of the Institute, addressed the participants.

As a followup measure, the Chairman of the Committee met 7 Vice-Chancellors of various Universities in the State of Maharashtra at an informal meeting

at Pune on 4th July, 1984. The Chairman and the President also had a meeting with Dr. Madhuriben Shah, Chairperson of the University Grants Commission at Delhi on 17th July, 1984 and had fruitful discussion on various matters concerning the relationship of the Institute with the UGC and the universities.

(b) Endowments

During the year, two new endowments were created and amounts disbursed. The first one was of Rs. 10,000 created with the University of Bombay and second one was of Rs. 4,500 created with the Shivaji University. With this, the total number of endowments created by the Institute has reached the figure of fourteen. The Chartered Accountants of Kolhapur collected a donation of Rs. 5,500 for the award of a prize to the student who stands first in the M. Com. examination of the University. This would be in addition to the endowment already instituted with the said University in respect of the B. Com. course. The Council places on record its appreciation for the efforts made by the members of Kolhapur towards the cause of education.

(c) Recognition by Universities

During the year, two more Universities viz. Meerut University and Himachal Pradesh University have recognised the C.A. Course as equivalent to a post-graduate qualification for enrolment to the Ph.D. programme of a University. With this the number of recognitions obtained has reached a figure of twenty.

(d) The Committee is continuing its efforts for—

(i) harmonisation of commerce education at university level; (ii) recognition of members of the profession for teaching accountancy and allied subjects at Universities (iii) recognition of chartered accountants qualification for Ph.D. studies at Universities; and (iv) attracting talented students to Chartered Accountants Course.

3.12 COMMITTEE FOR DEALING WITH CASES OF UNJUSTIFIED REMOVAL OF AUDITORS

Some cases of unjustified removal of auditors came up for consideration before the Committee during the year. These were considered by the Committee in the light of the procedure settled by the Council for the functioning of the Committee.

The Committee noted that if the outgoing auditor sent intimation about his alleged unjustified removal

long after he made his representation to the shareholders of the Company, no useful purpose would be served by recording a finding on this grievance. The Committee has, therefore, requested the members to report cases of unjustified removal before the fresh appointment is made so that some effective steps could be taken by the Committee. An announcement to the above effect was made in the April, 1984 issue of the Institute's Journal.

The effectiveness of reference to this Committee is now being felt inasmuch as the proposed incoming auditors in many cases are not accepting appointment when the classifications of the outgoing auditors are brought to their notice by the Committee. For instance, in a case of a Labour Board, the outgoing auditor had alleged his removal from its auditorship. On referring the matter to the proposed incoming auditor, he mentioned that he had not accepted the appointment as auditor of the Board. Similarly, in another case, the outgoing auditor of a Trust had alleged his removal from its auditorship and on referring the matter to the proposed incoming auditor, he mentioned that he had refused to accept the said appointment.

3.13 Editorial Board

The Journal "The Chartered Accountant" continued to be supplied free of charge to the members. The annual subscription rates of Rs. 15 for articled/audit clerks and commerce students studying in colleges, and Rs. 50 for non-members, remained unchanged during the year, despite the increase in the cost of production.

A number of steps have been taken for improving the quality, get up and contents of the Journal.

The Editorial Board awarded the following prizes for the best articles printed in the Journal during the period July, 1982 to June, 1983 (Vol. XXXI) :—

(i) Main Section

First Prize: Rs. 1,500 to Prof. L.C. Gupta for his article "Financial Ratios for Signalling Corporate Failure" published in April 1983 issue.

Second Prize: Rs. 1,000 to Shri P.R. Ravindran & Shri R. Sivakumar for their article "Project Evaluation: Some Problems in the IRR Method" published in August 1982 issue.

Third Prize: Rs. 500 to Shri Hargovind for his article "Fight against Tying Arrangement—The Anti-Monopoly Approach" published in May 1982 issue.

(ii) Students' Section

First Prize: Rs. 500 each awarded to: (a) Shri R.D. Gupta for his article "XYZ Management—An Appraisal in Indian Perspective" published in January 1983 issue; and (b) Shri M.P. Bansal for his article "Rules of Construction & Interpretation of Income-tax Law" published in June 1983 issue.

4. OTHER MATTERS

4.1 Hindi and other regional languages as alternate medium for the examinations of the Institute

As mentioned in the last report, the introduction of Hindi as an alternate medium of the Institute's examinations has been accepted by the Council. This has been implemented with the Entrance Examination held in June 1984. The Council has now appointed a committee for considering the feasibility of introducing regional languages as alternate media for the examinations of the Institute. Questionnaires are being issued by the Regional Languages Committee to Regional Councils, Branches, Council Members, Past Council Members, Universities and Students in order to elicit opinion on this subject.

4.2 Committee on Public Relations

The Committee on Public Relations undertook several programmes to promote a better understanding of the functions of the Institute and project a better image of the profession :

- (i) An extract of the 34th Annual Report for the year ending 31st March, 1983 was published in several leading newspapers.
- (ii) The publication of ICAI Newsletter after every Council meeting was continued. It is distributed among Members of Parliament, Chambers of Commerce, Universities and various Government departments to help in forming informed opinion about the policies framed by the

Council which serve public interest. Five issues have been published so far.

(iii) The publication "Chartered Accountant and Society", meant for distribution among the public, has been translated and issued in Hindi, Marathi, Punjabi and Bengali. Tamil and Telugu versions are under print.

(iv) The publication "The Profile of a Profession" meant for distribution among students, has also been brought out in Hindi, Gujarati and Marathi. Tamil and Telugu versions are under print.

(v) Rejoinders were issued from time to time in daily newspapers to correct wrong impression or to clarify policy issues, whenever called for.

(vi) Press conferences were held by the President to project the viewpoint of the Institute on the tax audit provision in the Finance Bill 1984. These were well attended and the views of the Institute were carried by leading newspapers. A Press note explaining the advantages of Tax Audit was also issued.

(vii) Visits of the President and the Vice-President to various regional councils and branches were covered by the local press.

(viii) Institute's viewpoint on matters concerning the profession and matters of general importance was explained through press statements from time to time.

4.3 Changes in the Chartered Accountants Act and Regulations

(a) The Council finalised a number of changes in the Chartered Accountants Act based on the experience of the working of the provisions of the Act, which were last amended in 1959. These have been submitted to the Government for their consideration and approval.

(b) The present Chartered Accountants Regulations came into effect on 18th July 1964 and have thus been in force for nearly 20 years. The need was felt to simplify and rationalise the regulations to improve their administration; remove anomalies and inconsistencies; obviate unneeded hardship and minimise procedural delays; define, clarify and delegate duties and responsibilities, where considered advisable, and delete or modify

provisions to the extent that they have become redundant. The Council had appointed a Codification Committee to undertake this task.

Further, a large number of provisions in the present regulations required to be changed for implementing the recommendations of the Review Committee on Accounting Education. The Council had also appointed a Review Committee to identify the aims and objectives of the Institute and to broadly review its plans and organisation, practices and procedures.

The existing regulations were modified in light of the recommendations of all these committees and a complete set of the codified regulations intended to replace the regulations of 1964 were issued for public comments as a supplement to "The Chartered Accountant" for July 1983. The comments received on the codified regulations have been considered by the appropriate committee and the finalised regulations have been forwarded to the Central Government for their approval.

4.4 Co-ordination Committee with ICWAI

The Co-ordination Committee composed of the representatives of our Institute and the Institute of Cost & Works Accountants of India (ICWAI) has been holding discussions to further extend the areas of co-operation between the two Institutes. A meeting of the Committee was held in December, 1983 at Calcutta. The 10th CAPA Conference was jointly organised by the two Institutes in November, 1983 at New Delhi, as referred to in paragraph 2.7 of the Report. Another joint programme was organised with ICWAI at Bombay in May 1984 on "Management Decision—Leasing Options". The Co-ordination Committee is also considering the possibilities of constituting Working Groups to deal with the following matters :—

- (a) Practice by members of the two Institutes in areas of common operation ; and
- (b) Holding of Certificate of Practice of the two Institutes by those who are members of both the Institutes. Efforts are also being made to identify the common areas of research in subjects of common interest to the two Institutes and other areas of co-operation.

4.5 Changes in organisational structure of the Institute

(a) Shri P.S. Gopalakrishnan, Secretary, retired on 1st April, 1984 after very ably serving the Institute for over 9 years. During this period, the Institute made

tremendous progress in different fields. Shri Gopalakrishnan was closely associated with a number of special committees constituted by the Council to study the problems of education and training, codification of the C.A. Act and Regulations, review of administrative set-up, etc. and in the organisation of various conferences of national and international character. The Council records its deep sense of appreciation for the valuable services rendered by Shri P.S. Gopalakrishnan to the Institute and the profession.

(b) Effective from April, 1984, various functions of the Institute at the headquarters have been divided into five divisions, namely: (i) Administration, (ii) Technical Directorate, (iii) Board of Studies, (iv) Examinations, and (v) Accounts and Finance. Each division has been placed in charge of a senior officer and he is made responsible for the day-to-day working of his division and given the financial autonomy for effective functioning. Shri R.L. Chopra has been appointed as Secretary of the Institute. Sarvashri Kamal Gupta, A.K. Majumdar K. Kalyanaraman and P.C. Jain are in charge of Technical Directorate, Board of Studies, Examination and Accounts/Finance Divisions respectively. At the regional centres, each office has been placed under the administrative charge of single officer—a Deputy Secretary at Bombay, Calcutta and Madras and an Assistant Secretary at Kanpur. The reporting requirements of functional and administrative matters at regional offices have been streamlined and more powers have been delegated to the concerned officers. The chairmen of the Regional Councils are kept informed about the working of the decentralised offices of the Institute including the Board of Studies. Periodical meetings of the chairmen of the Regional Councils were held at New Delhi to resolve issues concerning the day-to-day management of the regional offices. The branches in each region are now functioning under the direct supervision of the concerned Regional Council.

4.6 Annual meeting of the Council

The 34th Annual meeting of the Council was held on 15th September, 1983 at New Delhi. Hon'ble Justice Shri R.S. Pathak of the Supreme Court of India was the Chief Guest at the function. He presented Shields and Plaques to the companies and financial institutions which had given their entries in the competition for best presented accounts, and prizes and medals to the meritorious students in the examinations of the Institute.

4.7 Library

During the year, 542 books were added to the Central Council Library at New Delhi bringing the total number of books to 19293. Increasing use of the library was made by members and students.

4.8 Representation on outside bodies

The Institute continues to be represented on outside bodies through its representatives.

Appendix VII gives details of the Institute's representation on outside bodies

4.9 Meetings of the President and the Vice-President with important dignitaries and visits to the Branches

The President and the Vice-President met various dignitaries including Central Ministers, Chief Ministers in different States and other governmental authorities for discussing important matters pertaining to the profession. They also met the Vice-Chancellors of several universities, Presidents of Chambers of Commerce, Members of the Income-tax Appellate Tribunal, authorities of Reserve Bank etc. Further, the President and the Vice-President visited a large number of branches of the Regional Councils for discussing matters concerning the development of the professional opportunities and educational facilities for members and students.

4.10 Members in important positions in different walks of life

Members of the Institute, on account of their high degree of expertise and knowledge in the field of accounting and finance have come to occupy very important positions in different walks of life including legislative bodies, public financial institutions, nationalised and other banks, educational institutions and local authorities.

The Council is happy to report that three distinguished members of the profession were elected to the Rajya Sabha at the elections held in March, 1984. They are (1) Shri N.K.P. Salve (2) Shri Rameshwar Thakur and (3) Shri Jagesh Desai.

(a) Shri Salve was a member of Lok Sabha from 1966-1977 and was elected to the Rajya Sabha in April, 1978. He has continued to be its member since then. Shri Salve was appointed Minister of State with independent charge of the Information & Broadcasting Ministry in September, 1982. He is at present, Minister of State with independent charge of Ministry of Steel & Mines since February, 1983.

(b) Shri Rameshwar Thakur was a member of the central Council of the Institute during 1964-67; Vice-President of the Institute in 1965-66 and the President in 1966-67. He is an active social worker and a senior member of our profession from New Delhi.

(c) Shri Jagesh Desai was a member of Maharashtra Legislative Assembly from 1972-78 and Minister of State from February, 1975 to March, 1978 in charge of Food & Civil Supplies, Urban Development, Transport, including state transport, Finance and Jails Department of the Government of Maharashtra. He is an active social worker and a senior member of our profession from Bombay.

4.11 Formation of Research Foundation

It has been decided to form a Society under the Societies Registration Act, 1860 to be called "Research Foundation of the Institute of Chartered Accountants of India" with the object of undertaking and promoting Fundamental and Applied Research on accounts and allied subjects and to generally to do all acts and undertake all activities necessary, conducive, incidental or ancillary to attain the above mentioned object. All formalities for registration of the Foundation have been completed.

4.12 Chartered Accountants' National Relief Fund

The "Chartered Accountants National Relief Fund" has been constituted. The fund has been registered as a public trust and has also been granted tax exemption certificate under Section 80G of the Income-tax Act, 1961. The donations made to the Fund will thus be exempted in the hands of the donors for income-tax purposes. The monies collected by the Trust will be used 'inter alia' for (i) providing relief to human beings during times of national calamities; (ii) making donations to societies or institutions engaged in relief work; and (iii) making donations to the National Defence Fund, the Prime Minister's Relief Fund and any other funds established by the Central Government or any State Government for the purposes of providing relief to human beings or for rehabilitating them in times of famine, floods, cyclone or other calamities. The members are requested to send their contributions to this Trust set up for a noble cause.

4.13 Chartered Accountants Benevolent Fund

(a) The membership of the Fund is 2050. A sum of Rs. 37,800 was disbursed during the year to members in distress or families of the deceased members. The balance to the credit of the Fund as at 31st March, 1984, was Rs. 1,95,006 as against Rs. 1,81,133 as at 31st March, 1983.

(b) Among those to whom the financial assistance has been granted during the year are the families of

Shri Sushil Kumar Jain, who was killed in Punjab in October, 1983 and Shri Jitender Kumar Jain and Shri Raj Kumar Chaudhury who were killed in a bank robbery at Bhilwara in Rajasthan, in April, 1984.

4.14 S. Valdyanath Aiyar Memorial Fund

1. The membership of the Fund increased from 149 as at 31st March 1983 to 155 as at 31st March, 1984. An amount of Rs. 7,280 was disbursed during the year by way of scholarship to students. The balance to the credit of the Fund was Rs. 55,334 as at 31st March, 1984.

5. MEMBERS

5.1 Membership

3415 new members were enrolled during the year bringing the figure of membership as at 31-3-1984 to 32,329. During the year 995 Associates were admitted as Fellows as compared to 458 Fellows admitted in the previous year. *Appendix VIII* gives the details of the classification of the membership.

5.2 Disciplinary Action

Brief details about disciplinary matters, where action under Section 21(6) of the Chartered Accountants Act has been taken since the last report are given in *Appendix IX*.

5.3 Deceased Members

(a) The Council records with deep regret the said demise of Shri Ambalal S. Thakkar, a former member of the Council of the Institute and a senior member of the profession from Bombay, who died on 22nd May, 1984.

(b) The Council also records with deep regret the demise, during the year, of the members whose names are listed in *Appendix X*.

5.4 Madras Building

The project for extension of the building of the Institute at Madras was completed at a cost of over Rs. 10 lacs. The new wing was inaugurated by the President Shri P.N. Shah on 30th August, 1984. The ground floor hall was named "P. BRAHMAYYA MEMORIAL HALL" in memory of late Shri P. Brahmayya, a past President of the Institute. The Council places on record its grateful thanks to Brahmayya Memorial Trust for the donation of Rs. 2 lacs given for this project. A portion of the first floor was named as "NAHAR LIBRARY HALL". The Council wishes to acknowledge with thanks the donation of Rs. 1 lac given by the Nahar Family Trust for this project. The Council has accepted the offer of Shri Ashok Kumbhat a past President of the Institute for a further donation of Rs. 2 lacs and have agreed to name the second floor of the building suitably. Further donation of Rs. 1 lac has been promised by a member from Madras and a portion of the

first floor will be suitably described as a Reading Hall.

5.5 Extension of Decentralisation to Bangalore

The Council had accepted the recommendation of the Review Committee that when the number of members in a branch exceeds 1,000, a decentralised office of the Institute should be set up in that branch. The number of members in the Bangalore branch of the S.I.R.C. having crossed 1,000 mark, a decentralised office has been set up with effect from 1-1-1984 to carry out the functions relating to (i) collection of membership fees; (ii) collection of examination fees and application forms and (iii) distribution of Study Material of the Board of Studies.

5.6 Guidelines for Approval of Trade/Firm Names

(a) The guidelines regarding approval of trade/firm names were revised and published in 'The Chartered Accountant' for February, 1984. As against the earlier guidelines that the trade/firm name should be restricted to the name/s of the proprietor/partner as appearing in the Register of Members, relaxation has now been made in the above requirement that if a member is also known by any other name or surname, the same would be allowed to be used on production of an affidavit or other evidence to the satisfaction of the Secretary.

(b) In order to reduce delays in the approval of trade/firm names, a revised procedure was decided upon and published in 'The Chartered Accountant' for February, 1984. Under the revised procedure, an application giving alternative names is required to be sent simultaneously to New Delhi office of the Institute and the decentralised office. Under this procedure the office will be able to clear the trade/firm name within 3 weeks.

(c) It has been made clear, in this connection, that if any of the trade/firm names under which a member wishes to practise is not available, he is free to practise in his personal name without addition of the words "& Co." "Associates" etc.

5.7 Scope of Section 25 of the Chartered Accountants Act, 1949

Section 25 of the Chartered Accountants Act, 1949 provides that no company, whether incorporated in India or elsewhere, shall practise as chartered accountants. An announcement was published in September, 1982 issue of "The Chartered Accountant" advising the members to avoid any direct or indirect association with companies rendering Management Consultancy Services, as it may amount to contravention of Section 25. The Council has now decided that a company shall not be considered to be infringing Section 25 so

long as it does not style itself as "Chartered Accountants" for carrying out work relating to the field of practice of a chartered accountant. Accordingly, a member shall not be prohibited from being a director in a company rendering management consultancy services provided that the company does not style itself as "Chartered Accountants". However, a member holding certificate of practice will not be permitted to hold the position of the managing director or a whole-time director of such a company if he and/or his relatives hold substantial interest in the company. Clarification about the decision of the Council is published in March 1984 issue of "The Chartered Accountant." (Pages 572-573)

5.8 Compilation of List of Members and Firms as on 1st, April, 1984

(a) In order that the information published in the List of Members and Firms is upheld, the Council has decided that every member be required to furnish, every year, his latest address, qualifications and particulars of other occupation(s) so that the correct particulars are available on the records of the Institute and published in the List of Members. It has also decided to introduce a similar procedure in respect of the List of Firms. Accordingly, circular letters were sent to all members and firms, together with their particulars on record, with a request to point out whether there was any error therein, or any change in any of the particulars mentioned therein.

(b) The Council has also decided in this connection that the address of a member which is published in the List of Members is his professional address. The members were, therefore, requested to give only their professional address for publication in the List of Members. It is further decided that both in the List of Members and in the list of Firms, a suitable symbol should be placed against the names of members who may be holding the Certificate of Practice but are not in full time practice.

(c) The Council further reviewed the policy about publication of qualifications against the names of members in the List of Members and decided that starting from the List of Members as on 1st April, 1984, only the following qualifications be published against the names of the members;

- (i) 'ACA' and 'FCA' in the abbreviated form as letters 'A' and 'F' respectively.
- (ii) Qualifications indicating the completion of one or more of the post graduate courses of the Institute.
- (iii) Qualifications indicating the completion of courses of other Institutes of Accountancy, whether in India or elsewhere, recognised by the Council.

- (iv) Qualifications indicating the membership of the Institute of Cost & Works Accountants of India and the Institute of Company Secretaries of India.
- (v) Degrees of recognised universities and degree of other institutions recognised as equivalent to universities by the Government in subjects other than music, painting, dancing, photography, sculpture and the like.

6. ARTICLED AND AUDIT CLERKS

6.1 Registration

The following are the figures of Articled and Audit Clerks registered during the year ended 31st March, 1984 with the corresponding figure for the previous year :—

	1983-84	1982-83
Articled and Audit Clerks	8710	9520

6.2 Amendment to the Students Association Rules

The following changes have been made in the Students Association rules :—

- (a) After the completion of training, a student can continue to be a member of the Students Association only up to 30th September next following.
- (b) The elections to the Students Associations shall be held in the same year in which the election to the Central Council and the Regional Councils are held. Thus the next election to the Students Associations will be held in 1985, when the election to the Council and the Regional Councils are due to be held.

6.3 Change in Entry Qualification from April, 1985

The Chartered Accountants Regulations, 1964 have been amended to introduce the following major changes in entry qualifications :—

- (a) A candidate for admission to articles should not be less than 18 years of age; should be a graduate and should have passed the Entrance Examination of the Institute, unless he has been exempted from passing the said examination. A person who has passed the graduation examination with accountancy, auditing, mercantile or commercial laws as subjects securing in the aggregate a minimum of 50 % of the total marks in the examination or who is a graduate in any other subject having secured in the aggregate a minimum of 55 % of the total marks in the examination, will be exempted from passing the Entrance Examination.

- (b) The proposed syllabus for the Entrance Examination shall come into force from the examination to be held in June, 1985. The proposed syllabi for the Intermediate and Final examinations shall come into force from the examination to be held in May, 1985. (For list of subjects please see para 7.4 below).

6.4 Employment Assistance to Articled/Audit Clerks

With a view to help the students, it has been decided to provide employment assistance service to all those who have completed their period of articled/audit service and have also passed Intermediate Chartered Accountants Examination of the Institute. For this purpose, an Employment Register is being maintained by the decentralised offices at each regional centres viz., Bombay, Madras, Calcutta Kanpur and New Delhi. Students desirous of availing of the above facility and fulfilling the said requirements may contact personally or write to the concerned Assistant Secretary of the Institute for the form of particulars to be submitted to the Institute.

6.5 Stipend Payable to Articled Clerks

The position about the Council's proposal for revision of rates of stipend was explained in the last report. Since then the Stay Order issued by the Madras High Court was vacated and the directive under Section 30A has been withdrawn by the Government.

The Council have now issued a notification dated 24-7-84 amending Regulation 32B of the Chartered Accountants Regulations, 1964 revising the rates of stipend payable to articled clerks with effect from 1-8-1984. The revised rates of monthly stipend are as under :—

Situation of the normal place of service of the articled clerk	First year of training	Second year of training	Remaining period of training
(a) Cities with a population of 2 million and above	Rs. 150	Rs. 225	Rs. 300
(b) Cities/Towns other than those having population of more than two million	Rs. 100	Rs. 150	Rs. 225

Note : Additional stipend of Rs. 50/- per month is payable to an articled clerk on his passing the Intermediate Examination from the first day of the month following the date of declaration of his result.

The above notification has been published at page 118 (a) of August, 1984 issue of "The Chartered Accountant."

6.6 Board of Studies

- (a) The number of students enrolled during the year ended 31st March, 1984 and 31st March, 1983 are as under :—

Course	1983-84	1982-83
Intermediate	8660	9415
Final	3099	3781

The total number of students on the roll as at 31st March, 1984 was 37,983 as against 31,041 as at 31st March, 1983. The details of such enrolments are given in Appendix XI. The fee payable by the students for undergoing the course of postal tuition has been revised with effect from 1st July, 1983. The amount of tuition fee payable is as under :—

- Rs. 750/- if paid in lump-sum
- Rs. 800/- if paid in instalments.

This represents an increase of Rs. 100/- over the rates prevailing prior to 1-7-1983.

- (b) The first Academy of Accounting established at Madras on 1st April, 1980, has so far successfully held 15 courses. The 16th course is running.

The second Academy set up at Bombay from 1st December, 1981 has so far held seven courses and eighth course is expected to commence from October, 1984.

The third Academy of Accounting at Calcutta has been set up from 10th June, 1983 and has so far held three courses and the 4th course is expected to start from Sep., 1984.

The performance of all the Academies was reviewed by the Council and it has been decided to run the Academies effective, July 1984 on a revised model in which duration of each course will be of six weeks and there will be greater emphasis on expansion of knowledge by the use of modern teaching methods.

- (c) Revision Classes for the Intermediate and Final Course students were, as usual, conducted at the regional and other important centres.

- (d) During the year ended 31st March, 1984, the following scholarships have been granted :

(i) Merit Scholarships :

@Rs. 75/- p.m. to 10 students for a maximum of 18 months.

@Rs. 75/- p.m. to 4 students for a maximum of 12 months.

- (ii) Merit-cum-Need Scholarships @ Rs. 75/- p.m. to 6 students for a maximum period of 12 months.

(iii) Need-based Scholarships @ Rs. 50/- p.m. to 90 students for a maximum period of 30 months.

(iv) Partial Freeship viz., waiver of the second instalment of tuition fee to 66 students.

(e) Though the Board is not providing any correspondence course for the students of Entrance Examination, it has prepared study material for the benefit of students. The complete set of this material is priced at Rs. 100/-. This material has been gaining popularity among the students.

(f) The Board of Studies continued to make regular contribution to the Journal by giving digest of Income-tax and Company cases and other current readings.

7. EXAMINATIONS

7.1 Examinations

The Entrance Examination was held in June and December, 1983 at various centres in the country. The Chartered Accountants Intermediate and Final examinations under both the syllabi viz., (Old & New) were held as usual in May and November, 1983 at various centres all over India. The statistics relating to the number of candidates who appeared and who were declared successful in the said examinations are given in *Appendix XII*. Miss Nandita Shah, a lady candidate secured first position in the Final Examination held in November, 1983 for the first time in the Institute's examinations. This performance has been repeated by Miss. C.V. Sakuntala, another lady candidate in the Final examination held in May, 1984.

7.2 Option to Answer Papers in Hindi in the Entrance Examination

Commencing from June 84 in the Entrance Examination candidates desirous of answering in Hindi are permitted to exercise their option. The option is available for the following papers :

Paper 1	: Elements of Accounting.
Paper 3	: Logic & Elementary Business Mathematics.
Paper 4	: General Commercial Knowledge & Economics.

7.3 Admission to Entrance Examination

Effective from June, 1985, a candidate for admission to the Entrance Examination should not be less than 16 years of age and should either be undergoing a graduation course or should be a graduate who is not exempted from passing the Entrance Examination, as referred to above.

7.4 New Syllabi of the Examinations

The new Syllabi of Examinations will be brought into force from May 1985 in the case of the Intermediate and Final Examinations and June, 1985 in the case of the Entrance Examination. The subjects covered in the syllabi of the examinations are given in *Appendix XIII*.

7.5 Ceiling on the Number of Chances for Appearing in the Intermediate Examination

The Council has decided that a candidate for the Intermediate (New Syllabus) Examination who had failed to pass the said examination within 6 years from the date of his becoming eligible to appear in that examination, be permitted to appear in it provided that not more than 10 years have elapsed from the date of commencement of his practical training. This decision has been brought into force effective from May 1984 Intermediate Examination. This would imply that a student can now pass the Intermediate Examination within a period of 10 years from the date of commencement of his practical training without any restriction regarding the number of attempts at the said examination.

7.6 Prizes & Certificates of Merit

The names of candidates who were awarded Prizes and Certificates of Merit in the examinations held in May and November, 1983 are given in *Appendix XIV*.

7.7 Action Against Examinees

The Council debarred 12 candidates, who were found to have resorted to or attempted to resort to unfair means, from appearing in the examinations for varying periods.

8. REGIONAL COUNCILS/BRANCHES

8.1 Branches

Subsequent to the last report, a branch of the Central India Regional Council was set up at Udaipur. The branch was inaugurated by the President on 1st July, 1984. This takes the total number of branches to 48.

8.2 The following changes have been made in the Directions of the Council governing the branches of the Regional Councils :—

- A branch with a membership of 500 or less will have a Managing Committee comprising 6 members, while a branch which has more than 500 members attached to it will have the Managing Committee consisting of 8 members.
- The Managing Committee of a branch can constitute sub-committees, on which members of the Institute, who are not members of the Managing Committee, can be co-opted provided that the number of such co-opted

members does not exceed two-thirds of the members of the concerned sub-committee.

- (c) The elections to the Managing Committees shall be held in the same year in which the elections to the Central Council and the Regional Councils are held. In other words, the elections to the Managing Committees which were due in 1984 will not be held and the elections to all the Managing Committees will be held in 1985.

8.3 Chapters of the Institute outside India

A chapter of the Institute, outside India, has been established in Abu Dhabi during the year. The number of such Chapters has now risen to three

8.4 The addresses of the Regional Councils, the branches of the Regional Councils and the Chapters of the Institute outside India are given in *Appendix XV*.

9. FINANCE

The Balance Sheet as at 31st March, 1984 and the Income and Expenditure Account for the year ended on that date were approved by the Council at its meeting held in September, 1984. The Income and Expenditure Account shows a surplus for the year of Rs. 41.27 lacs as against a surplus of Rs. 14.31 lacs in the preceding year.

10. APPRECIATION

(a) The Council is grateful to all members of the Institute who functioned as co-opted members on the Institute's committees and non-members who have assisted the Council during the year in the conduct of its educational and technical activities and in its examinations.

(b) The Council wishes to place on record its appreciation of the continued assistance and support of the Government and its nominees on the Council, throughout the year.

(c) The Council would also like to acknowledge its appreciation of the sincere and devoted efforts put in throughout the year, by all the officers and staff of the Institute.

R.L. Chopra	A.C. Chakrabortti	P.N. Shah
Secretary	Vice-President	President

New Delhi :

Dated 15th September, 1984

Appendices to the Annual Report

APPENDIX I

(Ref. Para 1.1 of the Report)

MEMBERS OF THE COUNCIL

1983-84

Balakrishnan, R.	Madras
Banerjee, Bhaskar	Calcutta
Bansal, S.K.	New Delhi
Chakrabortti, A.C.	Calcutta
Chawla, Brij Lal	New Delhi
Chhajed, S.P.	Bombay
Darak, V.C.	Bombay
*Dugar, S.M.	New Delhi
Ghiya, R.C.	Jaipur
*Hoshing, V.R.	Bombay
Jain, J.C.	Bombay
*James, G.A. (from 1-4-1984)	New Delhi
Kale, Y.M.	Bombay
Khanna, M.M.	New Delhi
Kumbhat, Ashok	Madras
Nair, P.A.	Bombay
Nandagopal, S.	Madras
Narayanaswamy, G.	Madras
Patel, Manubhai G.	Ahmedabad
Poddar, N.K.	Calcutta
*Prem Kumar, M. (from 1-5-1984)	New Delhi
Roy Chowdhury, A.	Calcutta
Sampath Kumaran, P.T.	Madras
Sarda, N.P.	Bombay
Shah, P.N.	Bombay
*Singhi, M.L.	Calcutta
*Sinha, I.B. (Dr.)	Lucknow
Somani, K.G.	New Delhi
Suresh Babu, D.L.	Bangalore
*Suri, R.C. (upto 30-4-1984)	New Delhi
*Unninnayar, M.S. (upto 31-3-1984)	New Delhi
Vaiish, R.C. (Dr.)	Kanpur
*Nominated by the Central Government.	

APPENDIX II

(Ref. Para 1.1 of the Report)

A. MEMBERS OF THE VARIOUS COMMITTEES (1-4-83—16-9-83)

STANDING COMMITTEES

Executive Committee	
Shri Ashok Kumbhat, President	(Madras)
Shri P.N. Shah, Vice-President	(Bombay)
Shri B.L. Chawla	(New Delhi)
Shri I. C. Jain	(Bombay)
Shri S. Nandagopal	(Madras)
Examination Committee	
Shri Ashok Kumbhat, President	(Madras)
Shri P.N. Shah, Vice-President	(Bombay)
Shri V.C. Darak	(Bombay)
Shri R. C. Ghiya	(Jaipur)
Shri A. Roy Chowdhury	(Calcutta)
Disciplinary Committee	
Shri Ashok Kumbhat, President	(Madras)
Shri P.N. Shah, Vice-President	(Bombay)
Shri S.M. Dugar	(New Delhi)
Shri P. . Sampath Kumaran	(Madras)
Dr. R.C. Vaiish	(Kanpur)
Research Committee	
Shri P.A. Nair, Chairman	(Bombay)
Shri M.M. Khanna, Vice-Chairman	(New Delhi)
Shri Ashok Kumbhat, President, Ex-officio	(Madras)
Shri P.N. Shah, Vice-President, Ex-officio	(Bombay)
Shri Bhaskar Banerjee	(Calcutta)
Shri A.C. Chakrabortti	(Calcutta)
Shri Y.M. Kale	(Bombay)

Shri Y.H. Malegam }
 Shri Uday Khanna } Co-opted
 Shri K. Swaminathan } (Bombay)
 (Bombay)
 (Madras)

Auditing Practices Committee

Shri A.C. Chakrabortti, Convener/Chairman (Calcutta)
 Shri Bhaskar Banerjee (Calcutta)
 Shri P.A. Nair (Bombay)
 Shri P.N. Shah (Bombay)
 Shri R.C. Suri (New Delhi)
 Shri K. Ganesan }
 Shri P.R. Khanna } Co-opted
 Shri Y.H. Malegam } (Calcutta)
 Shri N. Srinivasan } (New Delhi)
 (Bombay)
 (Madras)

Post Graduate Course Committee

Shri N.P. Sarda, Chairman (Bombay)
 Shri S.K. Bansal, Vice-Chairman (New Delhi)
 Shri P.N. Shah, Vice-President, Ex-officio (Bombay)
 Shri N.K. Poddar (Calcutta)
 Shri D.L. Suresh Babu (Bangalore)
 Dr. R.C. Valsh (Kanpur)
 Dr. R. Rajagopalan } Co-opted
 Shri H.M. Damania } (New Delhi)
 (Bombay)

Professional Development Committee

Shri K.G. Somani, Chairman (New Delhi)
 Shri V.C. Darak, Vice-Chairman (Bombay)
 Shri Ashok Kumbhat, President, Ex-officio (Madras)
 Shri P.N. Shah, Vice-President, Ex-officio (Bombay)
 Shri I.C. Jain (New Delhi)
 Shri M.P. Puri (New Delhi)
 Shri R.C. Suri (New Delhi)
 Shri V.R. Hoshing (Bombay)
 Shri A.K. Chakraborty } Co-opted
 Shri S.T. Venklnathan } (Calcutta)
 (Madras)

International Affairs Committee

Shri Ashok Kumbhat, Chairman (Madras)
 Shri P.N. Shah, Vice-Chairman (Bombay)
 Shri A.C. Chakrabortti (Calcutta)
 Shri P.A. Nair (Bombay)
 Shri N.P. Sarda (Bombay)
 Shri K.G. Somani (New Delhi)
 Shri B.L. Kabra } Co-opted
 Shri Bansi S. Mehta } (Bombay)
 Shri Y.H. Malegam } (Bombay)

Taxation Committee

Shri Manubhai G. Patel, Chairman (Ahmedabad)
 Shri N.K. Poddar, Vice-Chairman (Calcutta)
 Shri Ashok Kumbhat, President, Ex-officio (Madras)
 Shri S.K. Bansal (New Delhi)
 Shri P.T. Sampath Kumaran (Madras)
 Shri M.S. Unninayar (New Delhi)
 Shri A.H. Dalal } Co-opted
 Shri V. Jagadisan } (Bombay)
 (Madras)

Board of Studies

Shri G. Narayanaswamy, Chairman (Madras)
 Shri A. Roy Chowdhury, Vice-Chairman (Calcutta)
 Shri P.N. Shah, Vice-President, Ex-officio (Bombay)
 Shri P.A. Nair (Bombay)
 Dr. I.B. Sinha (Lucknow)
 Shri R. Balakrishnan (Madras)
 Shri N.K. Jain } Co-opted
 Shri G. Subramanian } (Delhi)
 (Madras)

Expert Advisory Committee

Shri Y.M. Kale, Chairman (Bombay)
 Shri I.C. Jain, Vice-Chairman (Bombay)
 Shri P.N. Shah, Vice-President, Ex-officio (Bombay)
 Shri S.P. Chhajed (Bombay)
 Shri G. Narayanaswamy (Madras)
 Shri N.P. Sarda (Bombay)
 Shri P.J. Panikar } Co-opted
 Shri M.B. Kapadia } (Bombay)
 (Bombay)

Accounting Standards Board

Shri A.C. Chakrabortti, Chairman (Calcutta)
 Shri N.P. Sarda, Vice-Chairman (Bombay)
 Shri Ashok Kumbhat, President, Ex-officio (Madras)
 Shri P.N. Shah, Vice-President, Ex-officio (Bombay)
 Shri Bhaskar Banerjee (Calcutta)
 Shri B.L. Chawla (New Delhi)
 Shri S.M. Dugar (New Delhi)
 Shri P.A. Nair (Bombay)
 Shri M.P. Puri (New Delhi)
 Shri R.C. Suri (New Delhi)
 Shri M.S. Unninayar (New Delhi)
 Shri P.M. Narlevala } Co-opted
 Shri R. Seshasayee } (Calcutta)
 Shri K.P. Sengupta } (Madras)
 Shri S.P. Dalal } (New Delhi)
 Shri R.S. Lodha } (Bombay)
 (Calcutta)

Company Law Committee

Shri Bhaskar Banerjee, Chairman (Calcutta)
 Shri M.G. Patel, Vice-Chairman (Ahmedabad)
 Shri Ashok Kumbhat, President, Ex-officio (Madras)
 Shri S.M. Dugar (New Delhi)
 Shri M.M. Khanna (New Delhi)
 Shri S. Nandagopal (Madras)
 Shri N.H. Kishnadwala } Co-opted
 Shri P.K. Mukherjee } (Bombay)
 (Calcutta)

University Liaison Committee

Dr. I.B. Sinha, Chairman (Lucknow)
 Shri S.P. Chhajed, Vice-Chairman (Bombay)
 Shri P.N. Shah, Vice-President, Ex-officio (Bombay)
 Shri R. Balakrishnan (Madras)
 Shri R.C. Ghilya (Jaipur)
 Shri D.L. Suresh Babu (Bangalore)
 Shri V.G. Dadhe } Co-opted
 Shri C.L. Jhanwar } (Pune)
 (Jaipur)

General Purposes Committee

Shri Ashok Kumbhat, Chairman (Madras)
 Shri P.N. Shah, Vice-Chairman (Bombay)
 Shri B.L. Chawla (New Delhi)
 Shri I.C. Jain (Bombay)
 Shri S. Nandagopal (Madras)

Ethical Standards Committee

Shri Ashok Kumbhat, Chairman (Madras)
 Shri P.N. Shah, Vice-Chairman (Bombay)
 Shri S.M. Dugar (New Delhi)
 Shri G. Narayanaswamy (Madras)
 Shri Manubhai G. Patel (Ahmedabad)

Committee on Public Relations

Shri Ashok Kumbhat, Chairman (Madras)
 Shri P.N. Shah, Vice-Chairman (Bombay)
 Shri A.C. Chakrabortti (Calcutta)

Shri M.M. Khanna (New Delhi)
 Shri P.T. Sampath Kumaran (Madras)
 Shri V.R. Hoshing (Bombay)

Committee for Unjustified Removal of Auditors

Shri Ashok Kumbhat, Chairman (Madras)
 Shri P.N. Shah, Vice-Chairman (Bombay)
 Shri S.M. Dugar (New Delhi)

Editorial Board

Shri Ashok Kumbhat, Editor-in-Chief (Madras)
 Shri P.N. Shah (Bombay)
 Shri R. Balakrishnan (Madras)
 Shri S. Nandagopal (Madras)
 Shri G. Narayanaswamy (Madras)
 Shri P.T. Sampath Kumaran (Madras)
 Shri D.L. Suresh Babu (Bangalore)

I.C.A.I.—I.C.W.A.I. Co-ordination Committee

Shri Ashok Kumbhat, Leader (Madras)
 Shri P.N. Shah, Deputy Leader (Bombay)
 Shri B.L. Chawla (New Delhi)
 Shri I.C. Jain (Bombay)
 Shri A. Roy Chowdhury (Calcutta)

I.C.A.I.—I.C.S.I. Co-ordination Committee

Shri Ashok Kumbhat, Leader (Madras)
 Shri P.N. Shah, Deputy Leader (Bombay)
 Shri S.P. Chhajed (Bombay)
 Shri K.G. Somani (New Delhi)
 Dr. R.C. Vaish (Kanpur)

Conference Committee (10th CAPA)

Shri Ashok Kumbhat, Co-Chairman (Madras)
 Shri A.C. Chakrabortti (Calcutta)
 Shri P.A. Nair (Bombay)
 Shri G. Narayanaswamy (Madras)
 Shri K.G. Somani (New Delhi)
 Shri P.N. Shah (Bombay)
 Dr. R.C. Vaish (Kanpur)
 Shri P.M. Narielvala (Calcutta)
 Shri S.M. Dugar (New Delhi)

Hindi Committee

Shri Ashok Kumbhat, Chairman (Madras)
 Shri P.N. Shah (Bombay)
 Shri R.C. Ghiya (Jaipur)
 Shri M.M. Khanna (New Delhi)
 Shri G. Narayanaswamy (Madras)
 Shri N.K. Poddar (Calcutta)

B. MEMBERS OF THE VARIOUS COMMITTEES

from 17-9-1983 onwards

STANDING COMMITTEES

Executive Committee

Shri P.N. Shah, President (Bombay)
 Shri A.C. Chakrabortti, Vice-President (Calcutta)
 Shri Ashok Kumbhat (Madras)
 Shri Manubhai G. Patel (Ahmedabad)
 Shri S.K. Bansal (New Delhi)
 Shri R.L. Chopra (Secretary to the Committee)

Examination Committee

Shri P.N. Shah, President (Bombay)
 Shri A.C. Chakrabortti, Vice-President (Calcutta)

Shri S.P. Chhajed (Bombay)
 Dr. I.B. Sinha (Lucknow)
 Shri D.L. Suresh Babu (Bangalore)
 Shri K. Kalyanaraman (Secretary to the Committee)

Disciplinary Committee

Shri P.N. Shah, President (Bombay)
 Shri A.C. Chakrabortti, Vice-President (Calcutta)
 Shri S.M. Dugar (New Delhi)
 Shri G. Narayanaswamy (Madras)
 Shri K.G. Somani (New Delhi)
 Shri G.D. Khurana (Secretary to the Committee)

NON-STANDING COMMITTEES

Research Committee

Shri P.A. Nair, Chairman (Bombay)
 Shri M.M. Khanna, Vice-Chairman (New Delhi)
 Shri P.N. Shah, President, Ex-officio (Bombay)
 Shri A.C. Chakrabortti, Vice-President, Ex-officio (Calcutta)
 Shri Bhaskar Banerjee (Calcutta)
 Shri Y.M. Kale (Bombay)
 Shri M.L. Singhi (Calcutta)
 Shri Y.H. Malegam (Bombay)
 Shri Uday Khanna (Bombay)
 Shri A. Venugopal (Madras)
 Shri Avinash Chander (Secretary to the Committee)

Auditing Practices Committee

Shri Bhaskar Banerjee, Chairman (Calcutta)
 Shri P.N. Shah, President, Ex-officio (Bombay)
 Shri A.C. Chakrabortti, Vice-President, Ex-officio (Calcutta)
 Shri M.M. Khanna (New Delhi)
 Shri P.A. Nair (Bombay)
 Shri M. Prem Kumar (New Delhi)
 Shri Y.H. Malegam (Bombay)
 Shri P.R. Khanna (New Delhi)
 Shri K. Ganesan (Calcutta)
 Shri N.J. Ratnakar (Madras)
 Shri Kamal Gupta (Secretary to the Committee)

Accounting Standards Board

Shri A.C. Chakrabortti, Chairman (Calcutta)
 Shri N.P. Sarda, Vice-Chairman (Bombay)
 Shri P.N. Shah, President, Ex-officio (Bombay)
 Shri Bhaskar Banerjee (Calcutta)
 Shri B.L. Chawla (New Delhi)
 Shri S.M. Dugar (New Delhi)
 Shri P.A. Nair (Bombay)
 Shri S. Nandagopal (Madras)
 Shri M.L. Singhi (Calcutta)
 Shri M. Prem Kumar (New Delhi)
 Shri G.A. James (New Delhi)
 Shri P.M. Narielvala (Calcutta)
 Shri R. Seshasayee (Madras)
 Shri S.P. Dalal (Bombay)
 Shri A.L. Kapur (New Delhi)
 Shri S.R. Bai (Calcutta)
 (nomination by ICWAI not received)
 Shri Kamal Gupta (Secretary to the Committee)

Continuing Professional Education Committee

Dr. R.C. Vaish, Chairman (Kanpur)
 Shri Y.M. Kale, Vice-Chairman (Bombay)
 Shri P.N. Shah, President, Ex-officio (Bombay)
 Shri A.C. Chakrabortti, Vice-President, Ex-officio (Calcutta)
 Shri M.M. Khanna (New Delhi)

Shri A. Roy Chowdhury (Calcutta)
 Shri N.P. Sarda (Bombay)
 Shri V. Jagadisan } Co-opted (Madras)
 Shri H.M. Damania } (Bombay)
 Dr. N.L. Dhameja (Secretary to the Committee)

Professional Development Committee

Shri I.C. Jain, Chairman (Bombay)
 Shri P.T. Sampath Kumaran, Vice-Chairman (Madras)
 Shri P.N. Shah, President, Ex-officio (Bombay)
 Shri Ashok Kumbhat (Madras)
 Shri V.R. Hoshing (Bombay)
 Shri K.G. Somani (New Delhi)
 Shri M. Prem Kumar (New Delhi)
 Shri A.K. Chakraborty } Co-opted (Calcutta)
 Shri P.K. Mallik } (New Delhi)
 Dr. N.L. Dhameja (Secretary to the Committee)

Board of Studies

Shri N.P. Sarda, Chairman (Bombay)
 Shri D.L. Suresh Babu, Vice-Chairman (Bangalore)
 Shri P.N. Shah, President, Ex-officio (Bombay)
 Shri S.K. Bansal (New Delhi)
 Shri A. Roy Chowdhury (Calcutta)
 Shri G. Narayanaswamy (Madras)
 Shri N.H. Kishnadwala } Co-opted (Bombay)
 Shri T.S. Vishwanath } (Delhi)
 Shri A.K. Majumdar (Secretary to the Board)

Taxation Committee

Shri N.K. Poddar, Chairman (Calcutta)
 Shri B.L. Chawla, Vice-Chairman (New Delhi)
 Shri P.N. Shah, President, Ex-officio (Bombay)
 Shri R. Balakrishnan (Madras)
 Shri M.G. Patel (Ahmedabad)
 Shri G.A. James (New Delhi)
 Shri A.H. Dalai } Co-opted (Bombay)
 Shri S.D. Nargolwala } (New Delhi)
 Shri C.R.T. Verma (Secretary to the Committee)

Company Law Committee

Shri S. Nandagopal, Chairman (Madras)
 Shri V.C. Darak, Vice-Chairman (Bombay)
 Shri A.C. Chakraborti, Vice-President, Ex-officio (Calcutta)
 Shri Bhaskar Banerjee (Calcutta)
 Shri S.M. Dugar (New Delhi)
 Shri R.C. Ghiya (Jaipur)
 Shri S.C. Bafna } Co-opted (Bombay)
 Shri V. Rajaraman } (New Delhi)
 Shri S.K. Chakraverty, (Secretary to the Committee)

International Affairs Committee

Shri P.N. Shah, Chairman (Bombay)
 Shri A.C. Chakraborti, Vice-Chairman (Calcutta)
 Shri I.C. Jain (Bombay)
 Shri P.A. Nair (Bombay)
 Dr. R.C. Vaish (Kanpur)
 Shri B.L. Kabra } Co-opted (Bombay)
 Shri Bansi S. Mehta } (Bombay)
 Shri Y.H. Malegam } (Bombay)
 Shri Kamal Gupta (Secretary to the Committee)

Expert Advisory Committee

Shri A. Roy Chowdhury, Chairman (Calcutta)
 Shri N.K. Poddar, Vice-Chairman (Calcutta)
 Shri P.N. Shah, President, Ex-officio (Bombay)
 Shri A.C. Chakraborti, Vice-President, Ex-officio (Calcutta)

Shri Bhaskar Banerjee (Calcutta)
 Shri Y.M. Kale (Bombay)
 Shri Smir Ghosh } Co-opted (Calcutta)
 Shri S.K. Das Gupta } (Calcutta)
 Shri Avinash Chander (Secretary to the Committee)

University Liaison Committee

Shri V.C. Darak, Chairman (Bombay)
 Shri R. Balakrishnan, Vice-Chairman (Madras)
 Shri A.C. Chakraborti, Vice-President, Ex-officio (Calcutta)
 Shri V. R. Hoshing (Bombay)
 Shri N.K. Poddar (Calcutta)
 Dr. I.B. Sinha (Lucknow)
 Shri R.K. Roychowdhury } Co-opted (Calcutta)
 Shri H.C. Dhagat } (Bombay)
 Dr. D.C. Sanchetti (Secretary to the Committee)

General Purposes Committee

Shri P.N. Shah, Chairman (Bombay)
 Shri A.C. Chakraborti, Vice-Chairman (Calcutta)
 Shri Ashok Kumbhat (Madras)
 Shri S.K. Bansal (New Delhi)
 Shri M.G. Patel (Ahmedabad)
 Shri R.L. Chopra (Secretary to the Committee)

Ethical Standards Committee

Shri P.N. Shah, Chairman (Bombay)
 Shri A.C. Chakraborti, Vice-Chairman (Calcutta)
 Shri S.M. Dugar (New Delhi)
 Shri P.T. Sampath Kumaran (Madras)
 Dr. R.C. Vaish (Kanpur)
 Shri G. Banerjee (Secretary to the Committee)

Committee on Public Relations

Shri P.N. Shah, Chairman (Bombay)
 Shri A.C. Chakraborti, Vice-Chairman (Calcutta)
 Shri Ashok Kumbhat (Madras)
 Shri R.C. Ghiya (Jaipur)
 Shri V.R. Hoshing (Bombay)
 Shri K.G. Somani (New Delhi)
 Shri N. Manthiramuthy } Co-opted (Madras)
 Shri V.R. Tater } (Bombay)
 Shri J.L. Gupta } (New Delhi)
 Shri R.L. Chopra (Secretary to the Committee)

Committee on Unjustified Removal of Auditors

Shri P.N. Shah, Chairman (Bombay)
 Shri A.C. Chakraborti, Vice-Chairman (Calcutta)
 Shri S.M. Dugar (New Delhi)
 Shri G.D. Khurana (Secretary to the Committee)

Editorial Board

Shri P.N. Shah, Editor-in-Chief (Bombay)
 Shri A.C. Chakraborti, Joint Editor (Calcutta)
 Shri Ashok Kumbhat (Madras)
 Shri R.C. Ghiya (Jaipur)
 Shri I.C. Jain (Bombay)
 Shri N.K. Poddar (Calcutta)
 Shri K.G. Somani (New Delhi)
 Shri Naryan K. Varma } Co-opted (Bombay)
 Shri R.C. Kapoor } (New Delhi)
 Shri R.L. Chopra (Secretary to the Committee)

I.C.A.I.—I.C.W.A.I Co-ordination Committee

Shri P.N. Shah, Leader (Bombay)
 Shri A.C. Chakraborti, Deputy Leader (Calcutta)
 Shri Ashok Kumbhat (Madras)
 Shri B.L. Chawla (New Delhi)

Shri S.P. Chhajed (Bombay)
 Shri A. Roy Chowdhury (Calcutta)
 Shri R.L. Chopra (Secretary to the Committee)

I.C.A.I.—I.C.S.I. Co-ordination Committee

Shri P.N. Shah, Leader (Bombay)
 Shri A.C. Chakrabortti, Deputy Leader (Calcutta)
 Shri S.P. Chhajed (Bombay)
 Shri K.G. Semani (New Delhi)
 Dr. R.C. Vaish (Kanpur)
 Shri R.L. Chopra (Secretary to the Committee)

Ad-hoc Committee

Shri P.N. Shah, Chairman (Bombay)
 Shri A.C. Chakrabortti, Vice-Chairman (Calcutta)
 Shri Ashok Kumbhat (Madras)
 Shri S.K. Basal (New Delhi)
 Shri S. Nandagopal (Madras)
 Dr. R.C. Vaish (Kanpur)
 Shri Bansi S. Mehta Co-opted (Bombay)
 Shri R.L. Chopra (Secretary to the Committee)

Regional Languages Committee

Shri P.N. Shah, Chairman (Bombay)
 Shri A.C. Chakrabortti, Vice-Chairman (Calcutta)
 Shri G. Narayanaswamy (Madras)
 Shri D.L. Suresh Babu (Bangalore)
 Shri M.G. Patel (Ahmedabad)
 Dr. I.B. Sinha (Lucknow)
 Shri M.M. Khanna (New Delhi)
 Shri R.L. Chopra (Secretary to the Committee)

APPENDIX III

(Ref. Para 2.4 of the Report)

10TH CONFERENCE OF CONFEDERATION OF ASIAN AND PACIFIC ACCOUNTANTS (CAPA)

I. Conference Committee

A Conference Committee consisting of representatives of ICAI and ICWAI was appointed for conducting the Conference. The Conference Committee in turn, was assisted by the following committees in its task :—

1. Budget and Finance Committee
2. Technical Committee
3. Delegates Committee
4. Publicity & Publications Committee
5. Entertainment & Social Committee
6. Ladies sub-committee.

II. Technical Sessions

Sessions & Papers	Names of Paper Writers	Names of Commentators	Names of Chairmen
-------------------	------------------------	-----------------------	-------------------

Measurement

- | | | | |
|---------------------------------|--------------------------------|--|------------------------|
| 1. Measurement of Productivity | Mr. Shigeo Aoki (Japan) | 1. Mr. Denis Evans (Hongkong)
2. Assoc. Prof. Han Kang Hong (Singapore) | Mr. B.L. Kabra (India) |
| 2. Social Cost Benefit Analysis | Mr. Luis C. Diaz (Philippines) | 1. Mr. P.M. McCaw (New Zealand)
2. Mr. Z.U. Ahmed (Bangladesh) | |

Management

- | | | | |
|---|---------------------------------|---|--------------------------------|
| 1. Pricing Decisions | Mr. M.R. Shroff (India) | 1. Mr. John Ross (Canada)
2. Mr. Julioto Soriano (Philippines) | Mr. O. John Miller (Australia) |
| 2. Management under Conditions of Uncertainty | Mr. Robert J. Donachie (U.S.A.) | 1. Mr. L.R. Watawala (Sri Lanka)
Dr. K.A. Saeed (Pakistan) | |

Environment

- | | | | |
|--|------------------------------|---|------------------------------------|
| 1. Fiscal Policy for Economic Growth | Mr. M.M. Abdullah (Pakistan) | 1. Mr. B.S. Mehta (India)
2. Dr. P. Ninsuvankul (Thailand) | Miss Rosarie Manahan (Philippines) |
| 2. Towards a More Realistic Code of Ethics | Mr. L. (Australia) | 1. Mr. G.C.B. Wijeyesinghe (Sri Lanka)
2. Mr. W.G. Cox (New Zealand) | |

III. Special Events

(a) **City Tours**—City tours were organised for the delegate and accompanying persons on 20th & 21st November, 1983.

(b) **Cultural Programme**—The cultural programmes organised for the delegates and the accompanying persons were—

- (i) Sound & Light Show at Red Fort on 21-11-1983
- (ii) Dances of India on 22-11-1983
- (iii) Ballet by Ananda Shankar & Troupe on 23-11-1983
- (iv) Hospitality for overseas delegates in Indian homes
- (v) Special programmes for the ladies accompanying the delegates.

APPENDIX IV

(Ref. Para 3.8 of the Report)

DETAILS OF THE SEMINARS/COURSES ORGANISED BY THE C.P.E. COMMITTEE

- | S.No. | Programme | Place | Date |
|-------|--|--------------------------|----------------------------------|
| 1. | Seminar on 'Recent Developments in Accounting and Accounting Standards.' | Ahmedabad | 9th October, 1983 |
| 2. | In house Programme on 'Finance for Non Finance Executives' for S.T.C. | New Delhi | 9th, 10th & 11th December, 1983 |
| 3. | Programme on 'Financial Management and Management Accounting'. | New Delhi | 28th Nov. 1983 to 17th Dec. 1983 |
| 4. | Seminar on 'Management Audit & Accounting Standards.' | Indore | 4th December, 1983 |
| 5. | Seminar on 'Financial Management & Taxation'. | Coimbatore | 11th December, 1983 |
| 6. | Residential Course on 'Corporate Financial Management' in collaboration with All India Management Association. | Fisherman's Cove, Madras | 6th to 11th Feb. 1984 |

7. Seminar on 'Project Evaluation and Financing with special reference to Small & Medium size units.'	Gwalior	12th Feb., 1984
8. Seminar on 'New Dimensions of Management Accounting'.	New Delhi	18th & 19th March, 1984.
9. Joint Professional Programme on 'Management Decisions—Using Options' in collaboration with the Institute of Cost and Works Accountants of India.	Bombay	19th & 20th May, 1984
10. Seminar on 'Accounting Standards and Taxation.'	Salem	10th June, 1984
11. Seminar on 'Accounting Systems in Public Utilities and in Non-Profit making Institutions.'	Bombay	7th to 8th July, 1984
12. Seminar on 'New Dimensions of Auditing'.	Jaipur	2nd September, 1984

APPENDIX V

(Ref. Para 3.8 of the Report)

RESULTS OF MANAGEMENT ACCOUNTANCY COURSE
(PART I) EXAMINATION

May 1983* Nov. 1983 May 1984

Both Groups

Candidates appeared	14	16	15
Candidates passed	5	1	2
Percentage	35.71	6.25	13.33

Group I

Candidates appeared	21	15	17
Candidates passed	13	1	5
Percentage	61.90	6.67	29.41

Group II

Candidates appeared	12	17	6
Candidates passed	5	9	6
Percentage	41.67	52.94	100

APPENDIX VI

(Ref. Para 3.8 of the Report)*

RESULTS OF CORPORATE MANAGEMENT COURSE
(PART I/II) EXAMINATION

May 1983 Nov. 1983 May 1984

Part I

Candidates appeared	5	1	2
Candidates passed	1	1	—
Percentage	20	100	—

Part II			
Candidates appeared	2	—	—
Candidates passed	1	—	—
Percentage	50	—	—

APPENDIX VII

(Ref. Para 4.8 of the Report)

NOMINEES ON OUTSIDE BODIES

The following members represented the Institute on various bodies :—

- General Council of the Institute of Applied Manpower Research: Shri P.N. Shah
- Informal Advisory Committee on the Department of Company Affairs on matters relating to Cost Accounting Record Rules: Shri P.N. Shah
- Committee on Corporate Reporting with ASSOCHAM: Shri V. Rajaraman, Shri Bansi S. Mehta, Shri Y.H. Malegam, Shri P.M. Narielvala, Shri P.N. Shah, Shri K.P. Bhargava
- National Productivity Council: Shri P.N. Shah
- Farm Accounts Sectional Committee AFDC 49 of the Indian Standards Institution: Shri M.M. Khanna
- Business Advisory Committee—Controller of Capital Issues: Shri P.N. Shah
- Central Advisory Committee on Direct Taxes: Shri P.N. Shah
- All India Board of Management Studies: Shri R.K. Seth
- Council of the International Federation of Accountants (IFAC): Shri B.L. Kabra
- International Auditing Practices Committee of IFAC: Shri Y.H. Malegam
- Education and Training sub-committee of CAPA: Shri Bansi S. Mehta
- Education Committee of IFAC: Shri Bansi S. Mehta (Chairman)
- South Asian Federation of Accountants: Shri A.C. Chakraborti

APPENDIX VIII
(Ref. Para 5.1 of the Report)
(STATISTICS—MEMBERS AS ON 1-4-1984)

FELLOWS :	In Full time Practice	8,582	10,874
	In Part time Practice	1,296	
	Not in Practice	0,996	
ASSOCIATES :	In Full time Practice	8,101	21,455
	In Part time Practice	3,693	
	Not in Practice	9,661	
Grand Total							32,329

Region	FELLOWS				ASSOCIATES				Grand Total of 5 & 9
	In Practice		Not in Practice	Total of Col. 2, 3 & 4	In Practice		Not in Practice	Total of Col. 6, 7 & 8	
	In Full time Practice	In Part time Practice			In Full time Practice	In Part time Practice			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
I	2,863	0,555	0,375	3,793	2,804	1,699	2,884	7,387	11,180
II	2,121	0,240	0,201	2,562	1,781	0,656	3,110	5,547	8,109
III	1,367	0,183	0,160	1,710	0,904	0,444	1,726	3,074	4,784
IV	0,835	0,135	0,072	1,042	0,809	0,275	0,659	1,743	2,785
V	1,396	0,183	0,188	1,767	1,803	0,619	1,282	3,704	5,471
	8,582	1,296	0,996	10,874	8,101	3,693	9,661	21,455	32,329

APPENDIX IX

(Ref. Para 5.2 of the Report)

DISCIPLINARY ACTION AGAINST MEMBERS**Failure to disclose interest in the Audit Report and acting in gross negligence**

A member was found guilty of professional misconduct within the meaning of Section 21 of the Chartered Accountants Act, 1949 read with Clauses (4) & (7) of Part I of the Second Schedule to the Chartered Accountants Act, 1949 for expressing his opinion on the financial statements of a Hospital, when he had a substantial interest in the said Hospital without disclosing such interest in his report and was grossly negligent in the conduct of his professional duties. The Council recommended to the High Court that the name of the member be removed from the membership of the Institute for a period of one month. The High Court partly accepted the finding of the Council and the recommendations made by it in finding him grossly negligent in the conduct of his professional duties under clause (7) of Part I of the Second Schedule to the Act, administered a reprimand to the member.

(For full details, please see pages 121-126 of August, 1984 issue of "The Chartered Accountant".)

APPENDIX X

(Ref. Para 5.3 of the Report)

NAMES OF MEMBERS WHO EXPIRED DURING THE YEAR 1983-84

S. No.	Membership No.	Name			
			27.	2183	Shri Ramanatha Subramoney
			28.	2200	Shri Subhas Kumar Mitra
1.	12	Shri Sachindra Nath Banerjee	29.	2247	Shri Anantha Krishna Ramaswamy
2.	165	Shri Tiruvadi Swaminatha Rajagopalan	30.	2283	Shri Homi Pirojshaw Baria

31.	2483	Shri Vasant Bhogilal Butala	45.	6934	Shri Krishen Swatup Saxena
32.	2509	Shri Harendra Nath Ghosh	46.	7619	Shri Vishwanatha Rao Manjeshwar
33.	2744	Shri Jyotilal Sengupta	47.	7931	Shri K. Balasubramanian
34.	2768	Shri N. Venkataraman	48.	8635	Shri Gundappa Lakshmi Pathiah
35.	3087	Shri Fulchand Gokuldas Munot	49.	8804	Shri Sudhakar Shankar Rao Vaidya
36.	3486	Shri Lawrence Charles Rodrigues	50.	8805	Shri Ramesh Beharilal Jeswani
37.	3635	Shri S. Srinivasan	51.	10189	Shri Mohan Lal Manpuria
38.	4350	Shri Sevantilal Chunilal Shah	52.	15168	Miss Uma Ratanshi Shah
39.	4391	Shri Minoo Jehangir Vakil	53.	15824	Shri Ashutosh Mukhopadhyay
40.	4591	Shri Ganapathy Subramaniam	54.	20043	Shri S. Subramanian
41.	4857	Shri Dharmesh R. Thakker	55.	20608	Shri T.R. Gurappa
42.	5289	Shri C.R. Mohan Ram	56.	30822	Shri Jagdish Satyanarayan Kabra
43.	5625	Shri Subodh Kumar Das	57.	32050	Shri Anant Gundarao Kulkarni
44.	6065	Shri Lalit Kumar Ratna	58.	81256	Shri Manchenahalli Narayana Rao
			59.	82014	Shri Anil Kumar Khanna

APPENDIX XI

(Ref. Para 6.6 of the Report)

NUMBER OF STUDENTS ENROLLED DURING 1983-84

	Intermediate	Final		
		I	II	III
No. of candidates who were enrolled on 1st April 1983	17,899	14,002	13,986	11,437
Enrolled during the year 1983-84	8,660	3,099	3,099	3,099
	26,599	17,101	17,085	14,536
No. of students who completed tuition in the year 1983-84 (May & Nov. 1983 Examination)	(—)3,089	1,727	1,727	1,727
BALANCE	23,470	15,374	15,358	12,809

APPENDIX XII

(Ref. Para 7.1 of Report)

SUMMARY OF RESULTS

EXAMINATIONS HELD IN MAY/JUNE, 1983

(I) Entrance Examination—June, 1983

Total number of candidates	3427
Total number of candidates declared successful	461
Percentage	13.45

(II) Intermediate (New Syllabus) Examination—May, 1983

Total number of candidates appeared in Group I	11570
No. of candidates declared successful in Group I	2169
Percentage	18.75
Total No. of candidates appeared in Group II	12570
No. of candidates declared successful in Group II	1511
Percentage	12.02
Total No. of candidates appeared in Both Groups	5602
No. of candidates declared successful in Both Groups	369
Percentage	6.59

(III) Final (Old Syllabus) Examination—May, 1983

Total No. of candidates appeared in Group I	1999
No. of candidates declared successful in Group I	144
Percentage	7.20
Total No. of candidates appeared in Group II	1620
No. of candidates declared successful in Group II	110
Percentage	6.77
Total No. of candidates appeared in Both Groups	630
No. of candidates declared successful in Both Groups	4
Percentage	00.63

(IV) Final (New Syllabus) Examination—May, 1983

Total No. of candidates appeared in Group I	4036
No. of candidates declared successful in Group I	1857
Percentage	46.01
Total No. of candidates appeared in Group II	5110
No. of candidates declared successful in Group II	2457
Percentage	48.08
Total No. of candidates appeared in Group III	4453
No. of candidates declared successful in Group III	1181
Percentage	26.52
Total No. of candidates appeared in All Groups	1054
No. of candidates declared successful in All Groups	149
Percentage	14.14

EXAMINATION HELD IN NOVEMBER/DECEMBER, 1983

(I) Entrance Examination—December, 1983

Total No. of candidates	7232
Total No. of candidates declared successful	1007
Percentage	13.91

(II) Intermediate (New Syllabus) Examination—Nov. 1983

Total No. of candidates appeared in Group I	13281
No. of candidates declared successful in Group I	3844
Percentage	28.94
Total No. of candidates appeared in Group II	14361
No. of candidates declared successful in Group II	1505
Percentage	10.48
Total No. of candidates appeared in Both Groups	6682
No. of candidates declared successful in Both Groups	680
Percentage	10.18

(III) Final (Old Syllabus) Examination—November, 1983

Total No. of candidates appeared in Group I	1548
No. of candidates declared successful in Group I	25
Percentage	1.61
Total No. of candidates appeared in Group II	1290
No. of candidates declared successful in Group II	165
Percentage	12.79
Total No. of candidates appeared in Both Groups	424
No. of candidates declared successful in Both Groups	1
Percentage	00.24

(IV) Final (New Syllabus) Examination—November, 1983

Total No. of candidates appeared in Group I	4265
No. of candidates declared successful in Group I	1719
Percentage	40.30
Total No. of candidates appeared in Group II	4703
No. of candidates declared successful in Group II	1342
Percentage	28.53
Total No. of candidates appeared in Group III	5267
No. of candidates declared successful in Group III	1276
Percentage	24.23
Total No. of candidates appeared in All Groups	1366
No. of candidates declared successful in All Groups	177
Percentage	12.96

APPENDIX XIII

(Ref. Para 7.4 of the Report)

LIST OF SUBJECTS COVERED IN THE**SYLLABI OF EXAMINATIONS****ENTRANCE EXAMINATION**

Paper 1	: Elements of Accounting
Paper 2	: English
Paper 3	: Elementary Business Mathematics
Paper 4	: General Commercial Knowledge and Economics

INTERMEDIATE EXAMINATION**Group I**

Paper 1	: Accounting
Paper 2	: Accounting & Elements of Income-tax Law
Paper 3	: Cost Accounting
Paper 4	: Auditing

Group II

Paper 5	: Mercantile Law, Company Law & Industrial Law
Paper 6	: Business Mathematics and Statistics
Paper 7	: Organisation & Management and Economics

FINAL EXAMINATION**Group I**

Paper 1	: Advanced Accounting
Paper 2	: Management Accounting
Paper 3	: Auditing
Paper 4	: Company Law

Group II

Paper 5	: Direct Tax Laws and Papers 6, 7 and 8 of any one of the following combinations :—
---------	---

Combination 'A'

Paper 6	: Corporate Management
Paper 7	: Managerial Economics & National Accounting
Paper 8	: Secretarial Practice

Combination 'B'

Paper 6	: Operations Research & Statistical Analysis
Paper 7	: Systems Analysis & Data Processing
Paper 8	: Cost Systems & Cost Control

Combination 'C'

Paper 6	: Management Information & Control Systems
Paper 7	: Tax Planning & Tax Management
Paper 8	: Management & Operational Audit.

APPENDIX XIV

(Ref. Para 7.6 of the Report)

PRIZES AND CERTIFICATES OF MERIT**FINAL EXAMINATION****Best Student of the Year, 1983 :**

Miss Nandita P. Shah awarded the following Prizes :

- (i) G.P. Kapadia (1st President) Prize.
- (ii) Ramachandra Singhi for best candidate.
- (iii) The Kerala Verma Prize for the best candidate in Group I
- (iv) The P.N. Ghosh Memorial Prize for the best candidate in Group II.
- (v) The R. Sivabhogam Prize for the best Lady candidate.
- (vi) G. Basu Foundation Award for the best student for the year, 1983.
- (vii) The N.M. Shah Prize and Suri Memorial Prize for the best paper on Direct Tax Laws.
- (viii) Certificate of Merit—I Rank.

INTERMEDIATE EXAMINATION**Best Student of the Year, 1983 :**

Arun Gupta awarded the following Prizes :

- (i) G.P. Kapadia (1st President) Prize.
- (ii) Suri Memorial Fund Award to the best student of the Year, 1983.
- (iii) Certificate of Merit—I Rank.

FINAL EXAMINATION

	May, 1983	Nov. 1983
1. G.P. Kapadia (1st President) Prize	Arun Kumar Jagatramka	Miss Nandita P. Shah
2. Ramachandra Singhi Prize for best candidate.	Arun Kumar Jagatramka	Miss Nandita P. Shah
3. Sir Shapoorji Billimoria Prize for the best paper on Accountancy.	Sunil Vinodrai Doshi	Ramesh Mehta
4. J.K. Doshi Prize for the highest marks in the paper of Financial Management.	N. Ramani	M. Prasanna Venkatesh
5. A.F. Ferguson Prize and the R. Venkatesan Memorial Prize for the best paper on Auditing.	Arun Kumar Jagatramka	Hargurmit Singh
6. The Kerala Verma Prize for the best candidate in Group I.	Sunil Vinodrai Doshi	Miss Nandita P. Shah
7. The U.C. Majumdar Prize and the S.M. Shah Prize for the best paper on Company Law.	Sanjiv Sushil Mehta	Ramesh Mehta
8. The N.M. Shah Prize and Suri Memorial Prize for the best paper on Direct Tax Laws.	B. Ramesh Chand Nahar	Miss Nandita P. Shah

9. The Venkatachalam Mohan Ashok
Prize for the best paper on Rani Hariharan
Economics.

ADDRESSES OF THE BRANCHES OF REGIONAL COUNCILS

WESTERN REGION

10. The P.N. Ghosh Memorial Miss D. Usha Miss Nandita
Prize for the best candidate in Rani P. Shah
Group II.
11. The Jayantilal K. Thakkar Uday Dinesh Kumar
Memorial Prize for the candi- Purushottam Bhageria
date who secures the second Das Shah
highest marks in the Final
Examination.
12. The R.V.K. Umarjee Prize Ashok Sanjiv Kumar
for the best paper on Cost Kumar Shah
Accounting. Garg
13. The R. Sivabhogam Prize for Miss D. Usha Miss Nandita
the best lady candidate. Rani P. Shah
14. G. Basu Foundation Award — Miss Nandita
for the best student for the P. Shah
year, 1983.
15. N.N. Das Prize for the best — Sunil Vinodra
student of the year, 1983 in Doshi
the Accountancy Group.

Ahmedabad Branch	B-1, Capital Commercial Centre, Near Sanyas Ashram, Ashram Road, Ahmedabad-380 009.
Baroda Branch	10, Chandan Building, 2nd Floor, Near Sardar Bhavan, Raopura, Baroda-390 001.
Goa Branch	Datta Prasad, 3rd Floor, A. Albuquerque Road, Panjim—Goa.
Kolhapur Branch	1604, E Ward, Datta Prasad, Rajaram Puri, 5th Lane, Kolhapur-416 002.
Nagpur Branch	Dr. Mangrulkar's Bungalow, Dhantoli Park Corner, Nagpur-440 010.
Nasik Branch	C/o Shri S.N. Kulkarni, 59, Main Road, Shende Building, Nasik-422 001.
Poona Branch	C/o M/s. Kirtane & Pandit, Chartered Accountants, 576, Sadashiv Peth, Laxmi Road, Pune-411 030.
Rajkot Branch	2nd Floor Kamdhenu, Near Moti Tanki, Rajkot-360 001.
Surat Branch	C/o M/s Y.B. Desai & Co., "Vasudhara", Chamber Three, 3rd Floor, Parsi Sheri, Navapura, Surat-395 003.

APPENDIX XV

(Ref. Para 8.3 of the Report)

REGIONAL COUNCILS

WESTERN INDIA REGIONAL COUNCIL

'Anveshak'
27, Cuffe Parade,
Post Box No. 6081,
Colaba,
Bombay-400 005.

SOUTHERN INDIA REGIONAL COUNCIL

122, Nungambakkam High Road,
Post Box No. 3314,
Madras-600 034.

EASTERN INDIA REGIONAL COUNCIL

7, Russell Street,
Calcutta-700 071.

CENTRAL INDIA REGIONAL COUNCIL

16/77, Civil Lines,
Behind Reserve Bank of India,
The Mall,
Kanpur-208 001.

NORTHERN INDIA REGIONAL COUNCIL

5th Floor, Annexe,
Institute of Chartered Accountants Building,
Indraprastha Marg,
New Delhi-110 002.

SOUTHERN REGION

Alleppey Branch	Behind District Co-operative Bank Building, Palace Road, Alleppey-688 001.
Bangalore Branch	1/1-B, Cross, Behind Commission and General Agencies, J.C. Road, Bangalore-560 002.
Belgaum Branch	2nd Floor, Hari Mandir, Saraswat, Samaj Building, Samadevi Gali, Belgaum-590 002.
Calicut Branch	"Balasudha", Puthiyara Calicut-673 004.
Coimbatore Branch	M.M.S. Memorial Building, No. 1, Dewan Bahadur Road, Coimbatore-641 002.
Ernakulam Branch	XXIII/204, Madapparambil Buildings, Mahatma Gandhi Road, Ernakulam, Cochin-682 001.

Guntur Branch	Srinivasa Buildings, Main Road, Arundelpet, Guntur-522 002.	Ghaziabad Branch	C/o M/s. Ravi Kumar & Co., 58, G.T. Road, Punjab & Sind Bank Building, Ghaziabad-201 001.
Hyderabad Branch	C/o FAPCCI, 11-6-841, Red Hills, Post Box No. 14, Hyderabad-500 004.	Indore Branch	123, Jawahar Marg, Indore-452 002.
Kottayam Branch	Union Buildings, Municipal Junction, Kottayam-686 001.	Jaipur Branch	19, Yudhister Marg, C-Scheme, Jaipur-302 001.
Kumbakonam Branch	Gopa. Rao Library Complex, Town Hall Road, Kumbakonam-612 001.	Jamshedpur Branch	C/o P.K. Verma & Co., Patel Niwas, 1st Floor, Diagonal Road, Bistupur, Jamshedpur-831 001.
Madurai Branch	50-B, Pechiamman Padithurai Street, Madurai-625 001.	Jodhpur Branch	Opposite Stadium Ground, Jodhpur.
Mangalore Branch	Udaya Printay Building, Mangalore-575 003.	Lucknow Branch	Reid Hall, Lucknow Christian College, Golaganj Lucknow.
Mysore Branch	4581, Narasimharaja Mohalla, Mysore-570 007.	Patna Branch	C/o R.N. Mishra & Co., Rizvi House, Jamal Road, Patna-800 001.
Salem Branch	Town Railway Station Road, Salem-636 001.	Raipur Branch	C/o G.S. Agrawal & Co., Chartered Accountants Bagadia Mansion, Jawahar Nagar, Raipur-492 001.
Tiruchirapalli Branch	No. 35, Chinnakadai Street, 3rd Floor, Room No. 3, Tiruchirapalli-620 002.	Udaipur Branch	66, Panchsheel Marg, Near Town Hall Udaipur-313 001.
Tirunelveli Branch	C/o, Shri P.V. Ramachandran, F.C.A., 12, Sripuram, Tirunelveli-627 001.	NORTHERN REGION	
Trichur Branch	Bharadwaja Asramam, Patturaikkal, Trichur-1.		
Trivandrum Branch	Ulsave Madom Building, North of Padmanabha Swamy Temple Fort, Trivandrum-695 023.		
Vijayawada Branch	29 3/18, Museum Road, Next to Gandhi Co-op. Bank, Vijayawada-520 002.		
Visakhapatnam Branch	Sripuram, Visakhapatnam-530 003	Amritsar Branch	102, J&K Bank Building, Shastri Market, Amritsar.
EASTERN REGION		Chandigarh Branch	S.C.O. 809-810, Sector 22-A, . Chandigarh-160 002.
		Faridabad Branch	C/o M/s L.N. Chaudhary & Co., 7, Neelam Chowk, 1st Floor, Faridabad-121 001.
Asansol Branch	G.T. Road, (West End), opp. L.I.C. Building, Asansol, Dist. Burdwan.	Jullundur Branch	C/o M/s V.P. Vijn & Co., Opp. Govt. Higher Secondary School, Civil Lines, Jullundur City-144 001.
Bhubaneswar Branch	357, Sahid Nagar, Bhubaneswar-751 007	Ludhiana Branch	C/o. Jain Subhash & Co., B-1-645/3, Kundanpuri, Dr. Bindra Ban Road, Civil Lines, Ludhiana 141 001.
Gauhati Branch	Ambari, Gauhati-781 001	CHAPTERS OF THE INSTITUTE	
CENTRAL REGION			
		Doha Chapter	Post Box No. 164, Doha, Qatar.
Agra Branch	9/12, Sitar Gali, Moti Kutra, Agra.	Dubai Chapter	Post Box No. 1961, Dubai (U.A.E.).
Bhopal Branch	111, Malviya Nagar, Bhopal-461 003.	Abu Dhabi	C/o Shri Rana Maitra, M/s. S.R. Batliboi & Co., P.O. Box 7365 Abu Dhabi—U.A.E.

ANNUAL ACCOUNTS 1983-84

AUDITOR'S REPORT

We have audited the Balance Sheet of the Institute of Chartered Accountants of India as at 31st March, 1984 and also the annexed Income & Expenditure Account for the year ended on that date incorporating the audited accounts of the Regional Councils which includes the accounts of the Branches and the Students' Associations and their Branches and report that :—

- (1) We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit ;
- (2) The Balance Sheet and the Income & Expenditure Account dealt with by the report are in agreement with the books of accounts ;
- (3) In our opinion, the accounts are maintained in conformity with the requirements of the Chartered Accountants Act 1949; and
- (4) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the statements together with the schedules attached and read with notes give a true and fair view :
 - (i) in the case of the Balance Sheet of the state of affairs as at 31st March, 1984 and
 - (ii) in the case of the Income & Expenditure Account of the Surplus for the year ended on that date.

C.P. MEHRA M.R. VENKATARAMAN

Chartered Accountants

New Delhi.

Dated : 15th September, 1984.

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI : ACCOUNTING POLICIES

1. Depreciation : Fixed assets are shown on historical cost basis and have been depreciated on the diminishing balance

method. Library books at the Head Office have been depreciated on the straight line method.

2. The admission fee from fellow members and a major portion of the entrance fee received from associate members are capitalised. An appropriate portion of the surplus arising out of students activities is transferred to Education Fund and to the extent this fund is utilised on fixed assets, transferred to Capital Reserve.

3. Inventories of paper, publications and study materials are valued at lower of cost or net realisable value. For this purpose cost is ascertained on the basis of direct cost method.

4. Provision for Gratuity to staff is made on accrual basis. A gratuity-cum-group insurance policy has been taken from the Life Insurance Corporation of India. Any shortfall in the payment of gratuity is debited in the year of payment.

5. Investments have been valued at cost.

6. Income from Seminars Symposiums and Conferences has been accounted for on cash basis.

NOTES FORMING PART OF THE ACCOUNTS AS AT 31ST MARCH, 1984

1. Accounts of three branches of Regional Councils ; two Students' Associations and six branches of Students Associations have not been received and hence not incorporated. However, the grants/fee paid/payable during the year to the above branches have been accounted for.

In respect of one branch of the Regional Council and one branch of Students' Association, unaudited accounts have been incorporated in the accounts of the Regional Councils.

2. In the earlier years, the second instalment of coaching fee receivable from the students was not collected in accordance with the interpretations placed on the relevant rules. Rupees 37.38 lacs receivable from students registered prior to 1-10-1981 have been collected during the year and spread over equally over a period of 6 years beginning from 1983-84 as per the decision of the Council.

3. Figures for the previous year have been re-grouped and/or re-arranged wherever necessary.

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI
Balance Sheet as at 31st March, 1984.

	Schedule	Rs.	31-3-84 Rs.	Rs.	31-3-83 Rs.
1	2	3	4	5	6
Funds Employed					
(1) Fixed Assets					
Gross Block		188,10,935		169,09,053	
Less : Depreciation		64,23,231		56,27,009	
Net Block	A		123,87,704		112,82,044
(2) Earmarked Investments	B		50,38,233		29,56,147
(3) Other Investments :					
(a) Fixed Deposits with Banks		156,77,648		105,06,668	
(b) Govt. Securities		2,506	156,80,154	2,506	105,09,174
(4) Net Current Assets	C		(—)37,27,808		(—)5,34,648
			293,78,283		242,12,717
Financed By :					
(1) Capital Reserve	D		149,97,879		141,04,479
(2) General Reserve	E		78,78,052		54,85,244

	2	3	4	5
(3) Other Reserve	F		14,64,119	16,66,849
(4) Earmarked Funds	G		50,38,233	29,56,147
			293,78,283	242,12,717

P.C. JAIN
Sr. Deputy Secretary

R.L. CHOPRA
Secretary

P.N. SHAH
President
A.C. CHAKRABORTTI
Vice-President

As per our Report of even date attached
C.P. MEHRA, M.R. VENKATARAMAN
Chartered Accountants

New Delhi, 15th September, 1984

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI
INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 1984.

	1983-84 Rs.	1982-83 Rs.
I. INCOME—SCHEDULE-H		
(a) Members		
(i) Regulatory	89,71,051	77,54,695
(ii) Professional Development & Research	8,61,923	5,25,818
	98,32,974	82,80,513
(b) Students	175,37,953	150,35,382
TOTAL :	273,70,927	233,15,895
H. EXPENDITURE—SCHEDULE-I		
(a) Members		
(i) Regulatory	25,61,130	29,81,139
(ii) Professional Development & Research	66,13,419	55,52,994
	91,74,549	85,34,133
(b) Students	140,69,183	133,50,536
TOTAL :	232,43,732	218,84,669
(c) Surplus for the year :		
(i) Transferred to Education Fund	17,34,385	8,42,423
(ii) Transferred to General Reserve	23,92,810	5,88,803
	41,27,195	14,31,226
TOTAL :	273,70,927	233,15,895

P.C. JAIN R.L. CHOPRA P.N. SHAH As per our Report of even date attached.
Sr. Deputy Secretary Secretary President
A.C. CHAKRABORTTI C.P. MEHRA, M.R. VENKATARAMAN
Vice-President Chartered Accountants

15th September, 1984.

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI
SCHEDULE 'A'—FIXED ASSETS

(Amount in Rupees)

Sl. No.	Assets	Cost as at 1-4-1983	Adjustments relating to branches	Additions during the year	Cost as at 31-3-1984	Depreciation as at 31-3-1984	Book Value as at 31-3-1984	Book Value as at 31-3-1983
1.	Land	2,82,693	..	1,75,548	4,58,241	..	4,58,241	2,82,693
2.	(a) Buildings	83,76,430	..	3,25,028	87,01,458	14,80,779	72,20,679	70,80,797
	(b) Building under construction	7,76,507	7,76,507		7,76,507	..
3.	Electric Installations & Fittings	10,60,154	(—)13,914	1,12,619	11,58,859	6,16,499	5,42,360	5,04,323

4. Air Conditioning Installations	12,27,428	12,27,428	6,85,256	5,42,172	6,37,850
5. Lifts	2,84,041	2,84,041	1,30,330	1,53,711	1,70,790
6. Furniture & Fixtures	22,65,400	(—)45,234	1,97,058	24,17,224	11,04,384	13,12,840	12,92,885
7. Office Equipments	9,88,761	(—)1,781	1,14,004	11,00,984	6,41,430	4,59,554	4,28,319
8. Vehicle	76,985	76,985	27,715	49,270	61,588
9. Library	23,47,161	(—)79,928	3,41,975	26,09,208	17,36,838	8,72,370	8,22,799
TOTAL	169,09,053	(—)1,40,857	20,42,739	188,10,935	64,23,231	123,87,704	112,82,044

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI
SCHEDULE 'B'—EARMARKED INVESTMENTS

(Amount in Rupees)

	Fixed Deposits with Banks		Balance in other Bank A/Cs.		Government Securities		Total	
	31-3-84	31-3-83	31-3-84	31-3-83	31-3-84	31-3-83	31-3-84	31-3-83
A. Education Fund Investments Total (A)	31,38,726	14,89,963	31,38,726	14,89,963
B. Other Earmarked Investments								
(a) Research Fund	6,78,994	6,78,427	(—)567	6,78,427	6,78,427
(b) Medals & Prizes Fund	1,57,117	1,59,354	23,970	20,480	80,025	80,025	2,61,112	2,59,859
(c) Scientific Research Fund	2,24,654	2,24,654	4,028	4,028	2,28,682	2,28,682
(d) Others	7,13,668	2,33,808	17,618	65,408	7,31,286	2,99,216
Total (B)	17,74,433	12,96,243	45,049	89,916	80,025	80,025	18,99,507	14,66,184
GRAND TOTAL (A+B)	49,13,159	27,86,206	45,049	89,916	80,025	80,025	50,38,233	29,56,147

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI
SCHEDULE 'C'—NET CURRENT ASSETS

(Amount in Rupees)

Particulars	31-3-1984		31-3-1983	
Current Assets :				
(a) Publications, Study Materials & Stationery	25,02,467		20,66,936	
(b) Amounts Receivable :				
Interest	7,83,537		5,67,216	
Others	18,73,496	26,57,013	17,90,496	23,57,712
(c) Loans & Advances :				
(i) Advances to Staff-Housing, Car, Cycle Loans	22,16,822		17,97,517	
Others	42,554		25,226	
	22,59,376		18,22,743	
(ii) Loan Scholarship to Students.	4,37,804		6,76,273	
(iii) Advances in respect of land and new constructions	..		1,55,998	
(iv) Others	6,21,903	33,19,083	4,93,257	31,48,271
(d) Cash & Bank Balances	39,83,618		44,59,024	
TOTAL :	124,62,181		120,31,943	
Less : Current Liabilities :				
(a) Fees received in advance	133,54,675		90,82,442	
(b) Creditors for expenses	17,05,254		16,26,006	
(c) Other liabilities	11,30,060		18,58,143	
TOTAL :	161,89,989		125,66,591	
Net Current Assets	(—)37,27,808		(—)5,34,648	

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI.
SCHEDULE 'D'—CAPITAL RESERVE

(Amounts in Rupees)

PARTICULARS	31-3-1984	31-3-1983
(a) General (A)		
Balance as per last account	117,72,852	111,10,852
Add : Admission Fee and Entrance Fee allocated	8,93,400	6,62,000
TOTAL (A) :	126,66,252	117,72,852
(b) Education (B)		
Balance as per last account	23,31,627	17,31,052
Add : Transfer from Education Fund	—	6,00,575
TOTAL (B) :	23,31,627	23,31,627
GRAND TOTAL (A+B) :	149,97,879	141,04,479

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI
SCHEDULE 'E' GENERAL RESERVE

(Amounts in Rupees)

PARTICULARS	31-3-1984	31-3-1983
Balance as per last account	54,85,242	49,15,059
Add : Surplus as transferred from Income & Expenditure Account	23,92,810	5,88,803
	78,78,052	55,03,862
Less : Transferred to Other Reserve	—	(—)18,620
TOTAL :	78,78,052	54,85,242

SCHEDULE 'F' —OTHER RESERVES

(Amounts in Rupees)

PARTICULARS	31-3-1984	31-3-1983
Balance as per last account	16,66,849	14,46,854
Add : Net Accretion/Depletion during the year	1,10,903	1,51,375
Transferred to/from Earmarked Funds	(—)3,13,633	50,000
Transferred from General Reserve	—	18,620
TOTAL :	14,64,119	16,66,849

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI
SCHEDULE 'G'—EARMARKED FUNDS

(Amounts in Rupees)

PARTICULARS	31-3-1984	31-3-1983
A. Education Fund		
Balance as per last account	14,89,963	12,14,008
Transferred from Income & Expenditure A/c.	17,34,385	8,42,423
Interest earned during the year	1,21,697	1,21,400
	33,46,045	21,77,831
Less : Transferred to Capital Reserve	—	(—)6,00,575
Adjustments	(—)2,07,319	(—) 87,293
TOTAL (A) :	31,38,726	14,89,963
B. Other Earmarked Funds		
(a) Research Fund—Balance as per last account	6,78,427	6,78,427
(b) Medals & Prizes Fund—Balance as per last account	2,59,859	2,53,141
Additions during the year	—	10,011
Income earned during the year	17,852	16,453
	2,77,711	2,79,605

Less : Cost of Medals & Prizes awarded	(—)16,599	(—)19,746
	2,61,112	2,59,859
(c) Scientific Research Fund— Balance as per last account	2,28,682	2,28,682
(d) Others— Balance as per last account	2,99,216	3,26,410
Transferred from Other Reserves	3,13,633	—
Additions during the year	81,139	2,000
Add : Income earned during the year	40,024	22,801
	7,34,012	3,51,211
Loss : Transferred to Other Reserves	—	(—)50,000
Expenditure during the year	(—)2,726	(—)1,995
	7,31,286	2,99,216
TOTAL (B) :	18,99,507	14,66,184
GRAND TOTAL (A+B)	50,38,233	29,56,147

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI (SCHEDULE—H)
ANNEXURE TO INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH, 1984

(Amounts in Rupees)

	TOTAL		MEMBERS				STUDENTS	
			Regulatory		Professional Development & Research			
	31-3-84	31-3-83	31-3-84	31-3-83	31-3-84	31-3-83	31-3-84	31-3-83
I. INCOME								
1. Entrance Fee allocated	3,42,000	1,11,200	3,42,000	1,11,200	—	—	—	—
2. Membership Fee	75,66,205	68,46,545	75,66,205	68,46,545	—	—	—	—
3. Post Graduate Course Fee	20,700	20,640	—	—	20,700	20,640	—	—
4. Students, Registration Fee	11,32,600	10,94,800	—	—	—	—	11,32,600	10,94,800
5. Students, Association Fee	87,100	95,200	—	—	—	—	87,100	95,200
6. Coaching Fee	66,72,817	54,50,630	—	—	—	—	66,72,817	54,50,630
7. Examination Fee	74,63,317	67,05,310	—	—	—	—	74,63,317	67,05,310
8. Journal & News Letter	2,57,262	2,59,769	—	—	—	—	2,57,262	2,59,769
9. Publications	19,05,724	13,02,435	—	—	4,42,406	3,17,628	14,63,318	9,84,807
10. Interest on Investment	1,55,076	1,54,208	—	—	89,673	88,169	65,403	66,030
11. Nomination Fee for Election to Council & Regional Councils	—	66,950	—	66,950	—	—	—	—
12. Others	4,45,279	2,31,283	4,568	4,242	3,09,144	99,381	1,31,567	1,27,660
Sub-Total	260,48,080	223,38,970	79,12,773	70,28,937	8,61,923	5,25,818	172,73,384	147,84,215
13. Income from General Fund Investments (Allocated)	13,22,847	9,76,925	10,58,278	7,25,758	—	—	2,64,569	2,51,167
TOTAL :	273,70,927	233,15,895	89,71,051	77,54,695	8,61,923	5,25,818	175,37,953	150,35,382

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI
ANNEXURE TO INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH, 1984

SCHEDULE-I

(Amounts in Rupees)

MEMBERS

	Total		Regulatory		Professional Development & Research		Students	
	31-3-84	31-3-83	31-3-84	31-3-83	31-3-84	31-3-83	31-3-84	31-3-83
II. Expenditure								
1. Salaries & Staff Expenses	78,89,021	71,43,364	14,27,422	12,68,420	19,31,540	17,02,394	45,30,059	41,72,550
2. Printing & Stationery	9,09,042	9,64,368	85,782	1,26,102	3,72,967	3,73,128	4,50,293	4,65,138
3. Publications	14,54,989	11,43,290	2,39,356	1,90,581	4,16,197	3,83,736	7,99,436	5,68,973
4. Journal & News Letter	16,50,415	14,00,841	—	—	14,03,048	11,89,838	2,47,367	2,11,003
5. Coaching (Excluding Salaries & Staff expenses)	22,45,135	17,99,232	—	—	—	—	22,45,135	17,99,232
6. Examination (Excluding salaries & Staff expenses)	37,18,390	43,12,406	—	—	—	—	37,18,390	43,12,406
7. Postage, Telegram & Telephones	7,60,092	5,92,276	1,65,522	1,28,264	2,39,026	1,86,639	3,55,544	2,77,373
8. Rent, Rates & Taxes	5,99,566	8,21,614	1,13,153	1,73,965	2,23,369	2,68,280	2,63,044	3,79,369
9. Repairs & Maintenance	4,94,093	4,43,600	1,10,557	94,252	1,49,456	1,44,196	2,34,080	2,05,152
10. Depreciation	8,56,248	8,08,197	2,14,063	2,01,522	2,14,061	2,01,522	4,28,124	4,05,153
11. Travelling & Conveyance :								
(a) Council Members	8,89,166	7,05,526	1,39,790	1,67,546	4,92,720	3,45,993	2,56,656	1,91,987
(b) Staff & Others	2,08,400	2,44,086	37,228	38,768	79,109	1,37,177	92,063	68,141
12. Library Maintenance	68,681	82,365	—	—	33,661	39,028	35,020	43,337
13. Overseas Relations	4,40,578	2,86,342	—	—	4,40,578	2,86,342	—	—
14. Professional Fees	1,22,165	1,61,953	16,110	43,604	51,946	47,569	54,109	70,780
15. Election	12,147	5,48,115	12,147	5,48,115	—	—	—	—
16. Others	9,25,604	4,27,094	—	—	5,65,741	2,47,152	3,59,863	1,79,942
TOTAL :	232,43,732	218,84,669	25,61,130	29,81,139	66,13,419	55,52,994	140,69,183	133,50,536

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI
STATEMENT OF CHANGES IN FINANCIAL POSITION FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH 1984

(Rupees in lakhs)

	1983-84	1982-83
Source of Funds :		
Net Income from investments, property etc. (both on capital and revenue accounts)	16.43	12.76
Capital receipts in the form of entrance fee, donations etc.	08.79	07.38
Decrease in working capital (See statement below)	31.93	10.87
	<u>57.15</u>	<u>31.01</u>
Surplus for the year without charging depreciation and considering non-operational income from investments and property.	35.80	11.44
TOTAL	<u>92.95</u>	<u>42.45</u>
Application of Funds		
Acquisition of Fixed Assets	20.42	33.91
Acquisition of Investments	72.53	08.54
TOTAL	<u>92.95</u>	<u>42.45</u>

STATEMENT OF CHANGE IN WORKING CAPITAL

(Rupees in lakhs)

	Increase/Decrease	
	1983-84	1982-83
Current Assets		
(a) Publications, Study Materials & Stationery	04.35	00.22
(b) Amounts Receivable : Interest	02.16	(—)00.69
Others	00.83	03.94
(c) Loans & Advances		
(i) Advances to Staff	04.36	01.34
(ii) Loan Scholarships to Students	(—)02.38	00.42

(iii) Advances in respect of land and new construction	—	(—)10.61
(iv) Others	(—)00.27	(—)00.46
(d) Cash & Bank balances	(—)04.75	19.23
TOTAL	04.30	13.39
Current Liabilities		
(a) Fees received in advance	42.72	25.42
(b) Creditors for expenses	00.79	03.66
(c) Other Liabilities	(—)07.28	(—)04.82
TOTAL	36.23	24.26
Net Decrease in Working Capital	31.93	10.87

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA, NEW DELHI
ANALYSIS OF EXPENSES ON MEMBERS FOR THE YEAR 1983-84

APPENDIX

S.No.	PARTICULARS	1983-84	1982-83
		Rs.	Rs.
1.	(a) No. of Members	32,237	29,176
	(b) Total Expenditure*	9,175	8,534
2.	Total Expenditure per member	285	293
3.	Regulatory		
	(a) Total Expenditure*	2,561	2,981
	(b) Expenditure per member	80	102
	(c) Percentage	28 %	35 %
4.	Professional Development & Research		
	(a) Total Expenditure*	6,613	5,553
	(b) Expenditure per member	205	191
	(c) Percentage	72 %	65 %

*Rupees in thousands

R. L. CHOPRA, Secy.
The Institute of Chartered Accountants of India.